August 2022

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

Vol.21, Issue 10 | Annual Subscription ₹ 480

Rotary

दो रो ई अध्यक्षों ने RNT कार्यालय का दौरा किया

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और उनके पति डीजीएन निक क्रेयासिच ने इमेजिन इम्पैक्ट इंडिया दौरे के दौरान चेन्नई में रोटरी न्यूज़ कार्यालय का दौरा किया।

एक महीने पहले, 26 जून को, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि ने RNT कार्यालय का दौरा किया।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश

रोटरी न्यूज़ की संपादक रशीदा भगत और कर्मचारियों के साथ रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और डीजीएन निक क्रेयासिच (चरम दाएं)।

रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता, राशि, रो ई निदेशक महेश कोटबागी, RID 3232 के डीजी जे श्रीधर, और उनकी पत्नी पुनीता, जून में RNT कार्यालय में रोटरी न्यूज़ के कर्मचारियों के साथ।

विषयसूची

12
रोटरी क्लब जमशेदपुर एक अनुकरणीय परियोजना के माध्यम से दिल धड़काता है

18
110 देशों में रोटरी में अभी तक 30% महिला सदस्य हैं

20
आइये रोटरी का और अधिक क्षेत्रीयकरण करें: शेखर मेहता

22
यूक्रेन में रोटरी की मदद से "अभिभूत": जॉन ह्यूको

25
रोटरी भारत श्रीलंका की मदद करती हैं

26
रोटरी में महिलाओं में अन्तर्निहित शक्ति की अपार संभावनाएं हैं

34
गुरुकुल को मिली रोटरी की WinS सुविधा

36
सरकारी स्कूल के बच्चे रोबोटिक्स सीखते है

38
युवा करूर व्यापारियों, पेशेवरों ने की रोटरेक्ट रैंकों में वृद्धि

44
हैप्पी हल्ली प्रोजेक्ट ने एक गांव की सूरत बदल दी

46
जब एक गांव गोद लेने की परियोजना ने एक युवती को बचाने में मदद की

70
छोटे-छोटे कदम उठाना

रोटरी की पहली महिला अध्यक्ष

आखिरकार अब रोटरी के पास उसकी पहली महिला अध्यक्ष - कनाडा की जेनिफर जोन्स है। यह हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष है। मैंने लेख *अध्यक्ष के भीतर छिपा कहानीकार* पढ़ा जिसमें स्तन कैंसर से उनकी लड़ाई और नृत्य मंच पर उनके थिरकते कदम तक उनकी जीवन यात्रा का वर्णन है। 55 की उम्र में भी बहुत ही आकर्षक और जीवंत महिला। हम सौभाग्यशाली है कि हमें उनके रूप में अपना नेतृत्वकर्ता प्राप्त हुआ।

भरत और शालन सवुर द्वारा लिखित लेख *कार्डियक अरेस्ट से बचाव* को उन सभी रोटेरियनों द्वारा पढ़ा जाना चाहिए जो अपने स्वास्थ्य को महत्व देते है। यहाँ हम खुद को TRF न्यासी डॉ भरत पांड्या के प्रसिद्ध मंत्र की याद दिला सकते है: एक चम्मच कम, चार कदम आगे। एक स्वस्थ रोटेरियन न केवल रोटरी के लिए बल्कि उस समुदाय के लिए भी एक संपत्ति होता है जिसमें वह जीवन जीता है, उत्साहित होकर सेवा करता है!

रॉबर्ट फ्रैंकलिन रेगो
रोटरी क्लब बाजपे
मंडल 3181

अपने संपादकीय में रशीदा भगत ने अच्छी तरह लिखा है: ''जब दिशा-निर्देश ऊपर से आते है, तो चमत्कार होते है। लैंगिक समानता की लड़ाई बहुत लंबी है और इसे जितना संभव हो सके पुरुष और महिला दोनों के समर्थन की बहुत आवश्यकता है।'' इसके शब्द उपयुक्त रूप से उन चुनौतियों का वर्णन करते है जो नई रोटरी अध्यक्ष जेनिफर जोन्स के सामने है। लिंग समानता की यात्रा बहुत लंबी और कठिन है।

नमिता शर्मा
रोटरी क्लब नागपुर - मंडल 3030

जुलाई अंक में रो ई की पहली महिला अध्यक्ष जेनिफर जोन्स की कवर तस्वीर शानदार है। उन्होंने इस वर्ष अपने सपने को पूरा करने हेतु उचित रूप से रोटरी के प्रचार पर ज़ोर दिया है।

रो ई निदेशक डॉ महेश कोटबागी और रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश के संदेश दिलचस्प है। संस्थान न्यासी अध्यक्ष और न्यासी दोनों ने TRF को योगदान देने पर ज़ोर दिया। डायना शोबर्ग द्वारा लिखित लेख अध्यक्ष के भीतर छिपा कहानीकार उत्कृष्ट है। मेहता से यह सुनकर अच्छा लगा कि पिछले साल दुनिया भर में 45,000 नए सदस्य जोड़े गए। ह्यूस्टन सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वीडियो भाषण से रोटेरियनों को आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त ऊर्जा मिली। अन्य सभी लेख जैसे *नागपुर में महिलाओं को कौशल सिखाना*, सुंदर तस्वीरों के साथ लेख *ह्यूस्टन में साउथ एशियाई डिनर*, रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश का संदेश नए रोटरी वर्ष की शुरुआत में उम्मीद की एक नई किरण प्रदान करता है क्योंकि वह कहते है पिछली सफलताओं ने एक नई सोच प्रक्रिया को जन्म दिया है और इस प्रकार नए अवसर खुले है। उनके विचार बहुत ही प्रेरणादायक है।

मुकुंदम सिंगम
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली डायमंड सिटी
मंडल 3000

नई आशा की नई सुबह

रोटरी ने नेपाल के पेरे गांव में परिवर्तन की शुरुआत की है। मुझे लगता है कि यह न केवल इस देश के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए एक प्रेरक कहानी है।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश का 'उत्कृष्टता की प्रतिष्ठा' पर लिखित संदेश और रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता द्वारा लड़कियों को सशक्त बनाने पर लिखित लेख दिलचस्प थे।

रोटरी का समन्वय के साथ आगे बढ़ना पर लिखित लेख प्रेरणादायक था। रो ई अध्यक्षीय सम्मेलन पर लेख शानदार थे - इतनी जीवंत तस्वीरें खुद एक हजार शब्दों के बराबर थी। स्वास्थ्य पर लिखित लेख ने एक बढ़िया अनुस्मारक के रूप में कार्य किया।

विवेक खंडेलवाल, रोटरी क्लब देवनार
मंडल 3141

दो बड़ी उपलब्धियां

लड़कियों का सशक्तिकरण और सदस्यता वृद्धि, पिछले साल रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता की दो बड़ी उपलब्धियां रही। रोटरी का इतने सराहनीय तरीके से नेतृत्व करने के लिए उन्हें सलाम। विभिन्न देशों की उनकी यात्राओं और उनके राष्ट्र प्रमुखों से उनकी मुलाकात के बारे में संपादक रशीदा भगत ने विस्तृत जानकारी दी। PRIP के आर रवींद्रन के नेतृत्व में रोटेरियनों ने सुशासन की मांग करते हुए श्रीलंका में एक रैली निकाली क्योंकि यह द्वीप राजनीतिक और आर्थिक संकट की मार झेल रहा है।

TCA श्रीनिवास राघवन का अपने विस्तारित परिवार पर लिखित लेख जो अब दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बस गए है और विभिन्न भाषाएं बोलते है, दिलचस्प है।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट
मंडल 3000

शांति, संघर्ष और रोटरी की भूमिका, सम्मेलन की झलक और रोटरी क्लब बड़ौदा लड़कियों को सशक्त बनाता है उत्कृष्ट है। मंडल गतिविधियाँ की तस्वीरें रंगबिरंगी है।

फिलिप मूलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

लेख शांति, संघर्ष और रोटरी की भूमिका पूर्व सेना प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह द्वारा दिए गए एक प्रेरणादायक भाषण के साथ दिलचस्प लगता है। रोटरी क्लब नागपुर विज़न द्वारा प्रोजेक्ट सुंदरी के तहत 100 महिलाओं को सौंदर्य देखभाल पर प्रशिक्षण उन्हें कुशल बनाने के बारे में विवरण प्रदान करता है। यह बहुत खुशी की बात है कि रोटरी को जेनिफर जोन्स के रूप में अपनी पहली महिला अध्यक्ष मिली।

जगदीश एम वाघासिया
रोटरी क्लब सूरत ईस्ट
मंडल 3060

भारत सरकार तमाशा नहीं देख रही है

रोटरी क्लब चिसविक और ब्रेंटफोर्ड, यूके, के रोटेरियन जॉन आर्मस्ट्रांग ने अपने पत्र (जुलाई अंक) में भारतीय उपमहाद्वीप द्वारा कोई भी निर्णय लेने से बचने के बारे में दुख व्यक्त किया है और साथ ही रो ई के एक बयान के बारे में भी उल्लेख किया है जो 'रूसी बलों की वापसी' की मांग करता है।

यह दुखद है कि हमारे मातृ क्लब, रोटरी क्लब मद्रास, के आधिकृत अध्यक्ष के पोते रो ई द्वारा दिए गए एक राजनीतिक बयान का मुद्दा बना रहे है, जिन्हें पहली बात तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों पर टिप्पणी करने का कोई हक नहीं है।

ऐसा लगता है कि आर्मस्ट्रांग अपनी औपनिवेशिक मानसिकता के चलते भारत सरकार द्वारा किसी का पक्ष न लेने के निर्णय पर अपना फैसला सुना रहे है। यह कोई निर्णय लेने से बचना नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट नीति है कि इस उप-महाद्वीप के 1.4 बिलियन लोग यूरोप के युद्ध के प्रभावों से प्रभावित ना हो, जो पश्चिमी और NATO देशों की ट्रिगर-हैप्पी नीतियों का नतीजा है।

यह आर्मस्ट्रांग का ही देश था जिसने औपनिवेशिक शासन के दौरान लाखों भारतीयों के जीवन को नुकसान पहुँचाया और बंगाल अकाल का कारण बना जिसने चार मिलियन से अधिक नागरिकों की जान ली क्योंकि ब्रिटेन ने भोजन की खेती करने वालों को खिलाने के बजाय युद्ध के लिए भोजन भेजना शुरू कर दिया था। क्या आर्मस्ट्रांग के दादा ने औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीयों की हत्या को रोकने के लिए कुछ किया था या वह भी कोई निर्णय लेने से बच रहे थे?

इतना कहना पर्याप्त है, रो ई को युद्ध में किसी का भी पक्ष लेने का कोई अधिकार नहीं है बल्कि उसे सिर्फ मानव पीड़ा को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

शंकर दुरईस्वामी
रोटरी क्लब मद्रास मिडटाउन
मंडल 3232

साल के अंत के संदेश में, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता ने अपने कार्यों का एक बढ़िया संक्षेप प्रस्तुत किया। कई क्लबों ने लड़कियों को सशक्त बनाने, पर्यावरण में सुधार लाने और साक्षरता एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए परियोजनाएं की। PRIP के आर रवींद्रन द्वारा रोटेरियनों, रोटरेक्टरों और एन्स की मदद से श्रीलंका में एक जुलूस निकालकर सुशासन की मांग करने और जागरूकता पैदा करने का विशेष प्रयास उल्लेखनीय है।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन
मंडल 3000

अगस्त अंक की कवर स्टोरी (अध्यक्ष के भीतर छिपा कहानीकार) में, अध्यक्ष जेनिफर जोन्स का नाम ग़लती से जोन्स जोन्स टाइप किया गया था। हमें त्रुटि का खेद है।

We welcome your feedback.Write to the Editor:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com.
Messages on your club/district projects, information and links on zoom meetings/ webinar should be sent only by email to the editor at
rushbhagat@gmail.com or
rotarynewsmagazine@gmail.com.
WHATSAPP MESSAGES WILL NOT BE ENTERTAINED.

Click on **Rotary News Plus** on our website
www.rotarynewsonline.org
to read about more Rotary projects.

कवर पर: रोटरी क्लब जमशेदपुर द्वारा प्रायोजित पेसमेकर निर्धारण के एक लाभार्थी।

एक निमंत्रण के साथ शुरूआत करें

हम सभी ने रोटरी के सदस्य बनने के लिए अपना-अपना रास्ता अपनाया है। आप में से कुछ इससे इसलिए जुड़े क्योंकि आपके पिता एक रोटेरियन थे। हम में से कुछ इसलिए जुड़े क्योंकि हमारे नियोक्ता ने हमसे इसकी एक बैठक में भाग लेने के लिए कहा। बाकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सदस्य बने जिसने इसे संभव बनाया। फिर भी हम में से प्रत्येक ने एक ही प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश किया - एक निमंत्रण।

एक निमंत्रण जो हमारी कल्पनाओं को विस्तारित करता है और हमें यह बताता है कि सब कुछ संभव है। हम में से प्रत्येक के पास एक समान अवसर है - एक निमंत्रण देने का अवसर।

यह कल्पना करना विस्मयकारी है कि कैसे हम अपने समुदायों में जाकर अपने भावी नेताओं की पहचान कर सकते है। अक्सर हमारे जैसे लोगों को आकर्षित करना मोहक होता है। इस बात पर बस सरलता से विचार कीजिए कि अलग प्रतीत होने वाले बहुत से लोग वास्तव में हमारे मूल्यों को साझा करते है और उनमें से कुछ प्रतिभाओं को बस एक मौके का इंतज़ार होता है।

समय आ गया है कि हमारे संगठन में विविधता, निष्पक्षता और समावेशन (DEI) को आगे बढ़ाने हेतु रोटरी हमारा अगला कदम उठाए। लोगों को सम्मिलित होने का अनुभव करवाना हमारी सदस्यता संख्या को और अधिक विविध बनाने से बढ़कर है। यह हमारी बैठकों और कार्यक्रमों को एक ऐसी जगह बनाने के बारे में है जहाँ हम एक-दूसरे के साथ खुलकर ईमानदारी से बात कर सकें, जहाँ हमारे सदस्य अभिलषित और सुरक्षित महसूस करते है। इसका अर्थ है प्रवेश के लिए बाधाओं को हटाना और सम्मिलित करने के लिए दरवाजे खोलना। हमारे मूल्य हमारी ताकत है - और उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता हेतु यह आवश्यक है कि हम अपने सदस्यों के लिए भी उच्च मानकों को बनाए रखें।

मेरा मानना है कि हम सभी रोटरी में DEI को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। यह हमारे संगठन की सबसे गहरी परंपराओं में निहित है, और यह सुनिश्चित करेगा कि हम आने वाले दशकों तक जीवंत और प्रासंगिक बने रह सकें।

कुछ साल पहले, हमारे रोटरी मंडल ने 2023 तक महिला सदस्यों की हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था। हमारे पास एक साल से भी कम समय बचा है लेकिन मेरा मानना है कि हम इस लक्ष्य को पूरा करके इसे पार कर सकते है।

हमें आवश्यकता है कि रोटरी नेता हर महाद्वीप, संस्कृति और पंथ से आगे आए। हमें बड़ी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को निभाने के लिए युवा सदस्यों और युवा विचारकों की आवश्यकता है। हमें नए रोटरी सदस्यों को उतनी ही उत्सुकता और उतने ही सम्मान के साथ सुनने की आवश्यकता है जैसे हम हमारे पुराने सदस्यों को सुनते है।

ह्यूस्टन में हमारे हालिया अधिवेशन के दौरान, हमने अंतरिक्ष यात्रियों से अंतरिक्ष में उनकी यात्राओं के बारे में सुना। हमने 1960 के दशक के एक समय को प्रतिबिंबित किया जब अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने दुनिया से सपने देखने का आग्रह अपनी इस घोषणा के साथ किया कि ''हम चंद्रमा पर जाएंगे (और अन्य चीजें करेंगे), इसलिए नहीं कि वे आसान है बल्कि इसलिए कि वे कठिन है।''

पूरी तरह से उन्मूलन के लिए रोटरी को प्रतिबद्ध करना और हमारे महत्वाकांक्षी सदस्यता लक्ष्यों को पूरा करना चाँद पर पहुँचने की तरह ही असंभव लग सकता है। लेकिन मुझे पता है कि जब कार्यवाही करने वाले लोग एक बड़े लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध होते है, तो हम इसके लिए अपनी पूरी जान लगा देते है।

कृष्णप्रतीश एस

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स RNT कार्यालय में।

जेनिफर जोन्स
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

सर्वश्रेष्ठ सेवा

रोटरी की दुनिया में, पद पर रहते हुए रो ई अध्यक्ष का आगमन अत्यन्त सम्मान की बात होती है। हाँ, जून 2022 से पहले, चेन्नई स्थित रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के कार्यालय को रो ई अध्यक्ष के आतिथ्य का अवसर अंतिम बार 2007 में प्राप्त हुआ था, जब विल्फ विल्किंसन इस शीर्ष पद पर रहते हुए हमारे कार्यालय आये थे। ये वाकया काफी पहले का है, सितंबर 2014 में मेरे इस पत्रिका के संपादक बनने से पूर्व। मेरे संपादक कार्यकाल शुरू होने से कुछ वर्ष पहले, आगामी अध्यक्ष के रूप में हमारे यहां - कल्याण बेनर्जी, रॉन बर्टन, गेरी हुआंग और के आर रवींद्रन का आगमन हो चुका है।

लेकिन दैव योग से, अचानक ही, और हम इसके लिए बिलकुल भी तैयार नहीं थे, एक महीने के भीतर - 26 जून से 26 जुलाई - हमारे कार्यालय में दो सेवारत रो ई अध्यक्षों का पदार्पण हुआ - शेखर मेहता और फिर जेनिफर जोन्स - जिनकी गरिमामयी उपस्थिति से हम आह्लादित हो गए और हाँ, मेहता रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के ट्रस्टी भी हैं।

भले ही मेहता का कार्यकाल समाप्त हो रहा था, लेकिन उनमें उत्साह और ऊर्जा स्पष्ट झलक रही थी, और वैसी ही चुम्बकीय ऊर्जा, आत्मविश्वास से लबरेज़ प्रेसिडेंट जोन्स में नज़र आई, जब वह सौम्यता, उत्साह और संकल्प की बयार बिखेरती हमारे कार्यालय में आईं थी। उनकी अभिव्यक्ति, बात चीत और हाव-भाव से यह साफ़ लग रहा था कि यह एक निर्भीक महिला है जो सिर्फ काम से मतलब रखती है... ये भली भांति जानती हैं कि उन्हें ये ऐतिहासिक अवसर दुनिया में यह प्रमाणित कर दिखाने के लिए मिला है कि कड़ी मेहनत और निश्चय, बुद्धिमानी और दूरदर्शिता, और इन सबसे अधिक एक दयालु हृदय... ये ऐसे गुण हैं जो न तो लिंग विशिष्ट हैं, न ही ये इस या उस लिंग तक सीमित हैं। पहले पुणे और उसके बाद चेन्नई में आयोजित मीटिंग और कार्यक्रमों में मैंने उनका सम्बोधन देखा है, सुना है, जिससे एक बात तो साफ़ है कि अपने अध्यक्षीय कार्यकाल की जबरदस्त कामयाबी के लिए पूरी शिद्दत के साथ वो अपने जुनून, ऊर्जा और कड़ी मेहनत निवेश करने जा रही हैं।

अध्यक्ष के कार्यालय तक अपनी यात्रा में लैंगिक पूर्वाग्रह को जरा भी महत्त्व नहीं दिया, हमेशा क्षमता और योग्यता की पक्षधर रही हैं, लिंग की नहीं। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि अब उन्हें एक बाज की नज़र से परखा जाएगा, जैसा कि महत्वपूर्ण पदों पर पहुँचने वाली सभी महिलाओं के साथ होता है। अब यह निर्भर करता है अन्य प्रतिभाशाली, मेहनती,योग्य, और सक्षम महिलाओं पर कि वे उनके द्वारा दर्शाये मार्ग से हो कर गुजरेंगी या नहीं। अगर कड़ी मेहनत, पक्की लगन और सेवा इनका मंत्र है तो सफलता निश्चित है।

पुणे में लक्ष्य-निर्धारण कार्यक्रम लक्ष्य में हमारे क्षेत्रों की सात महिला डीजीई से मिलकर हार्दिक प्रसन्नता हुई। हां, पहली बार रोटरी इंडिया एक बैच में सात महिला गवर्नर्स को देखेगी। उन सभी को शुभकामनाएँ।

एक बार फिर, ये संयोग ही है, इस अंक की कवर स्टोरी भी एक उत्साही और समर्पित महिला के सन्दर्भ में है, जिसने एक हृदय विकृति वाले जरूरतमंद रोगियों को मामूली कीमत पर पेसमेकर लगाने में मदद करने के लिए बेबाकी और कड़ी मेहनत के साथ पूरी लगन से काम किया है। रोटरी क्लब जमशेदपुर से हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विजया इस शहर के टाटा मेन अस्पताल में अनियमित धड़कन वाले हृदय रोगियों को पेसमेकर लगाने में पिछले 17 वर्षों से कार्यरत हैं। कार्डियोलॉजी विभाग की प्रमुख रह चुकी विजया अस्पताल से सेवानिवृत्त होने के बाद भी, उन्होंने अपने उत्तराधिकारी डॉ मंदार शाह को अपने रोटरी क्लब में शामिल हो कर इस सेवा को जारी रखने के लिए राजी कर लिया। कुल मिलाकर, उनके प्रयासों की बदौलत टाटा अस्पताल में लगाए गए पेसमेकर की मदद से 222 दिल लगातार धड़क रहे हैं।

निश्चित रूप से यह सर्वश्रेष्ठ सेवा है।

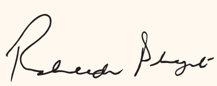

रशीदा भगत

Governors Council

RID 2981 Selvanathan V
RID 2982 Saravanan P
RID 3000 I Jerald
RID 3011 Ashok Kantoor
RID 3012 Dr Lalit Khanna
RID 3020 Bhaskar Ram V
RID 3030 Dr Anand A Jhunjhunuwala
RID 3040 Jinendra Jain
RID 3053 Rajesh Kumar Chura
RID 3054 Dr Balwant S Chirana
RID 3060 Shrikant Balkrishna Indani
RID 3070 Dr Dushyant Choudhary
RID 3080 Kalta V P
RID 3090 Gulbahar Singh Retole
RID 3100 Dinesh Kumar Sharma
RID 3110 Pawan Agarwal
RID 3120 Anil Agarwal
RID 3131 Dr Anil Lalchand Parmar
RID 3132 Rukmesh Pannalalji Jakhotiya
RID 3141 Sandip Agarwalla
RID 3142 Kailash Jethani
RID 3150 Talla Raja Sekhar Reddy
RID 3160 Vommina Naga Satish Babu
RID 3170 Venkatesh H Deshpande
RID 3181 N Prakash Karanth
RID 3182 Dr Jayagowri Hadigal
RID 3190 Jeetendra Aneja
RID 3201 Rajmohan Nair S
RID 3203 B Elangkumaran
RID 3204 V V Pramod Nayanar
RID 3211 K Babumon
RID 3212 Muthu V R
RID 3231 Palani J K N
RID 3232 Dr. Nandakumar N
RID 3240 Kushanava Pabi
RID 3250 Sanjeev Kumar Thakur
RID 3261 Shashank Rastogi
RID 3262 Pravudutta Subudhi
RID 3291 Ajoy Kumar Law

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or RI. No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions is welcome but will be edited. Content can be reproduced with permission and attributed to RNT.

Website

निदेशकों

रोटरी की कल्पना कीजिए

एक नया रोटरी वर्ष एक नई वैश्विक नेतृत्वकर्ता जेनिफर जोन्स के साथ शुरू हुआ है। हम पूर्व अध्यक्ष शेखर मेहता को सलाम करते है जिन्होंने सदस्यता वृद्धि और अवरोधन में नए कीर्तिमान स्थापित किए है। उनकी अपील 'हर एक, लाए एक' ने लगभग 10,000 अतिरिक्त सदस्यों को जोड़कर संस्थान को मजबूत किया है। रोटरी वर्ष 21-22 में 'महिला सशक्तिकरण' मिशन सफल हुआ और अब यह दुनिया भर के रोटेरियनों का एक नारा बन गया है।

अब हमारे बीच हम सभी का नेतृत्व करने हेतु कनाडा से एक काबिल महिला है। रोटरी को एक महिला नेतृत्वकर्ता चुनने में 117 साल लग गए। हमारी सोच प्रगतिशील होनी चाहिए। ये वो सबक है जिन्हें हमारे संगठन को सीखने और खुली बाहों के साथ अपनाने की आवश्यकता है।

अध्यक्ष जोन्स अपने महिला होने के कारण एक नेतृत्वकर्ता नहीं बनी है, बल्कि इसलिए बनी है क्योंकि वह केंद्रित नेतृत्व एवं समर्पित सेवा का प्रदर्शन करती है। उनके पति, DGN निक क्रायसिच, कहते है कि एक साथी की भूमिका आदर्श और उत्साहजनक हो सकती है।

जोन्स चाहती है कि रोटेरियन अपने दृष्टिकोण को बढ़ाए और मानवता की सेवा से ध्यान हटाए बिना मीडिया के माध्यम से रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करे।

विविधता, निष्पक्षता और समावेशन (DEI) उनका अनोखा मंत्र है। कुछ समय पहले हम समुदायों के सभी वर्गों को कवर करने की अवधारणा के साथ वर्गीकरण के बारे में बात कर रहे थे।

आइए हम बड़े, बेहतर लक्ष्यों के साथ काम करे, साथ ही इनरव्हील सदस्यों, रोटरेक्टरों, इनटरेक्टरों और उन सभी को साथ लेकर जो मानवता की सेवा के लिए हमारे मिशन में शामिल होना चाहते है! महिला सशक्तिकरण और बालिका विकास पर केंद्रित परियोजनाओं का कार्यान्वयन, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, समय की मांग है और आइए हम इस साल इन क्षेत्रों में बड़े स्तर पर काम करने का संकल्प लें।

हमारा सांतवा ध्यानाकर्षण क्षेत्र - पर्यावरण का समर्थन करना भी समय की आवश्यकता है। हर रोटेरियन को एक स्वस्थ वातावरण, एक हरे-भरे परिदृश्य के लिए जुनून और समर्पण के साथ काम करना चाहिए, जो हमें जीवित रहने में मदद करेगा।

अध्यक्ष जोन्स और निक का भारत में गर्मजोशी से स्वागत किया गया जब उन्होंने उच्च प्रदर्शन करने वाले रोटेरियनों और उनके परिवारों के साथ बातचीत करने के लिए पुणे, कोची, चेन्नई, वाराणसी और दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने अपने सपनों को साझा किया, गवर्नरों का मार्गदर्शन किया और क्लब अध्यक्षों को प्रेरित किया। मुझे यकीन है कि इसका रोटरी इंडिया पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

वह चाहती है कि हम सभी रोटरी की एक संस्थान के रूप में कल्पना करें जो हमारी समर्पित मानवीय सेवा के माध्यम से दुनिया को बदल सकता है। आइए हम सभी इस मिशन में सैनिकों के रूप में उनके साथ रहने का संकल्प लें। आइए हम DEI के लिए अपने दरवाजों को खोले।

महेश कोटबागी
रो ई निदेशक, 2021-23

का संदेश

परिवर्तन के अनुकूल बनें

कुछ हफ्ते पहले, मैंने एक वरिष्ठ रोटेरियन के साथ बातचीत की। हमने हाल ही की महामारी का क्लब स्तर पर रोटरी पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की। हम जल्द ही इस बात पर सहमत हुए कि प्रौद्योगिकी हमारे सदस्यों को किसी न किसी रूप में व्यस्त रखने और संपर्क को बनाए रखने में बहुत काम आई। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि हम इस बात पर भी सहमत हुए कि ऑनलाइन आयोजित होने वाली बैठकें कभी भी वास्तविक चीजों, जैसे रूबरू होने वाली बैठकों, की जगह नहीं ले सकती और हम जल्द ही महामारी के पूर्व की तरह ही क्लब की बैठकें आयोजित करेंगे।

हालांकि उस दिन बातचीत वहीं पर समाप्त हो गई, फिर भी मैं इसके बारे में सोचता रहा। ऐसा प्रतीत होता है कि हम अपने आरामदायक क्षेत्र से दूर नहीं जाना चाहते, भले ही इस तरह के कदम के कितने ही लाभ क्यों न हो। क्या ऐसी मानसिकता वाले लोग जो हमारे आसपास मौजूद है, हमारे विकास में बाधा है? क्या हम अपने सामने खड़ी समस्या से मुंह मोड़ रहे है?

रोटरी की सबसे बड़ी ताकत बदलते समय के साथ ढलने की उसकी क्षमता है। हमारी इसी गुणवत्ता ने बारह दशकों में हमारे अस्तित्व और विकास को सुनिश्चित किया है। ई-क्लब, मिश्रित क्लब, पासपोर्ट क्लब और रोटरी सदस्यता के बदलते परिदृश्य को प्रतिबिंबित करने वाले विभिन्न अन्य रूपों की सफलता इस बात की गवाही देती है। हम इस ओर ध्यान न देकर अपना ही नुकसान कर रहे है। फिर से वही चीज़ करके एक अलग परिणाम की उम्मीद करना मूर्खतापूर्ण होगा। यदि हम आगामी लोगों को आकर्षित करना और उन्हें रोके रखना चाहते है, विशेष रूप से अगली पीढ़ी को, तो हमें परिवर्तन को अपनाने की आवश्यकता है। यथा पूर्व स्थिति को बनाए रखने से हमें स्थिरता की भावना का अहसास होता है, परंतु यह हमारे लिए बहुत बड़ा खतरा भी साबित हो सकता है। परिवर्तन को अपनाने की हमारी इच्छा हमें आगे बढ़ने में सक्षम बनाती है।

अपने आसपास देखिए। और आँकलन कीजिए कि क्या बदलने की आवश्यकता है। और उन परिवर्तनों को स्वीकार करना सीखिए। अनुकूल बनने की हमारी क्षमता हमारी कार्य योजना का एक हिस्सा है। इसे करने से पीछे न हटें!

ए एस वेंकटेश
रो ई निदेशक, 2021-23

Board of Trustees

AS Venkatesh RID 3232
RI Director & Chairman, Rotary News Trust
Dr Mahesh Kotbagi RID 3131
RI Director
Dr Bharat Pandya RID 3141
TRF Trustee
Rajendra K Saboo RID 3080
Kalyan Banerjee RID 3060
Shekhar Mehta RID 3291
Panduranga Setty RID 3190
Ashok Mahajan RID 3141
PT Prabhakar RID 3232
Dr Manoj D Desai RID 3060
C Basker RID 3000
Kamal Sanghvi RID 3250
Gulam A Vahanvaty RID 3141

Executive Committee Members (2022–23)

Dr Dushyant Choudhary RID 3070
Chairman, Governors Council
Venkatesh H Deshpande RID 3170
Secretary, Governors Council
Dr N Nandakumar RID 3232
Treasurer, Governors Council
Dinesh Kumar Sharma RID 3100
Advisor, Governors Council

Editor
Rasheeda Bhagat

Deputy Editor
Jaishree Padmanabhan

Administration and Advertisement Manager
Vishwanathan K

Rotary News Trust
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

एक ही सिक्के के दो पहलू

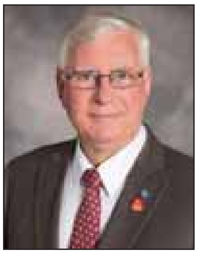

ज्यादातर लोग रोटरी को स्थानीय परियोजनाओं और अनुदान संचयन समारोह के साथ जोड़ते है - जो बहुत अच्छा है - लेकिन कुछ ही लोग जानते है कि इतने वैश्विक प्रभाव वाली रोटरी क्या है। एक उदाहरण के माध्यम से रोटरी के इस पहलू को समझना आसान है, जैसे कि रोटरी ने 2019 के अंत और 2020 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की विनाशकारी जंगल की आग पर कैसे प्रतिक्रिया दी थी।

जंगल की आग से भली-भांति परिचित, कैनेडियाई रोटेरियन जानते थे कि मदद का सर्वोत्तम उपाय रोटरी संस्थान ही है। वे जल्द ही अन्य देशों और ताइवान के रोटरी क्लबों और मंडलों से जुड़े जिसके परिणामस्वरूप इन आगों से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए तीन संस्थानों से वैश्विक अनुदान के रूप में कुल 280,000 डॉलर प्राप्त हुए।

एक किसान ने उन दूरस्थ समुदायों, जिनकी हमनें मदद की थी, की ओर से एक धन्यवाद पत्र लिखते हुए कहा कि उन्हें यकीन नहीं हुआ कि अन्य देशों के रोटरी क्लब आगे आकर हमारे इस छोटे से कृषि क्षेत्र में मदद करेंगे। और आगे यह भी कहा कि इस मदद के लायक समझे जाने के लिए वे बहुत आभारी है।

मित्रों, आपका संस्थान हर दिन इस तरह का प्रभाव छोड़ता है।

रोटरी के नाम पर की गई सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में उनके नाम शामिल है जो रोटरी संस्थान की मदद से पूरी की गई है। हमारे पोलियो उन्मूलन प्रयासों, हमारे शांति शिक्षा कार्यक्रमों और प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान जैसे कार्यक्रमों के प्रभाव के बारे में सोचें। दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए ये सभी प्रयास हमारे संस्थान की मदद से किए जाते है।

संस्थान हमारे क्लब अनुभव, सदस्यता, साझेदारी और भी बहुत कुछ को प्रभावित करता है। संस्थान द्वारा समर्थित परियोजनाओं के माध्यम से हमारे पास जितनी अधिक दृश्यता और प्रभाव होगा, उतने ही अधिक लोग साझेदारों या सदस्यों के रूप में हमारे द्वारा किए जा रहे काम का हिस्सा बनना चाहेंगे।

मेरे लिए, रोटरी और इसका संस्थान अविभाज्य है - एक दूसरे के बिना किसी एक की कल्पना नहीं की जा सकती। मुझे ऑस्ट्रेलिया के सैंड्रींघम रोटरी क्लब के सदस्य के रूप में अनुभव की गई मित्रता और साहचर्य एवं परियोजनाओं से प्यार है लेकिन मैं एक वैश्विक आंदोलन का हिस्सा बनने को लेकर भी रोमांचित हूँ जो रोटरी संस्थान के माध्यम से अनगिनत लोगों के जीवन को बदल रहा है।

रोटरी सिक्के के उस दूसरे पहलू को ध्यान में रखें और अपने संस्थान का समर्थन करें। ऐसा करके, आप अपने उन साथी सदस्यों की भी मदद करेंगे जो उन परियोजनाओं में जान डाल रहे है जिनकी हमारी दुनिया को वास्तव में आवश्यकता है।

इयान एच एस राइसली
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

हर किसी के लिए एक संग्रहालय

EVA रेमिजान टोबा

मेलबर्न का कार्लटन गार्डन रॉयल प्रदर्शनी भवन।

मेलबर्न को ऑस्ट्रेलिया की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जाना जाता है, और इसके पीछे इसके संग्रहालय एक बड़ा कारण हैं। 27 -31 मई को होने वाले 2023 रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन के दौरान, शहर के दर्जनों संग्रहालयों में प्रदर्शन पर इतिहास, कला और रचनात्मकता का पता लगाना सुनिश्चित करें।

मेलबोर्न कला परिसर में अपना दिन शुरू करें, शहर की कई सबसे लोकप्रिय दीर्घाओं का घर, जिसमें नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया भी शामिल है। यह प्राचीन मिस्र से समकालीन कला तक, दो साइटों पर 75,000 से अधिक प्रदर्शनी का संग्रह रखता है। इसकी स्थायी प्रदर्शनियों में प्रवेश नि:शुल्क है।

यदि आप कला में एक्शन पसंद करते हैं, तो फेडरेशन स्क्वायर में स्थित ACMI (ऑस्ट्रेलियन सेंटर फॉर द मूविंग इमेज) देखें। यहां, आप फिल्म, टेलीविजन, वीडियो गेम और वीडियो आर्ट के ब्रह्मांड की ख़ोज कर सकते हैं।/

मेलबर्न अपनी सांस्कृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है, और आप्रवासन संग्रहालय में आप दुनिया भर से ऑस्ट्रेलिया आए लोगों की वास्तविक जीवन की कहानियों को सुन, पढ़ और देख सकते हैं। क्षेत्र के मूल निवासियों के बारे में जानने के लिए, मेलबोर्न संग्रहालय के 'बुन्जीलाका आदिवासी सांस्कृतिक केंद्र', जो प्रदर्शन, कहानी कहने, कला, और अधिक के माध्यम से स्वदेशी संस्कृति मनाता है। फिर, संग्रहालय के वन गैलरी में क्षेत्र के वन्यजीवन और वन पारिस्थितिक तंत्र का पता लगाएं।

मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के प्रमुख 'ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल पर राज करता है' जैसे राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय खेलों के बारे में जानने के लिए, 1850 के दशक में मेलबोर्न में बनाया गया, और देश के खेल यादगार लम्हों का सबसे बड़ा संग्रह देखें।

अधिक जानने और पंजीकरण करने के लिए
convention.rotary.org पर जाएँ।

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Rotary at a glance

Rotary clubs	: 36,913
Rotaract clubs	: 11,370
Interact clubs	: 18,415
RCCs	: 12,371
Rotary members	: 1,175,466
Rotaract members	: 207,597
Interact members	: 423,545

As on July 18, 2022

Membership Summary

As on July 1, 2022 (Interim)

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians (%)	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	135	6058	8.09	63	55	240
2982	76	3277	7.02	47	98	73
3000	132	5175	8.83	99	305	214
3011	121	4467	26.89	76	120	36
3012	148	3782	23.80	71	82	61
3020	78	4632	6.82	33	168	350
3030	98	5136	15.03	126	357	379
3040	111	2594	14.26	57	83	182
3053	74	2929	17.14	36	51	127
3054	167	6916	20.36	106	195	569
3060	105	4803	14.72	65	78	151
3070	120	3052	15.63	48	53	59
3080	107	4333	13.25	147	192	116
3090	99	2510	6.49	46	109	161
3100	100	2132	10.18	14	28	151
3110	141	3662	10.76	14	19	106
3120	90	3695	16.56	66	34	55
3131	141	5293	23.92	120	244	143
3132	86	3498	11.32	34	125	167
3141	108	5759	25.72	144	189	103
3142	103	3607	20.71	84	148	84
3150	110	4208	13.31	143	148	119
3160	78	2783	9.99	29	20	82
3170	145	6370	15.27	99	260	176
3181	87	3344	9.24	35	197	116
3182	87	3433	9.18	45	131	104
3190	163	6497	19.19	202	272	72
3201	164	6284	9.75	126	104	87
3203	94	4710	7.92	74	234	37
3204	72	2404	8.49	23	32	13
3211	155	5060	8.48	7	27	133
3212	127	4706	11.84	83	270	153
3231	94	3399	7.86	34	99	417
3232	172	7484	18.92	132	229	98
3240	107	3602	16.46	67	412	226
3250	102	3853	20.63	64	74	186
3261	92	3255	18.68	17	25	44
3262	128	4142	14.92	76	625	270
3291	158	3959	24.80	137	103	675
India Total	**4,475**	**166,803**		**2,889**	**5,995**	**6,535**
3220	72	1988	15.74	95	144	75
3271	130	2788	16.93	151	184	25
3272	161	1708	18.44	70	22	47
3281	308	8818	18.21	278	156	207
3282	179	3635	10.62	202	49	47
3292	153	5805	17.73	175	137	129
S Asia Total	**5,478**	**191,545**		**3,860**	**6,687**	**7,065**

Source: RI South Asia Office

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब जमशेदपुर एक अनुकरणीय परियोजना के माध्यम से दिल धड़काता है

रशीदा भगत

सीमित साधनों वाले एक 50 वर्षीय अफगान नागरिक शादाब को अपने हृदय विकार का पता तब चला जब भारत के एक तृतीयक केंद्र ने काबुल में एक हृदय जांच शिविर आयोजित किया। उन्हें एक पेसमेकर की जरूरत थी और शादाब, जिनके पास काबुल में एक छोटा सा खेत था, वे अपने परिवार में इकलौते कमाने वाले सदस्य थे और अपने इलाज के लिए काबुल और लाहौर में व्यर्थ प्रयत्न करने के बाद वह किसी तरह दिल्ली पहुंचने में कामयाब हुए। दिल्ली में वह एक चिकित्सा सुविधा से दूसरे तक गए लेकिन उन्होंने देखा कि हर जगह उपचार बहुत महंगा है और उनकी मदद करने के लिए कोई दानकर्ता नहीं है। जल्द ही उनके सारे पैसे खत्म होने पर थे।

''उस हताश व्यक्ति को दिल्ली के कुछ काबुलीवालों ने कोलकाता जाने के लिए कहा क्योंकि उन्होंने सुना था कि सीमित साधनों वाले

डॉ विजया भरत (दाएं से दूसरे) और उनकी टीम के साथ पेसमेकर प्रत्यारोपण कराने के बाद, एक अफगान हृदय रोगी शबाद।

रोगियों को उस क्षेत्र में नि:शुल्क हृदय उपचार मिलता है। कोलकाता में उन्होंने सुना कि जमशेदपुर में एक डॉक्टर है जो हृदय रोगियों की मदद करती है और एक दिन वह मेरे घर पहुंचे,'' डॉ विजया भारत, एक हृदय रोग विशेषज्ञ और रोटरी क्लब जमशेदपुर, रो ई मंडल 3250, की सदस्य याद करती है। वह 17 वर्षों से जमशेदपुर के टाटा मेन अस्पताल से जुड़कर बहुत ही मामूली लागत पर अस्पताल में भर्ती होने और दवाओं के साथ पेसमेकर लगाने में मदद कर रही है।

उन्होंने उसकी जांच की और पाया कि उसे दिल की धड़कन की गति कम होने की समस्या थी जिस वजह से उसे पेसमेकर की आवश्यकता थी। उन्होंने उसे बताया कि आवश्यक गति पर दिल को धड़काने के लिए पेसमेकर लगाकर उसे ठीक किया जा सकता है। ''जब मैंने कहा की पेसमेकर लगा देंगे, तो उसने कहा 'मैडम पैसे और वीज़ा दोनों खत्म होने वाले है।' इसलिए मैंने

एक युवा पेसमेकर प्रामकर्ता के साथ डॉ विजया भरत।

कम धड़कन के साथ व्यक्ति कोई भी सामान्य गतिविधि नहीं कर सकता और बहुत थका हुआ महसूस करता है। इसलिए ऐसे व्यक्ति के दिल को सामान्य गति से धड़कते रहने के लिए हमें उनकी छाती में एक पेसमेकर स्थापित करने की आवश्यकता होती है।

उससे कहा कि पैसों की चिंता न करें, बस अपने वीज़ा की अवधि बढ़वाकर यहाँ लौट आएं।''

इस मुकाम पर, शादाब खुले आसमान के नीचे जमीन पर अपने घुटनों के बल बैठ गया और आसमान की ओर देखते हुए अफगानी भाषा में कुछ ज़ोर से बोला जिसे वह समझ नहीं पा रही थी। यह सोचकर कि वह उस दर्द के बारे में चिंतित था जो इस प्रक्रिया के कारण उसे होगा, उन्होंने उसे यह कहकर दिलासा देने की कोशिश की कि कोई दर्द नहीं होगा क्योंकि एनेस्थीसिया का उपयोग किया जाएगा, आदि। परंतु उनके आश्चर्य की कल्पना करें जब उसने कहा: ''मैं डर नहीं रहा हूँ, मैं आपके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ क्योंकि आप वो पहली इंसान है जिसने यह कहा कि आप मेरी मदद करेंगी और मैं ठीक हो सकता हूँ।''

वह अपने वीज़ा की अवधि बढ़वाकर वापस आया, उसे पेसमेकर लगाया गया और वह एक खुश और स्वस्थ व्यक्ति के रूप में अपने घर लौट गया।

शादाब रोटरी पेसमेकर प्राप्त करने वाला 99वें व्यक्ति था; अब तक रोटरी क्लब जमशेदपुर ने 222 पेसमेकरों को लगाने में मदद की है। रोटरी पेसमेकर की कहानी 2004 में शुरू हुई थी जब डॉ विजया एक रोटेरियन नहीं थी और केवल एक रोटरी एन थी क्योंकि उनके पति रामचंद्र भरत एक पूर्व गवर्नर और रोटरी क्लब जमशेदपुर के सदस्य थे। जमशेदपुर के टाटानगर में टाटा मेन अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट के रूप में काम करते हुए, वह एक सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक की पत्नी, 65 वर्षीय अंजलि दास से मिली जो अक्सर बेहोश हो जाती थी। उसे अपने दिल के भीतर के विद्युत सर्किट में एक समस्या थी जिसे

दास हर दूसरे दिन मेरे अस्पताल आते थे और हताशा से कहते थे कि 'मैडम मेरी पत्नी को बचाने के लिए आप कुछ करो।' उसे पेसमेकर की आवश्यकता थी जिसके लिए उसके पति के पास पैसे नहीं थे।

कंप्लीट हार्ट ब्लॉक (CHB) के रूप में जाना जाता है। इसका समाधान उसकी छाती में एक पेसमेकर प्रत्यारोपित करने में था। लेकिन एक गरीब स्कूली शिक्षक इस लागत का खर्च वहन नहीं कर सकता था इसलिए वह असहाय होकर अपनी पत्नी को बेहोश होते हुए देखता रहा। ''दास हर दूसरे दिन मेरे अस्पताल आते थे और हताशा से कहते थे कि 'मैडम मेरी पत्नी को बचाने के लिए आप कुछ करो।' उसे पेसमेकर की आवश्यकता थी जिसके लिए उसके पति के पास पैसे नहीं थे।''

इसलिए, 2004 में दिसंबर की एक शाम, डॉ विजया ने गूगल पर ''गरीब रोगियों के लिए पेसमेकर'' की खोज की और उन्हें वास्तव में एक जैकपॉट मिल गया। संयोग से, उस समय रो ई मंडल 3250 के रोनाल्ड डी'कोस्टा, जो रोटरी क्लब जमशेदपुर के एक सदस्य भी थे, अमेरिका में भावी मंडल गवर्नरों के प्रशिक्षण से लौटने के बाद जरूरतमंद रोगियों को पेसमेकर देने हेतु एक परियोजना करने को लेकर उत्साहित थे। गूगल द्वारा प्रदान किए गए उत्तरों में से एक हार्ट बीट इंटरनेशनल (HBI), अमेरिका, के बारे में भी था जो रोटरी क्लब द्वारा शुरू की गई पेसमेकर बैंक के माध्यम से दुनिया भर में पेसमेकर की आपूर्ति करता है।

तब उन्हें याद आया कि उनके पति की क्लब की बोर्ड बैठकों में से एक में DG रोनाल्ड डी'कोस्टा ने कहा था कि ''अमेरिका में उनके गवर्नर प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने एक परियोजना के बारे में जाना जो गरीब रोगियों को पेसमेकर देती है। तब मुझे इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं थी, लेकिन जब गूगल ने HBI के बारे में बताया तो दो तरह की जानकारी सामने आई,'' डॉ विजया कहती है।

जब कुछ अच्छा होना होता है, तो सब कुछ अपने आप सही होने लगता है। उन्होंने तुरंत फ्लोरिडा स्थित संगठन HBI को लिखा, जिसने रोटरी क्लबों द्वारा दुनिया के विभिन्न कोने में स्थापित किए गए पेसमेकर बैंकों को सर्वश्रेष्ठ निर्माताओं द्वारा दान किए गए नए पेसमेकर प्रदान करने की एक प्रणाली विकसित की थी। रोटरी क्लब जमशेदपुर ने कार्यवाही करते हुए डॉ विजया को इम्प्लांट फिजिशियन और टाटा मेन हॉस्पिटल को इम्प्लांटेशन सेंटर के रूप में मान्यता देने की औपचारिकताओं को पूरा किया। इस प्रकार दुनिया के 42वें और भारत के पांचवें पेसमेकर बैंक की स्थापना दिसंबर 2004 में हुई थी।

क्लब के सदस्य के एन वेंकट ने अपने बेटे के 40वें जन्मदिन के अवसर पर आगे आकर HBI को 4,200 डॉलर के पहले वार्षिक सदस्यता शुल्क का भुगतान किया।

जल्द ही नए पेसमेकरों का एक डिब्बा अमेरिका से जमशेदपुर भेजा गया, ''और पहली लाभार्थी अंजलि दास थी,'' कार्डियोलॉजिस्ट आगे कहते हुए मुस्कराती है, ''तब से जीवन रक्षक पेसमेकर की आवश्यकता वाले किसी भी गरीब रोगी को टाटा अस्पताल से खाली हाथ नहीं लौटना पड़ा।'' शुरू में वह सिर्फ एक पत्नी थी, जो बाद में एक रोटेरियन बनी और रोटरी क्लब जमशेदपुर से जुड़ी।

पेसमेकर की आवश्यकता को आम आदमी की भाषा में समझाते हुए डॉक्टर कहती है कि कुछ ऐसे भी लोग है जिनका दिल बहुत धीरे धड़कता है ''जैसे कि एक मिनट में सिर्फ 40 बार (जबकि सामान्य दर एक मिनट में 60-90 होती है) और यह भी अचानक बंद हो सकता है। इतनी कम धड़कन के साथ व्यक्ति कोई भी सामान्य गतिविधि नहीं कर सकता और बहुत थका हुआ महसूस करता है। इसलिए ऐसे व्यक्ति के दिल को सामान्य गति से धड़कते रहने के लिए हमें उनकी छाती में एक पेसमेकर स्थापित करने की आवश्यकता होती है।'' पेसमेकर को प्रत्यारोपित करने की प्रक्रिया

पेसमेकर प्रत्यारोपण के बाद दोस्मा लियांगी।

में लगभग 30 मिनट लगते है और इसे व्यक्ति की छाती के दाईं या बाईं ओर कॉलर हड्डी के नीचे आवश्यकतानुसार दो इंच का चीरा लगाने के बाद स्थापित किया जाता है। ''वहाँ से हम एक छोटे से तार को हार्ट चैम्बर में डालते है और उस तार को पेसमेकर से जोड़ते है जो एक छोटी सी लिथियम बैटरी संचालित इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है,'' वह समझाती है। तकनीक में निरंतर सुधार के साथ, वर्तमान एकल चैम्बर पेसमेकर का वजन केवल 15 ग्राम और दोहरे चैम्बर का वजन 19 ग्राम है। इसकी कीमत ₹55,000 (एकल चैंबर) से ₹1.2 लाख (दोहरे चैंबर) के बीच है।

हृदय रोग विशेषज्ञ का कहना है कि एक बार पेसमेकर प्रत्यारोपित होने के बाद रोगी की स्थिति में अचानक सुधार आता है। पेसमेकर शुल्क के अलावा अस्पताल में भर्ती होने और दवाओं की कीमत ₹5,000 से ₹10,000 के बीच हो सकती है। ''2018 में, मैं टाटा मेन अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग से HoD के रूप में सेवानिवृत्त हुई लेकिन मुझे पता है कि ऐसे मामलों में जहाँ बहुत गरीब मरीज ₹5,000 या उससे अधिक का भी खर्च नहीं उठा सकते, टाटा स्टील उनको ऑपरेशन या अस्पताल के शुल्क से मुक्त करता है।'' वह अब एक सलाहकार है और इस मुद्दे के लिए क्लब की पेसमेकर समिति के माध्यम से कार्य करती है।

उन्होंने टाटा मेन अस्पताल में अपने उत्तराधिकारी, डॉ. मंदार शाह को अपने क्लब के सदस्य के रूप में रोटरी में शामिल होने हेतु मना लिया है; अब वह क्लब की पेसमेकर समिति के अध्यक्ष है और जमशेदपुर

दोस्मा लियांगी अपने दो बच्चों के साथ।

के टाटा अस्पताल में रोटरी पेसमेकर को जरूरतमंद रोगियों में स्थापित करने का काम कर रहे है।

2004 से 2014 तक, HBI पेसमेकर के साथ बड़े कार्टन भेजता था और सीमा शुल्क नगण्य था, लेकिन 2014 के बाद, ''सरकारी नीतियों में बदलाव के कारण दान किए गए उपकरणों का आयात करना जटिल हो गया और इसपर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाने लगा। हमारे क्लब की पेसमेकर समिति ने इसका एक विकल्प ढूंढा। रोटरी क्लब चैबासा के एक सदस्य, रोटेरियन एन एल रूंगटा, से प्राप्त वार्षिक दान से एक संग्रह तैयार किया गया जिसका उपयोग जरूरतमंद रोगियों के लिए पेसमेकर खरीदने हेतु किया गया। इस प्रकार रोगग्रस्त दिलों को सामान्य गति से धड़काने की परियोजना बिना किसी रुकावट के चल रही है,'' डॉ विजया कहती है।

वह आगे कहती है कि पिछले दिनों ही उन्हें रुंगटा से एक पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि चूंकि एक नया रोटरी वर्ष शुरू हो गया है, इसलिए वह जल्द ही आगामी वर्ष के लिए ₹6 लाख की वार्षिक निधि भेजेंगे। इससे पेसमेकर समिति अन्य नौ रोगियों की मदद कर सकेगी।

वह आगे कहती है कि रूंगटा के वार्षिक योगदान का श्रेय PRID कमल संघवी को जाता है। ''उन्होंने कई साल पहले जमशेदपुर का दौरा किया था और हमारे कुछ लाभार्थियों के साथ बातचीत करने के बाद उन्होंने इस परियोजना को जारी रखने का वादा किया। उन्होंने चैबासा में एक परोपकारी रोटेरियन को वार्षिक शुल्क को स्थायी आधार पर दान करने हेतु प्रेरित किया। वह रोटेरियन रुंगटा है!''

वह आगे कहती है कि PRIP शेखर मेहता इस परियोजना से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पेसमेकर की आवश्यकता वाले कई रोगियों को जमशेदपुर क्लब में भेजा है।

उन्हें पुरस्कार प्रदान करते हुए अभिनेत्री विद्या बालन ने कहा था कि इस परियोजना के प्राप्तकर्ताओं की कहानियां उतनी ही दिलचस्प है जितनी की यह परियोजना है और अगर कभी भी इसपर कोई फिल्म बनाई गई तो वह उसमें अभिनय जरूर करना चाहेंगी!

एक लाभार्थी के साथ PRID कमल संघवी।

लाभार्थी न केवल मंडल 3250 (बिहार और झारखंड) के सभी कोनों से आते है बल्कि पड़ोसी राज्यों उड़ीसा और पश्चिम बंगाल से भी आते है।

मार्च 2005 से जून 2022 तक, 222 लाभार्थियों में से प्रत्येक के पास सुनाने के लिए एक दिलचस्प कहानी है, जिसमें से शादाब सहित दो लोग की कहानी असाधारण है। रोटरी पेसमेकर की सबसे युवा प्राप्तकर्ता 22 वर्षीय एक गरीब आदिवासी महिला, दोसमा लियांगी थी, जो अपनी पहली गर्भावस्था के दौरान हृदय विकार से ग्रसित पाई गई, जिसके लिए पेसमेकर की आवश्यकता थी। हालांकि वह गर्भावस्था एक गर्भपात के साथ समाप्त हुई, एक दोहरे चैंबर वाले पेसमेकर को प्रत्यारोपित करने के बाद अब वह एक सामान्य जीवन जी रही है और एक के बाद एक गर्भधारण के माध्यम से उसके दो स्वस्थ बच्चे है।

हालांकि वह टाटा अस्पताल से सेवानिवृत्त हो चुकी है, लेकिन वह नए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मंदार शाह के साथ मिलकर काम करती है। अपनी निजी प्रैक्टिस में उन्हें बिहार और झारखंड से बहुत सारे गरीब हृदय रोगी मिलते है और जिन्हें पेसमेकर की आवश्यकता होती है वह उन्हें टाटा अस्पताल में डॉक्टर शाह के पास भेजती है।

मैं तब चकित हुई जब एक जरूरतमंद व्यक्ति जिसने पहले हमारे पेसमेकर को प्राप्त किया था और अब उन्हें एक नए पेसमेकर की आवश्यकता थी, ने उस नि:शुल्क पेसमेकर को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि अब वह दूसरे डिवाइस के लिए भुगतान करने में समर्थ है।

सामान्य तौर पर पेसमेकर की बैटरी 10 साल चलती है, इसलिए पहले के कुछ रोगियों की बैटरी अब अप्रभावी हो रही है और उन्हें दूसरे पेसमेकर की आवश्यकता है और ऐसे 12 मरीज पहले ही रोटरी के माध्यम से अपने उपकरणों को बदलवा चुके है।

सबसे अधिक खुशी की बात यह है कि ऐसे कुछ रोगी जिनकी वित्तीय स्थिति में पिछले 10 वर्षों में सुधार हुआ है, ने एक नि:शुल्क पेसमेकर को ठुकरा दिया है और वे इसके लिए भुगतान कर रहे है। डॉ विजया याद करती है, ''मैं तब चकित हुई जब एक जरूरतमंद व्यक्ति जिसने पहले हमारे पेसमेकर को प्राप्त किया था और अब उन्हें एक नए पेसमेकर की आवश्यकता थी, ने उस नि:शुल्क पेसमेकर को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि अब उसके बच्चे बड़े हो गए है और अच्छी नौकरियों में है और वह दूसरे डिवाइस के लिए भुगतान करने में समर्थ है। उसने मुझसे कहा, मैडम इन पैसों से कृपया किसी और की मदद कीजिए।'' वह कहती है कि पेसमेकर की आवश्यकता वाले गरीब लोगों को उनके क्लब में भेजा जा सकता है जिसके लिए *rotaryjsr16030@gmail.com* पर संपर्क किया जा सकता है।

कौन जानता है कि कभी यह परियोजना किसी समय एक बॉलीवुड फिल्म में बदल सकती है? डॉ विजया याद करती है कि 2018 में जब उन्हें ICICI बैंक द्वारा पेसमेकर प्रोजेक्ट (एडवांटेज वुमन अवार्ड) के लिए एक पुरस्कार दिया गया था, तो उन्हें पुरस्कार प्रदान करते हुए अभिनेत्री विद्या बालन ने कहा था कि इस परियोजना के प्राप्तकर्ताओं की कहानियां उतनी ही दिलचस्प है जितनी की यह परियोजना है और अगर कभी भी इसपर कोई फिल्म बनाई गई तो वह उसमें अभिनय जरूर करना चाहेंगी! ■

THINK EXCELLENCE LIVE EXCELLENCE

Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya

City Office: Shri Vaishnav Vidya Parisar, 177 Jawahar Marg, South Rajmohalla, **INDORE**-2 **Campus:** Indore-Ujjain State Highway, **INDORE**-453111. **Mob.: 9303700163, 9303700164, 9303700165, 930700166**

LEARN TO BE PROACTIVE WITH FUTURE READY SYLLABUS AND REAL-TIME INDUSTRY EXPOSURE.

REGISTER NOW!

ONLINE REGISTRATION OPEN | Register@www.svvv.edu.in

Scholarships for the Meritorious Students • Relief for the Children of COVID-19 Warriors

Excellent Track Record of Placements.

Approved under Section 2(f) of the UGC Act, 1956

Scan me

ADVT.

↗ MoU with Hanyang University, South Korea & St. Cloud State University, USA for Student/Faculty Exchange and Joint Research. ↗ MoU with TCS for Technical Collaboration. ↗ MoU with NRDC (Ministry of Science & Technology) for transfer of technology to industry. ↗ MoU with NCSSS (National Cyber Safety and Security Standards) for Technical Collaboration. ↗ MoU with Tata Power Ltd. for Technical Collaboration. ↗ Agreement with CISCO Network Academy. Agreement with Bosch India. ↗ MoU with Microsoft Corporation (India) Pvt. Ltd. for Technical Collaboration. ↗ MoU with IBM for Technical Collaboration. ↗ MoU with Red Hat for Technical Collaboration. ↗ Apple Authorised Training Centre Agreement for Education. ↗ MoU with Mitsubishi Electric India. ↗ MoU with ICT Academy ↗ MoU with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE) Government of India, Ministry of Education. ↗ MoU with Impetus Technology India Pvt. Ltd. for Technical Collaboration. MoU with Manmade Textiles Research Association (MANTRA) for Technical Collaboration ↗ Fees Structure is approved by the Government of Madhya Pradesh. ↗ Ranked jointly by Innovation cell of the Ministry of Education (Government of India) and AICTE in Top 50 Most Preferred Institutions in 2021.

ADMISSIONS 2022-23

ENGINEERING AND TECHNOLOGY

B. Tech. (4 years)
Agricultural Engineering/Automobile Engineering/ AE (Electric Vehicle Engineering)/Civil Engineering/ Electronics and Computer Science Engineering/ Electrical Engineering (Solar Energy-Tata Power)/ Electrical & Electronics Engineering/Electrical Engineering/Electronics and Communication Engineering/EC (Internet of Things) / ME (Artificial Intelligence & Machine Learning)/ CE (Artificial Intelligence & Machine Learning)/ ECE (Artificial Intelligence & IoT)/ Electronics and Instrumentation Engineering/ Instrumentation & Control Engineering/ Mechanical Engineering/ Mechanical Engineering (Plant Engineering-Tata Power)/Mechatronics /Railway Engineering/ Robotics and Automation

M. Tech. (2 years)
Civil (Geotechnical Engineering) /Civil (Structural Engineering)/Civil (Transportation Engineering) / Civil (Water Resources Engineering) / Digital Communication/Digital Instrumentation/ Embedded System & VLSI design/Mechanical (Thermal and Design Engineering)/Power Electronics/Power System /Renewable Energy/ Virtual Instrumentation/ Construction Technology & Management/ Automation & Robotics

Diploma Programs (3 years)
Automobile Engineering /Civil Engineering/ Electrical Engineering /Electronics and Instrumentation Engineering/Electronics Engineering/Mechanical Engineering/ Mechatronics Engineering/ Solar Energy

B. Tech. (4 years)
Computer & Communication Engineering/ Computer Science & Business Systems- (TCS)/ Computer Science Engineering/CSE (Mobile Applications)-Apple (AATCE)/ CSE (Artificial Intelligence - IBM)/ CSE (Big Data Analytics-IBM)/ CSE (Big Data and Cloud Engineering- Impetus)/ CSE (Cloud and Mobile Computing - IBM)/ CSE (Data Science - IBM)/ CSE (Enterprise System-red hat) /CSE (FullStack Development & Blockchain- IBM)/CSE (Information and Cyber Security - NCSSS)/ CSE (Artificial Intelligence and Machine Learning-Microsoft)/ Information Technology/IT (Data Science-IBM)/IT (FullStack Development & Blockchain-IBM)/CSE (Internet of Things-IBM)

M. Tech. (2 years)
Computer Science Engineering /Computer Science Engineering (Big Data Analytics)

Dual Degree Programs
B. Tech. + M. Tech. (4+2 years)
Computer Science Engineering/Computer Science Engineering (Big Data Analytics)

B. Tech. + MBA (4+2 years)
Computer Science Engineering/ Information Technology

Diploma Program
One-Year Post Graduate Diploma in Computer Applications (PGDCA)
Six-Months Diploma in Computer Hardware and Networking (DCHN)

B. Tech. (4 years)
Garment & Fashion Technology/ Textile Engineering

M. Tech. (2 years) Textile Engineering

B. Sc. (3 years) Fashion Design

Diploma Program (3 years)
Textile Engineering

FORENSIC SCIENCE

B.Sc. (Hons.) (4 years)
Digital & Cyber Forensics

B.Sc. (3 years)
Forensic Science/ Forensic Psychology

M.Sc. (2 years) Forensic Science/ Forensic Psychology/ Cyber Forensics

M.A./ M.Sc. (2 years) Criminology

Dual Degree Program
B.Sc.+ M.Sc. (3+2 years)
Forensic Science/ Forensic Psychology

ARCHITECTURE

B.Arch. (5 years)

B.Des. (4 years) Interior Design/ Product Design/Graphics & Animation

M.Des. (2 years) Interior Design

B.Plan. (4 years)

M.Plan. (2 years) (Urban Planning)

Dual Degree Program
B.Des.+ M.Des. (4+2 years)
Interior Design/ Product Design/ Graphics & Animation

MANAGEMENT

MBA (2 years)
Engineering Management/ Family Business & Entrepreneurship/ International Business/ Media Management/Agri-business/Business Analytics/ Advertising and Public Relations/Tourism/ Rural Management-MGNCRE/ Hospital & Healthcare Management/ Marketing/ Human Resource/ Finance

BBA (Hons.) (4 years)
BBA (3 years)
BBA (Fintech) (3 years)
BBA (Rural) (3 years)

Dual Degree Programs
BBA + MBA (3+2 years)
Marketing/HR/Finance/Operations/ Fintech/Rural Management-MGNCRE

MBA (2 years) (Industrial Management)
Open to Engineering Graduates only.

JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

M.A. (2 years)
Journalism and Mass Communication/ Hindi Journalism

Dual Degree Program
B.A. + M.A. (3+2 years)
Journalism and Mass Communication

FINE ARTS

BFA (4 years) Painting/ Animation

MFA (2 years) Painting/ Animation

AGRICULTURE

B.Sc. (Hons.) (4 years) Agriculture

M.Sc. (2 years)
Agriculture
Genetics and Plant Breeding / Entomology /Plant Pathology/ Soil Science & Agricultural Chemistry/ Agronomy/ Horticulture (Fruit Science)/ Horticulture (Vegetable Science)

SCIENCE

B.Sc. (3 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Life Science/ Computer Science/ Biotechnology/ Electronics/ Instrumentation/ Statistics/ Economics

B.Sc. (Hons.) (4 years)
Physics/ Chemistry/ Maths

M.Sc. (2 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Environmental Science/ Analytical Chemistry/Biotechnolgy

Dual Degree Program
B.Sc. + M.Sc. (3+2 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Statistics

COMPUTER APPLICATIONS

BCA (3 years) Big Data Analytics-IBM

M.Sc. (2 years) Computer Science

MCA (2 years) Banking Technology

MCA (2 years)

Dual Degree Programs
BCA + MCA (3+2 years)
BCA + MCA (3+2 years)
Banking Technology

SOCIAL SCIENCES, HUMANITIES AND ARTS

B.A. (3 years)

B.A. (Hons.) (4 years)
Psychology/ Economics/ English Literature/ Sociology/ Political Science/ Anthropology/ History

M.A./ M.Sc. (2 years)
Psychology/ Applied Psychology/ Clinical Psychology/ Counselling Psychology/ English Literature/ Sociology/ Economics/ Education/ Anthropology/ History/Political Science

Dual Degree Program
B.Lib & I.Sc. + M.Lib & I.Sc. (1+1 year)
One- Year Advanced Diploma in French

COMMERCE

B.Com (Hons.) (4 years)

B.Com (3 years)
Banking & Finance/ Entrepreneurship/ Tax Procedure/ Computer Applications/ Plain

M.Com (2 years)

Dual Degree Programs
B.Com+ M.Com (3+2 years)
B.Com + MBA (3+2 years)

LAW

LL.B (Hons.) (3 years)

LL.M (2 years)
Business Law/ Criminal Law

LL.M (1 year)
(Business Law, Criminal Law, Human Rights)

Integrated Programs (5 years)
B.A.LL.B (Hons.)
B.B.A.LL.B (Hons.)
B.Com. LL.B (Hons.)

HOME SCIENCE

M.Sc. (2 years) Food & Nutrition

Dual Degree Program
B.Sc.+ M.Sc. (3+2 years) Food & Nutrition

PARAMEDICAL SCIENCES*

Bachelor Medical Lab. Technician (3 years)

DIPLOMA PROGRAMS (2 years)
X ray Radiographer Technician/ Medical Lab. Technician/ Cath. Lab. Technician/ Dialysis Technician/ Optrometric Refraction/ Optometrist Contact Lens/ Anesthesia Technician/ Yoga/ Naturopathy

FACULTY OF DOCTORAL STUDIES & RESEARCH (3 years)

All Seats of Ph. D program have been filled up.

Teaching Assistanceship (TA) of ₹12,400 (Rupees Twelve Thousand Four Hundred Only) for all GATE Qualified Candidates admitted in 02 years full time M.Tech Program, subject to MHRD/UGC/AICTE Guidelines

Note : (1) Lateral Entry seats are available in B.Tech. (2) SVET (Shri Vaishnav Entrance Test) will be held on August 07 and 14, 2022. The seats in various programs will be filled on the basis of prescribed Tests/SVET-2022.

***Subject to approval of concerned Regulatory Authority**

Toll Free: 1800 233 9111
Helpline: 1800 102 9191

For details, visit: www.svvv.edu.in admission@svvv.edu.in

110 देशों में रोटरी में अभी तक 30% महिला सदस्य हैं: जोन्स

रशीदा भगत

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स।

पिछले दो सालों से मुझसे एक सवाल अक्सर किया जाता रहा है वो ये कि रोटरी की पहली महिला अध्यक्ष होने पर आप को कैसा महसूस होरहा है। मैं स्वीकार करती हूँ कि मेरे भीतर उत्साह का संचार पनप रहा है क्योंकि इससे वास्तव में हमारी विभिन्न योजनाओं और दृष्टिकोण के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति करने और प्रसिद्धि के द्वार खुलेंगे। हम सभी (महिला सदस्य) अलग अलग मार्गों से होते हुए यहां पहुंची हैं। कुछ इसलिए शामिल हुईं क्योंकि आपके पिता एक रोटेरियन थे और कुछ इसलिए कि एक नियोक्ता ने या आपके बॉस ने कहा था, और बाकी इसलिए क्योंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने महिलाओं को रोटरी में शामिल होने की अनुमति दी थी,'' ह्यूस्टन कन्वेंशन के समापन सत्र में आगामी रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने कहा।

लेकिन प्रत्येक प्रवेश की प्रक्रिया एक जैसी थी - संगठन में शामिल होने का निमंत्रण।

''इसीलिए रोटरी की दुनिया में इस निमंत्रण प्रक्रिया को और आगे बढ़ाने के लिए मैं विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई) को बढ़ावा देने के प्रति दृढ़ प्रतिज्ञ हूं। किसी भी लोकप्रिय संस्कृति में हमारे डीईआई प्रयासों का सम्मान करना, उन्हें जीना, आत्मसात करना सिर्फ लोकाचार नहीं है बल्कि उस से कहीं बढ़ कर है। यह हमारे बीच के अंतर और मतभेदों को ठीक तरह से समझने और उसका सम्मान करने के सन्दर्भ में है। वैश्विक स्तर पर यह मानवता को गूंथने की दिशा में एक गंभीर प्रयास है।''

उन्होंने दोहराया कि अगर डीईआई की बात करें, तो वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण थे परिणाम, जोन्स ने कहा, ''2023 तक (रो ई) बोर्ड द्वारा निर्धारित 30 प्रतिशत महिलाओं के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे पास सिर्फ दो साल बचे हैं। हम लंबा सफर तय कर चुके हैं और 110 देशों ने इस लक्ष्य को हासिल भी कर लिया है,'' तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा।

लेकिन सम्पूर्ण रोटरी दुनिया में 30 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सफर अभी भी काफी लंबा है, ''और 50 प्रतिशत के लक्ष्य तक पहुँचने के मार्ग में 30 प्रतिशत का लक्ष्य हमारा अगला पड़ाव है। और क्या आप जानते हैं कि रोटरेक्ट में हमारे सदस्य यह लक्ष्य पहले ही हासिल कर चुके हैं?'' अधिक

समावेशन के लिए रोटरी की बैठकें और कार्यक्रम ऐसी जगह पर आयोजित होनी चाहिऐं ''जहां हम सब ईमानदारी से खुलकर बोल सकें, जहां हमारे सदस्य आदर का अनुभव करें। इसका मतलब है समावेशन में आने वाली बाधाओं को दूर करना और द्वार खोलना। बड़ी भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निभाने के लिए हमें हर महाद्वीप, संस्कृति और पंथ से रोटरी नेताओं के साथ-साथ...युवा सदस्यों की भी जरूरत है।''

जोन्स ने कहा कि रोटेरियन को ''नए रोटरी सदस्यों को पूरे धैर्य और बहुत सम्मान के साथ सुनें जैसे हम वरिष्ठ और पुराने सदस्यों का सम्मान करते हैं। हमारे साझा इतिहास में, हमें एक-दूसरे के प्रति अच्छा होने, एक-दूसरे की देखभाल करने, एक-दूसरेकी उन्नति में सहयोग करने और हमारे संरक्षितों की रक्षा करने की आवश्यकता आज पहले से कहीं ज़्यादा है।''

महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की चर्चा करने के लिए ह्यूस्टन एक बिलकुल उपयुक्त शहर था, उन्होंने कहा, वो ह्यूस्टन ही है जहां से तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने मई 1961 में, विश्व में पहले व्यक्ति के चंद्रमा पर कदम रखने और उसे सुरक्षित वापस लाने की साहसिक घोषणा की थी। उन्होंने यह भी याद किया कि किस प्रकार ओलिविया स्पेंसर द्वारा अभिनीत फिल्म हिडन फिगर्स में डोरोथी वॉन, नासा में प्रबंधक के शीर्ष पद पर आसीन होने वाली पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला थीं। ''वह अद्भुत, प्रसिद्ध गणितज्ञ थीं। मेहनती और सक्षम सहयोगियों को खोज निकालने और उन महिलाओं की उन्नति के लिए किये गए अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद है, विभिन्न पृष्ठभूमि वाली महिलाओं की पूरी जमात ने अपने करियर का श्रेय उन्हें देते हुए आभार प्रकट किया है। सैकड़ों महत्वपूर्ण वैज्ञानिक खोज के पीछे इन्हीं प्रतिभाओं का योगदान है।''

उन्होंने आगे कहा: ''उस तरह की विरासत का मतलब बहुत बड़ा है क्योंकि रोटरी की पहली (महिला अध्यक्ष) होने का कोई औचित्य नहीं होगा अगर आगे चल कर इस पद पर दूसरी, तीसरी महिला अध्यक्ष नज़र नहीं आईं।'' सारांश ये है कि रोटरी को ''एक पृथक दृष्टिकोण रखने वाले नेताओं की आवश्यकता है... ये बड़ी जिम्मेदारी है, बड़ा काम है।''

सदस्यता वृद्धि के सम्बन्ध में, जोन्स का कहना था कि पिछले कुछ वर्षों में किए गए कई सर्वेक्षणों के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सदस्यों को क्लब में बनाये रखने और उन की संतुष्टि का एकमात्र प्रेरक कारक - नए सदस्यों की सुविधा और उनका ध्यान रखने से संबंधित था। ''हम नए सदस्यों के प्रवेश करने के बाद, घूमते दरवाजे से उन सभी को बहुत जल्दी खो देते हैं इसे रोकने की जरूरत है। तो, आइए क्लब में ऐसे अनुभवों का सृजन करें जो स्वागत योग्य हो, समावेशी और आनंददायक हों और ये सौहार्द हर सदस्य तक प्रवाहित हो।''

लेकिन ना तो यह पहले हुआ है और ना ही होना चाहिए था, ''हर किसी के लिए अपने दरवाजे खोलकर। हमारे मूल्य ही हमारी ताकत हैं और इसका तात्पर्य है कि उत्कृष्ट संगठन के रूप में, हम अपने सदस्यों से भी वैसी ही गुणवत्ता की अपेक्षा रखते हैं। मंडल और क्लब के नेताओं को, और नए सदस्यों को सार्थक जिम्मेदारियां, सेवा और व्यक्तिगत विकास के अवसर देने होंगे, क्योंकि ये एक उद्देश्य और जुनून पैदा करते हैं। यदि हम अपने सदस्यों की सेवा करते हैं, तो इसका तात्पर्य है कि हम अपने समाज की सेवा करते हैं। जब मैं सदस्यों की बात करती हूं, तो इसमें रोटरी और रोटरेक्ट दोनों शामिल हैं।'' उन्होंने घोषणा की, ''मैं कई अंतरराष्ट्रीय समितियों, सदस्यता समिति और मेलबर्न कन्वेंशन कमेटी में रोटरेक्टर्स को शामिल करूंगी।''

जोन्स ने ऐसे कार्यक्रमों को विकसित करने के लिए एक युवा सलाहकार परिषद के गठन की भी घोषणा की जो ''हमारे भविष्य के नेताओं को विकसित और परिभाषित करेगा। और अपने कार्यकाल में, रोटरेक्टर्स के एक समूह को हमारे मंडल सम्मेलनों में, रोटरी अध्यक्ष के प्रतिनिधियों के रूप में नियुक्त करूंगी। हमें एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखना है।''

उन्होंने घोषणा की कि लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता द्वारा शुरू की गई पहल को जारी रखने की योजना है, ''जो पूरी दुनिया में इतनी शक्तिशाली रूप से प्रतिध्वनित हुई है। हम इस साहसिक प्रयास को जारी रखें गेये जानते हुए कि सशक्त लड़कियां ही सशक्त महिला बनती हैं।''

रोटरी की पहली महिला अध्यक्ष होने का कोई औचित्य नहीं होगा अगर आगे चल कर इस पद पर दूसरी, तीसरी महिला अध्यक्ष नज़र नहीं आईं। सारांश ये है कि रोटरी को एक पृथक दृष्टिकोण रखने वाले नेताओं की आवश्यकता है... ये बड़ी जिम्मेदारी है, बड़ा काम है।

''रोटरी परियोजनाओं पर रौशनी डालने और इसे दुनिया को दिखाने के लिए, निक और मैं एक यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं, 'इमेजिन इम्पैक्ट' जहां हमारे फोकस क्षेत्रों में आप द्वारा किये गए अद्भुत और अविश्वसनीय कार्यों की तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए श्रेष्ठ और अत्यंत प्रभावशाली परियोजनाओं का दौरा करेंगे।'' इनमें से प्रत्येक गंतव्य का मीडिया दृष्टिकोण अलग होगा; किसी जगह विश्व स्तरीय उच्च कोटि के पत्रकार रोटरी की कहानी सुनाएंगे तो कहीं सोशल मीडिया को प्रभावित करने वाले होंगे जो रोटरी को समाज के उन लोगों तक पहुँचने में मदद करेंगे जिन्होंने रोटरी के बारे में कभी नहीं सुना।

प्रत्येक रोटेरियन से ''बड़े सपने'' देखने का आग्रह करते हुए, अंत में जोन्स ने कहा कि इन सपनों को हकीकत में बदलना ही होगा, जैसा कि पोलियो ख़त्म करने के लिए हमारे रोटरी के ख़्वाब 'एन्ड पोलियो' के अंतर्गत किया है।

अपनी थीम 'इमेजिन रोटरी' पर चर्चा करते हुए, उन्होंने कहा: ''आइए हम पोलियो रहित एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें, जिसमें हर व्यक्ति के लिए स्वच्छ पानी हो, एक ऐसी दुनिया जो बीमारी से मुक्त हो, जहां हर बच्चा पढ़ सके, दया और आशा के साथ प्रेम और शांति के बारे में सोचें, और इसी लिए मैं आपसे आग्रह करती हूं, 'इमेजिन रोटरी'।■

आइये रोटरी का और अधिक क्षेत्रीयकरण करें: शेखर मेहता

रशीदा भगत

ह्यूस्टन कन्वेंशन के समापन सत्र में, निवर्तमान रो इ अध्यक्ष शेखर मेहता ने रोटरी के सम्बन्ध में अपने कई सपनों का ज़िक्र किया। सभी रोटेरियनों को बड़े सपने देखने और फिर उन सपनों को साकार करने की दिशा में बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना था कि वह ''इस महान संगठन की गिनती सदैव विश्व के शीर्ष 10 संगठनों में हो। हम भली भांति जानते हैं कि रोटरी कितनी महान है और हमें इस पर बहुत गर्व है। रोटरी का इतिहास 117 साल पुराना है, जिसके पद चिन्ह संयुक्त राष्ट्र संघ से भी अधिक राष्ट्रों में देखे जा सकते हैं। हमने एक बीमारी का नामो निशाँ मिटाने का बीड़ा उस वक़्त उठाया था जब मानव जाति के इतिहास में केवल सिर्फ एक ही वायरस (चेचक) का सफाया हुआ था।''

आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण, हम अपने संगठन का वास्तविक मूल्य और इसके प्रभाव को कमतर आंक रहे हैं। मेरा सपना रोटरी के वास्तविक मूल्य के सम्बन्ध में है, जो अरबों डॉलर में है, न कि लाखों में, और जिसके बारे में हर एक को जानकारी होनी चाहिए।

लेकिन, ''हमारे इतने महान कार्यों और ढेर सारी उपलब्धियों के बावजूद, जब आप दुनिया के शीर्ष 10 सेवा संगठनों को गूगल करते हैं, तो रोटरी का नाम शीर्ष पर नज़र नहीं आता। जब हम सदस्यता, कार्यक्रम के परिमाण या प्रभाव के आधार पर खोजते हैं तो भी यह शीर्ष पर नहीं दिखता।'' उनका सपना था कि ''सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में उत्कृष्ट अनुभव के आधार पर, शीर्ष विकास के क्षेत्रों में सलाह देने के लिए रोटरी को आमंत्रित किया जाना चाहिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन को निरंतर परामर्श करना चाहिए और विचार विमर्श के लिए संयुक्त राष्ट्र को हमें आमंत्रित करना चाहिए। हमें विश्व आर्थिक मंच से बोलने का निमंत्रण मिलना चाहिए, और उनके साथ काम करने के लिए विभिन्न राष्ट्रों की सरकारों द्वारा पूछा जाना चाहिए।''

लेकिन ये मुकाम हासिल करने के लिए, ''यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने संगठन का पूरी तरह से पुनर्मूल्यांकन करें या व्यवस्थापन करें। आज हमारे पास राजस्व, खर्चे या प्राप्त होने वाली राशि का एकमात्र स्रोत है रोटरी फाउंडेशन।'' लेकिन पूरी कहानी का यह जरा सा हिस्सा भर था, मेहता ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा, जिसे टीआरएफ अनुदान में सबसे अधिक - 20 मिलियन डॉलर की राशि प्राप्त हुई है। ''लेकिन क्या ये भारत में रोटेरियनों द्वारा किए गए कुल कार्यों का सम्पूर्ण मूल्यांकन है? नहीं, वास्तविक कीमत कम से कम 10 गुना अधिक है। लेकिन चूँकि खर्च का अधिकांश हिस्सा तो क्लब के स्तर पर किया जाता है, इसलिए हम हमारे द्वारा किये गए कार्यों का वास्तविक मूल्य नहीं जानते,'' उन्होंने कहा।

इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने पूछा: ''हमने कितने अस्पताल और स्कूल बनाए और प्रबंधित किए हैं? कितनी हार्ट सर्जरी के लिए हमने फंड दिया है? हमारी वजह से कितने लोग स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सके? दुनिया भर में हमने कितने हजार बोरवेल खुदवाये हैं और कोविड महामारी के दौरान हमने परियोजनाओं के लिए कितना पैसा खर्च किया है? न तो हमारे पास इसके आंकड़े हैं और न ही उनकी कुल कीमत।''

इसका परिणाम, मेहता ने कहा, ये है कि ''आज रोटेरियन को ही अपने संगठन के वास्तविक मूल्य की जानकारी नहीं। आंकड़ों की अनुपलब्धता के कारण, हम अपने संगठन का वास्तविक मूल्य और इसके प्रभाव को कमतर आंक रहे हैं। मेरा सपना रोटरी के वास्तविक मूल्य के

सम्बन्ध में है, जो अरबों डॉलर में है, न कि लाखों में, और जिसके बारे में हर एक को जानकारी होनी चाहिए। समय आ गया है जब प्रत्येक क्लब अपने द्वारा किए गए कार्य/परियोजनाओं के मूल्य, खर्च किए गए घंटों आदि का विवरण दर्ज करे। इससे रो इ को रोटरी के वास्तविक प्रभाव का आकलन करने और मापने का साधन मिल जाएगा।''

मंडलों को संघ का स्वरूप दें

रो ई अध्यक्ष ने कहा कि रोटरी के उज्जवल भविष्य के लिए उनका एक और सपना ''रोटरी को संघीय संरचना बनाने से संबंधित था, जैसे रोटरी ऑस्ट्रेलिया, रोटरी अफ्रीका, रोटरी कोरिया, आदि राष्ट्रों में है, प्रत्येक देश का अपना लोकाचार है, संस्कृति है, प्रथाएं, शासन, इत्यादि हैं। लेकिन रो ई के प्रति सभी निष्ठावान हैं। एक साइज सबके लिए फ़िट नहीं होता। जापान की रोटरी अमेरिका की रोटरी से भिन्न है और इसी प्रकार जर्मनी में यह अलग है। स्थानीय रोटेरियनों के लिए अपना दायरा बढ़ाने और अधिक सदस्यों को आकर्षित करने के लिए रोटरी का अधिक से अधिक क्षेत्रीयकरण होना चाहिए।''

रोटरी ऑस्ट्रेलिया, रोटरी अफ्रीका, रोटरी कोरिया, आदि राष्ट्रों में है, प्रत्येक देश का अपना लोकाचार है, संस्कृति है, प्रथाएं, शासन, इत्यादि हैं। लेकिन रो ई के प्रति सभी निष्ठावान हैं। एक साइज सबके लिए फ़िट नहीं होता।

एक और महत्वपूर्ण सपना रोटरी की सदस्यता में 2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि से संबंधित था और ये संभव था, यदि प्रत्येक रोटेरियन उनके द्वारा शुरू की गई पहल 'ईच वन ब्रिंग वन' का अनुसरण करे। ''सिर्फ एक नारा नहीं बल्कि इसे संगठन का सिद्धांत, दर्शन बनना चाहिए। बेशक, DEI (विविधता,समानता, समावेशन) सभी व्यापक होंगे क्योंकि यह हमारे मूलभूत मूल्यों में से एक है जिसके साथ कोई समझौता नहीं। 'अधिक बढ़ो' हमें और ज़्यादा करने में सहायक होगा। टीआरएफ में हमारा योगदान बढ़ेगा और हम लाखों डॉलर की विशाल परियोजनाऐं और ज़्यादा कार्यक्रम करने में सक्षम होंगे जिससे लाखों लोग प्रभावित होंगे।''

एक बार ये सपने साकार हो गए, तो सरकारें और कॉरपोरेट्स दोनों ही रोटरी के साथ प्रभावशाली परियोजनाओं में भागीदारी करने के लिए आगे आएंगे। ''अधिक से अधिक संस्थान सामाजिक सरोकार के प्रति जागरूक हो रहे हैं और रोटरी बड़ी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी भागीदार हो सकती हैं। जैसा कि हमने पोलियो में किया था, हम राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका निभा सकते हैं। हम आज सबसे ज़्यादा पोलियो उन्मूलन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जल्द ही हमें जाम्बिया में मलेरिया के उन्मूलन के लिए, हैती में हमारे द्वारा चलाई जा रही जल परियोजनाओं के लिए और भारत में साक्षरता के क्षेत्र में जाना जाएगा।''

रो ई अध्यक्ष ने कहा कि इस वर्ष शुरू हुई जिस परियोजना ने हर रोटेरियन का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वो है लड़कियों को सशक्त बनाना। ''राशी और मैं, हम जहां भी गए, हमें इस परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्य दिखाए गए और हाँ, इसे भी रोटरी के फोकस के प्रत्येक क्षेत्र में जोड़ सकते हैं इससे हमें बड़े पैमाने की परियोजनाएं करने का सामर्थ्य मिलेगा। विभिन्न राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने इस पहल का स्वागत किया है, इसे और आगे बढ़ाने का समय आ गया है। महिलाएं और लड़कियां हमारी मनुष्य जाति का आधा हिस्सा हैं और आधे अवसर उन्हें भी मिलने चाहिएं।''

मेहता ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल से ये कहते हुए विदा ली: ''ये सपने कोई साधारण सपने नहीं हैं। वे हमारे संगठन के भविष्य को आकार देंगे। मैं बहुत खुश हूँ कि निदेशक मंडल ने इस वर्ष इन परिवर्तनशील विषयों पर चर्चा करने में बहुत समय व्यय किया है पर अब हमने गति पकड़ ली है और परिवर्तन दिखने लगा है।''■

यूक्रेन में रोटरी की मदद से ''अभिभूत'': जॉन ह्यूको

रशीदा भगत

रो ई के महासचिव जॉन ह्यूको।

ह्यूस्टन कन्वेंशन में, रोटरी के महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्रों में से एक - पीस बिल्डिंग एंड कॉन्फ्लिक्ट रिज़ोल्यूशन - ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था, यूक्रेन में चल रहे प्रचंड युद्ध की पृष्ठभूमि में। 11,000 से अधिक प्रतिभागियों को रो इ के महासचिव और सीईओ जॉन ह्यूको का सम्बोधन, कि युद्ध में फंसे पीड़ित यूक्रेनियनों की मदद रोटरी ने किस प्रकार की थी, और भी मार्मिक हो गया जब उन्होंने बताया उनके माता-पिता भी मूलतः यूक्रेन के थे।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर से यूक्रेन के लोगों को जितनी सहायता मिली है विशेष रूप से युवाओं से, उससे वो बहुत खुश थे। Fortnite (एक ऑनलाइन वीडियो गेम) के खिलाड़ियों ने यूक्रेन के शरणार्थियों की सहायता करने के लिए फंड में दान करने का निर्णय किया था। ''उनके (वीडियो गेम की) औसत बिक्री के आधार पर उन्हें 15 से 20 मिलियन इकट्ठा होने की उम्मीद थी। फोर्टनाइट खिलाड़ी की औसत आयु 19 वर्ष है; लेकिन इन खिलाड़ियों ने यूक्रेन राहत कार्यों के लिए उनकी अनुमानित राशि को दरकिनार करते हुए उम्मीद से कहीं ज़्यादा 155 मिलियन डॉलर का दान किया । यह चौंका देनेवाले आंकड़े है और यह सारी राशि युवाओं से ही प्राप्त हुई है जो दिखाना चाहते थे कि वो एक वीडियो गेम समुदाय से कहीं अधिक हैं। वे दिखाना चाहते थे कि विश्व में जो कुछ भी घटित हो रहा है, उसे ले कर वो भी चिंतित हैं और एक फर्क लाना चाहते थे।''

ये ठीक वैसा ही है जिस तरह रोटरी और रोटेरियन अपनी योजना बनाते हैं और फिर उसे क्रियान्वित करते हैं, ह्यूको ने कहा। ''कुछ साल पहले जब हम अपने नए रोटरी एक्शन प्लान की तैयारी कर रहे थे तो अपने शोध में हमने बार-बार ये पाया कि इस तरह के रोचक और सार्थक संबंधों के लिए युवा पीढ़ी में जबरदस्त भूख हैं। यह भी देखा गया कि हर पीढ़ी आपस में सम्बन्ध बनाना चाहती है और जुड़ कर वो काम करना चाहती है जिससे दूसरों की ज़िन्दगी में सार्थक परिवर्तन आये। और इसीलिये हमारा विज़न स्टेटमेंट भी कहता है कि हम सब साथ मिल कर एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां लोग मिल जुल कर रहते हैं और स्थायी परिवर्तन के लिए कार्य करते हैं, हमारे समाज के साथ साथ खुद अपने अंदर भी।''

रोटरी इस तरह से ये काम करती है ''कार्यान्वित करके और सार्थक व्यक्तिगत रूप से संलग्न हो कर, जो आर्थिक पुरस्कार की तुलना में व्यक्तिगत रूप से कल्याणकारी है। अच्छे काम करने से लोगों को अच्छा महसूस होता है वो खुश रहता है और शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। निःसंदेह, सदस्यों को भी ये महसूस करना होगा, मानना होगा कि वे जिस क्लब से जुड़े हैं, वह प्रासंगिक है और मजेदार है। सात वर्षों में पहली बार, रोटरी सदस्यों की संख्या में शुद्ध वृद्धि देखेगा; यह एक अच्छी खबर है, लेकिन नए सदस्यों को जोड़े रखना अब हमारी जिम्मेदारी है,'' उन्होंने कहा।

ह्यूस्टन के एक क्लब में परिवर्तन

जब ''ग्रो रोटरी'' की बात चली है तो, अन्य क्लब ह्यूस्टन के ही एक क्लब - प्लानो वेस्ट रोटरी क्लब के अनुभव लाभ उठा सकते थे। तीन साल पहले, इस क्लब में केवल 20 सदस्य थे जो निश्चित ही उस समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते थे जहां उन्होंने अपनी सेवाएं दी थी। उनकी औसत आयु 67 वर्ष थी और इसमें केवल 5 महिलाएं और एक

अश्वेत था। ''ये क्लब वास्तव में सामाजिक कार्यों के लिए तैयार नहीं था। इसलिए, क्लब के सदस्यों ने अपना दृष्टिकोण बदला और अपने आप को अनुकूलित किया। उन्होंने स्कूल के बाद बच्चों को भोजन वितरित करने, शिक्षकों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने जैसी गतिविधियों से अपनी शुरुआत की। वे पुलिस अधिकारियों से मिले और जब महामारी शुरू हुई, तो उन्होंने कोविड-19 से सम्बंधित सामग्री को वंचित समुदायों तक पहुँचाया।''

इसके बाद, महामारी के दौरान सदस्यों ने पड़ोस के एफ्रो-अमेरिकन और लातीनी इलाकों में, जरूरतमंद परिवारों को सीधे भोजन पहुंचाना शुरू किया। उनके इस प्रयास को देख कर, पूरे समाज से मदद के लिए लोग आगे आने लगे। क्लब ने एफ्रो-अमेरिकन, लातीनी और एलजीबीटीक्यू समूहों के सदस्यों को आमंत्रित करना शुरू कर दिया, ''जिसका परिणाम ये हुआ इसकी औसत आयु घटने लगी। तालियों की गड़गड़ाहट के बाद ह्यूको ने कहा, आज इसकी सदस्यता तीन गुना बढ़कर 65 हो गई है, जिसमें 37 महिलाएं और 28 पुरुष हैं, और औसत आयु 67 से घटकर 50 रह गई है।''

जब क्लब का विकास होता है, तो उनमें समाज को बदलने की ताकत बढ़ती है और उनके सदस्य जो भी अच्छे और भलाई के काम करते हैं, वो सामने आये बिना नहीं रहते, उन्होंने कहा।

यूक्रेन की मदद

हाल ही में, रोटरी परिवार सहित रोटरेक्टों द्वारा यूक्रेन में ज़मीनी स्तर पर किये जा रहे कार्यों में, रोटरी की कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता साफ़ नज़र आई थी। इसका विवरण देते हुए, वो बोले, ''जब यह विध्वंसक युद्ध शुरू हुआ, तो अपने रोटरी डिजास्टर रेस्पॉन्स फण्ड के माध्यम से यूक्रेन के लिए प्रत्यक्ष दान राशि इकट्ठा करने के लिए के लिए तेजी से बढ़े। दुनिया भर में दानदाताओं की उदारता का आभार, यूक्रेनियन को पानी, भोजन, आश्रय, दवा और कपड़े प्रदान करने के लिए रोटरी ने 15 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दिया था।''

लेकिन वो कहानी का छोटा सा हिस्सा था। ''यूक्रेन के लिए यूं तो दुनिया भर में कई संगठनों ने धन इकठ्ठा किया था और कर भी रहे हैं। किन्तु हम विशिष्ट हैं।'' यूक्रेन में 62 रोटरी क्लब और छह

रशीदा भगत

ह्यूस्टन कन्वेंशन में यूक्रेन के एक प्रतिनिधि के साथ PRIP राजेंद्र साबू और उषा।

सैटेलाइट क्लब हैं, जिनकी कुल सदस्यता 1,100 है। और 24 रोटरेक्ट क्लब जिसमें 300 से अधिक सदस्य हैं। यूक्रेन में रोटरी परिवार के माध्यम से, रोई उनकी ''तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सका था, चाहे वह भोजन हो या चिकित्सा आपूर्ति और यहां तक कि उनके पास एक दमकल और आपातकालीन चिकित्सा वाहन भी पहुंचाया था। हम पूरे धैर्य से सुनते हैं और हम प्रतिक्रिया देते हैं। यूक्रेन के रोटेरियन और रोटरेक्टर, और उनकी सहायता करने वाला प्रत्येक रोटरी सदस्य अद्वितीय है।''

इसके बाद उन्होंने यूक्रेन से आये रोटरी सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल की ओर इशारा किया, जो युद्ध की वजह से यूक्रेन से बाहर कोई उड़ान नहीं होने के बावजूद सम्मेलन में भाग लेने के लिए ह्यूस्टन पहुंचे थे। जैसे ही उन्होंने यूक्रेन का झंडा लहराया, सभागार में उपस्थित रोटेरियनों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। एक भावपूर्ण टिप्पणी करते हुए, महासचिव बोले : ''1940 के दशक में, सोवियत सेना ने यूक्रेन पर धावा बोल दिया था और मेरे माता-पिता को देश छोड़ना पड़ा था और उस समय वो दक्षिणी जर्मनी में विस्थापित लोगों के शिविर में रहे थे, इसके उन्होंने अमेरिका जा कर अपना नया जीवन शुरू किया। और यहाँ जिस देश ने खुले दिल से उनका स्वागत किया था और उन्हें इतना कुछ दिया उस देश को वापस लौटाने के लिए उन्हें एक वाहन मिला और मेरे पिता मिशिगन में रोटरी क्लब ऑफ क्लार्कस्टन में शामिल हो गए।''

वो खुद 1990 के दशक में ''यूक्रेन को स्वतंत्रता मिलने के बाद के उस के प्रारंभिक दिनों में यूक्रेन में काम कर चुके हैं, वहां अभी भी मेरे कई रिश्तेदार, दोस्त और पूर्व सहयोगी रहते हैं। रोटेरियनों को यूक्रेन के विस्थापित और उत्पीड़ित लोगों के लिए इतना अधिक करते देख वह कृतज्ञता से अभिभूत हो गए।'' रोटरी ने कई अस्पतालों को चिकित्सा आपूर्ति की थी, और ''पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया, मोल्दोवा, रोमानिया, बाल्टिक राज्यों सहित अन्य कई देशों में रोटेरियनों ने लाखों शरणार्थियों के लिए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं, अपनी बाहें खोल दी और उनका स्वागत किया। कुछ सदस्यों ने तो सीमावर्ती देशों की यात्रा तक कर डाली ताकि शरणार्थियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाया जा सके, राहत सामग्री उतार कर उसे गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।''

प्रमाण के रूप में अगर आप ये जानना चाहते हैं कि युद्ध क्षेत्र में पीड़ित लोगों के लिए इस तरह की प्रतिक्रिया का क्या प्रभाव पड़ा है, ''तो इस पर गौर करें,'' ह्यूको ने कहा। ''युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन में रोटरी की सदस्यता वास्तव में बढ़ी है। ये वे लोग हैं जो अपनी ज़िन्दगी के लिए लड़ रहे

हैं, जो अपनी आंखों के सामने अपने शहर को पूरी तरह तबाह होते देख रहे हैं। जिन लोगों ने कभी भी किसी हथियार को छुआ तक नहीं है, उन्हें ही अपने देश की रक्षा करने के लिए कहा जा रहा है। और इस सब के बीच, यूक्रेनियनों ने प्रत्यक्ष देखा है कि जरूरत पड़ने पर रोटरी ने क्या - क्या किया है, इन परिस्थितियों में इन लोगों ने हमारे संगठन में शामिल होने का असाधारण कदम उठाया है।''

उन्होंने अपना कथन यह कहते हुए समाप्त किया कि नेकी और दयालुता के असाधारण काम देख कर, जैसे कि फ़ोर्टनाइट के खिलाड़ी अपना भत्ता दान करते हैं, रोटेरियन और रोटरेक्टर अभी भी बैठकें कर रहे थे और बाहर लोगों तक पहुंच रहे थे, ''मेरे भीतर आशा का संचार होता है और मुझे उम्मीद है कि आप में से प्रत्येक के भीतर भी ऐसा ही होता होगा, हम अपने महान संगठन उस के भविष्य को लेकर बहुत आशान्वित हैं। क्योंकि अगर हम अपने प्रभाव को बढ़ा सकें, तो हम अपने संगठन का विस्तार और साथ ही हम भलाई के जोभी काम कर रहे हैं उनमें भी वृद्धि कर सकते हैं। अगर हम उसके साथ खड़े होने का साहस रखते हैं जिसे हम समझते हैं कि सही है तो हम दुनिया को शांति के थोड़ा और करीब ला सकते हैं।''

ह्यूको की टिप्पणी के बाद, यूक्रेन के रोटरी क्लब ऑफ ल्वीव के एक सदस्य, मायरोस्लाव गेवरिलिव ने बताया कि उनके देश के क्लबों ने बाहर से आने वाली राहत की आपूर्ति के समुचित वितरण के लिए किस प्रकार नेटवर्क गठित किया था और हमारे सदस्यों ने अपने पड़ोसियों की सहायता किस प्रकार की।

शेल्टरबॉक्स के सीईओ संज श्रीकांतन ने बताया कि रोटरी और शेल्टरबॉक्स, आपदा राहत देने में भागीदार हैं, हर तरह के संकटों से निपटने के लिए वे मिल कर काम करते हैं। एक लेखक और कार्यकर्ता अजीम खमीसा ने बताया कि उन्होंने तारिक खमीसा फाउंडेशन की स्थापना तब की थी जब 1995 में पिज्जा डिलीवर करते समय एक गिरोह के सदस्य ने उनके बेटे की हत्या कर दी थी। ये फाउंडेशन, बदला और कड़वाहट के बजाय लोगों को क्षमा और करुणा धारण करने में मदद के लिए पुनरुत्थान और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों से प्रेरित है।

सम्मेलन के उद्घाटन से दो दिन पहले, रोटरी प्रेसिडेंशियल कॉन्फ्रेंस ऑन पीस आयोजित हुई, जिसकी शुरुआत रोटरी द्वारा यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए किये सहयोग को मान्यता देने के साथ हुई साथ ही और उस देश में मानवीय राहत शीघ्रातिशीघ्र प्रदान करने में रोटरी के विशाल नेटवर्क का क्या प्रभाव पड़ा, इस पर चर्चा हुई थी।

वक्ताओं में शामिल रहे 'क्योर वायलेंस ग्लोबल' के संस्थापक डॉ गैरी स्लटकिन; द होराइजन्स प्रोजेक्ट की संस्थापक जूलिया रोग; और किरण सिंह सिराह, जो पूर्व में रोटरी पीस फेलो भी रह चुकी हैं और इंटरनेशनल स्टोरी टेलिंग सेंटर की अध्यक्ष हैं। शांति सम्मेलन के समापन सत्र में, लड़कियों को सशक्त करने के लिए एक साझेदारी की घोषणा में यूनिसेफ अमेरिका के मुख्य कार्यकारी माइकल न्येनहुइ सके साथ RIPE जेनिफर जोन्स भी शामिल हुईं। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट को भारत से दवाइयां मिली

टीम रोटरी न्यूज़

श्रीलंका में भोजन, ईंधन और दवाओं के आयात के लिए कोई विदेशी मुद्रा भंडार नहीं होने के कारण एक गंभीर आर्थिक संकट की चपेट में हैं। डीजीई जेरोम राजेंद्रम को द्वीप राष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्रालय और श्रीलंका के राष्ट्रीय अस्पताल (एनएचएसएल), कोलंबो से मदद के लिए एक आपातकालीन अनुरोध प्राप्त हुआ।

RID 3220 डीजीई जेरोम के राजेंद्रम (बाएं), कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवा के उप महानिदेशक डॉ डब्ल्यू के विक्रमसिंघे (बाएं से चौथे) को रोटरी क्लब इरोड सेंट्रल द्वारा दी गई दवाएं सौंपते हुए।

तत्काल मदद के अनुरोध के बाद, राजेंद्रन ने भारत में रोटरी क्लबों से संपर्क किया। पीडीजी डॉ ई के सगाधेवन और रोटरी क्लब इरोड सेंट्रल, रो ई मंडल 3203, आपातकालीन आपूर्ति में मदद करने के लिए आसानी से सहमत हो गए और कुछ दिनों के भीतर ₹1 करोड़ के शिपमेंट की व्यवस्था की।

रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट, रो ई मंडल 3220 द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के उपमहानिदेशक डॉ डब्ल्यू के विक्रमसिंघे को दवाइयां सौंपी गई। ''इस प्रकार, हमने नए रोटरी वर्ष के लिए अपनी पहली सामुदायिक परियोजना शुरू की,'' कपिला मोहोटी, क्लब अध्यक्षा ने कहा। एनएचएसएल के अधिकारियों के साथ डीजीई राजेंद्रम, सामुदायिक सेवा निदेशक के पी नागराजना, मोहोटी और डॉ रूवान थुशारा मटीवालगे ने आवश्यक वस्तुओं के समय पर शिपमेंट के लिए रोटरी इंडिया को धन्यवाद दिया। ■

रोटरी भारत श्रीलंका की मदद करती हैं

किरण ज़ेहरा

चेन्नई में श्रीलंका के उप उच्चायुक्त डी वेंकटेश्वरन (बाएं से पांचवे) के साथ PDG ए संपत कुमार (RID 3231), उनकी पत्नी डॉ साईप्रसन्ना, PDG जी ओलिवण्णन (RID 3232), DGND एन एस सरवनन और DG जे के एन पलानी (RID 3231)।

जून 2022 में, रो ई मंडल 3232 के PDG जी ओलिवण्णन ने चेन्नई में व्यापार के लिए एक श्रीलंकाई व्यक्ति हेनरी विक्रमसिंघे से मुलाकात की। लेकिन विक्रमसिंघे को ''उनके मोबाइल पर बार-बार आने वाले कॉल की वजह से यह बैठक बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि वे फोन कॉल श्रीलंका के प्रधानमंत्री कार्यालय से थे। बहुत ही खराब आर्थिक संकट से जूझ रहे उनके देश को भोजन की तत्काल आवश्यकता थी। मैंने उन्हें रोटरी के बारे में बताया कि हम उनकी मदद कर सकते है,'' ओलिवण्णन ने कहा।

चेन्नई में श्रीलंकाई दूतावास में एक बैठक आयोजित की गई जहाँ रोटेरियन चक्रवर्ती और रोटेरियन कुमार राजेंद्रन के साथ ओलीवन्नन ने उपायुक्त डी वेंकटेश्वरन से मुलाकात की। बैठक के बाद रोटेरियनों ने अपने सोशल मीडिया खातों पर इसके बारे में एक संदेश पोस्ट किया। यह निर्णय लिया गया कि इस पहल के लिए रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ ट्रस्ट के माध्यम से धन जुटाया जाएगा।

PRIP कल्याण बेनर्जी ने इस पहल के लिए 30,000 का योगदान दिया और ''उन्होंने हमारे प्रयासों की सराहना करने के लिए एक वीडियो कॉल के माध्यम से हमारा हौसला बढ़ाया।'' PDG चिन्नादुरई अब्दुल्लाह (मंडल 3212) ने ₹15 लाख की खाद्य सामग्री दान की। एक AKS सदस्य DG वी आर मुत्तु (रो ई मंडल 3212) ने 1,000 लीटर खाद्य तेल दान किया और रो ई मंडल 3291 ने ₹2 लाख का योगदान दिया। गुंटूर के एक गैर सरकारी संगठन अम्मा ट्रस्ट ने 100 टन चावल दान दिए। ₹90 लाख कीमत के 125 टन वजनी खाद्य पदार्थों (जिसमें चावल, गेहूं का आटा, तेल, दाल और दूध पाउडर शामिल है) और ₹4.5 लाख की दवाएं वाले सात शिपिंग कंटेनर को इस द्वीप राष्ट्र को भेजा गया, उन्होंने कहा। DG जे के एन पलानी (मंडल 3231), PDG रजनी मुखर्जी (मंडल 3291), संपत कुमार (मंडल 3231) उनकी पत्नी डॉ साईं प्रसन्ना और DGND एन एस सरवनन (मंडल 3232) ने अपने-अपने जिलों से किया समन्वय धन और राहत सामग्री एकत्र की। रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ ट्रस्ट ने विभिन्न स्रोतों से एकत्रित धन के माध्यम से कंटेनरों की शिपिंग के लिए ₹5.5 लाख का भुगतान किया

''उपायुक्त हमारे कार्य की गति को देखकर चकित थे और उन्होंने हमसे चेन्नई के दूतावास में दोबारा मिलने का अनुरोध किया।'' इस बार उनका अनुरोध 10,000 चारकोल स्टोव के लिए था। आयुक्त ने समझाया कि श्रीलंकाई सरकार के पास अपने लोगों के लिए इन स्टोवों का आयात करने हेतु धन की कमी चल रही है क्योंकि गैस की अनुपलब्धता के कारण लोग जलाऊ लकड़ी पर खाना पकाने को मजबूर है।

प्रारंभिक प्रतिबद्धता के रूप में रोटेरियनों ने 1,000 स्टोव निर्यात करना स्वीकार किया। PDG संपत कुमार और उनकी पत्नी प्रसन्ना ने तुरंत ही राजकोट के एक विक्रेता से संपर्क किया। ''ये कठिन समय है। चाहे वह यूक्रेन हो या श्रीलंका, दुनिया मदद के लिए रोटरी की ओर देख रही है और हमें हर संभव प्रयास करने चाहिए,'' ओलिवण्णन ने कहा।■

रोटरी में महिलाओं में अन्तर्निहित शक्ति की अपार संभावनाएं हैं

रशीदा भगत

अफ्रीका में रो ई मंडल 9212 की गवर्नर रह चुकी, टीआरएफ ट्रस्टी, गीता मानेक की आंखों में सितारे झिलमिला उठते हैं जब वो भारत में रोटरी की चर्चा करती हैं, विशेष रूप से TEACH कार्यक्रम और भारतीय रोटेरियनों द्वारा की जाने वाली विशाल सेवा परियोजनाओं की। हैदराबाद में आयोजित अध्यक्षीय सम्मेलन में रोटरी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि पूरी रोटरी दुनिया भारत में रोटेरियनों की ओर देख रही है, और अफ्रीका सदस्यता वृद्धि में और विशाल, दीर्घकालीन परियोजनाओं में भारत का अनुकरण करने का प्रयास कर रहा है। बातचीत के कुछ अंश ...

आपकी रोटरी यात्रा की शुरुआत कैसे हुई?

अगर मैनें बताया तो तुम्हें हंसी आएगी! मेरे पति एक ऐसे समूह का हिस्सा थे जो एक नया क्लब चार्टर करने जा रहे थे और वे बिना नागा हर सोमवार की शाम मीटिंग में जाते थे... बस सब कुछ छोड़ कर निकल पड़ते थे। मैं बहुत हैरान थी और जानना चाहती थी कि वहां ऐसा क्या है। मैनें रोटरी के बारे में कभी नहीं सुना था जबकि वह इतने उत्सुक रहते थे कि कोई मीटिंग छोड़ते ही नहीं थे, मुझे कुछ अजीब लगा ... इससे मुझे थोड़ी जिज्ञासा, सच कहूँ, थोड़ा शक हुआ और जाहिर है चिंता भी हुई।

TRF ट्रस्टी गीता मानेक, रो ई मंडल 9212, अफ्रीका

रशीदा भगत

ये कब की बात है ?

बात 1996 की है; एक दिन मैंने उनसे पूछा, क्या मैं आपके साथ चल सकती हूँ और वो बोले, आज नहीं लेकिन हम जल्द ही एक शाम महिलाओं के लिए आयोजित करने वाले हैं उसमें चल सकती हो। तो मैं गई और शेष इतिहास आप जानती हैं।

उसके पश्चात क्लब के चार्टर अध्यक्ष ने मुझे क्लब का सदस्य बनने का न्यौता दिया, मैं शामिल हुई फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

केन्या में अपनी पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं, क्या आप शुरू से नैरोबी में रही ? और आपका परिवार वहां कब गया?

केन्या के एक गांव में मेरा जन्म हुआ और यहीं पली बढ़ी हूं; बहुत पहले मेरे परदादा वहां गए थे। ठीक भारत की तरह ही, हमारे गांवों में भी बहुत सारी सुविधाओं का अभाव था। गाँव के स्कूल में सिर्फ एक बड़ा कमरा होता था, उसमें बच्चे चटाई पर बैठते थे, और पूरे स्कूल में सिर्फ एक शिक्षक था। वे समाज के सबसे सम्मानित व्यक्ति थे।

तो क्या आप भी उस उसी स्कूल में पढ़ी हैं ?

हां, मैंने वहां तीन साल तक पढ़ाई की और फिर मेरे पिता ने मुझे शहर के बोर्डिंग स्कूल में भेज दिया, जहां मैंने अंग्रेजी सीखी। वहाँ की पढ़ाई समाप्त करने के बाद, मैं हाई स्कूल के लिए इंग्लैंड गई और अंततः बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन और मार्केटिंग में स्नातक हुई।

हालांकि मेरे परिवार ने 40 साल पहले ही उस गांव को छोड़ दिया था, फिर भी हमारी जड़ें तो वहीं हैं... कितनी भी ऊंची उड़ान भर लें हम, हम जानते हैं कि हम वहीं से हैं। हम जमीन से जुड़े हुए हैं।

आपका पारिवारिक व्यवसाय ?

मेरे पिता गाँव में एक सामान्य व्यापारी थे। वो वहाँ बस गए बड़े लोगों की ज़रूरतों को पूरा किया करते थे और उन्हें जो कुछ भी चाहिए, वह शहर से ले आते थे। वर्तमान में, मैं और मेरे पति रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, इंश्योरेंस के व्यापार में हैं... हमारी कंपनियों का एक समूह है। मैं रियल एस्टेट कंपनी में डायरेक्टर हूं।

तो अपने गांव की सेवा के रूप में आपने और आपके परिवार ने चीजों को बदलने के लिए क्या किया?

सबसे पहले, हमने यह सुनिश्चित किया कि सब लोगों तक पानी पहुंचे। यह ऊंचाई पर स्थित है और पास में ही एक प्राकृतिक झरना बहता है, लेकिन लोगों के घरों में पाइप से पानी नहीं पहुँचता था। हमने हर घर तक पानी उपलब्ध करवाया साथ ये भी सुनिश्चित किया कि नौकरी के अवसर भी प्रदान करवाए जाएं। हमने अपने गांव में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजना शुरू की। हमने शिक्षा के क्षेत्र में कई काम किये -...बच्चे फर्श पर बैठ कर पढ़ते थे उनके लिए डेस्क उपलब्ध कराए, शिक्षकों को प्रशिक्षित किया, पुस्तकों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए और पाठ्यक्रम को और उन्नत किया। हालांकि मेरे परिवार ने 40 साल पहले ही उस गांव को छोड़ दिया था, फिर भी हमारी जड़ें तो वहीं हैं... कितनी भी ऊंची उड़ान भर लें हम, हम जानते हैं कि हम वहीं से हैं। हम जमीन से जुड़े हुए हैं।

भारत में रोटरी के बारे में आपके क्या विचार हैं और यहां के रोटेरियन से आपका पहला जुड़ाव कैसे हुआ?

ओह, भारत के रोटेरियन महान हैं, वे बहुत समर्पित, अति प्रेरक, मजबूत और दृढ़ निश्चयी हैं, वे जो कुछ भी प्राप्त करना चाहते हैं, उसके लिए लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उस दिशा में काम करते हैं और इसे प्राप्त कर के रहते हैं। भारत में रोटरी शानदार है क्योंकि यह बड़े पैमाने पर तरक्की कर रही है और बहुत काम कर रही है। दस साल पहले, इतने सारे क्षेत्रों में स्वच्छ पानी की पहुंच एक बड़ी चुनौती थी। आज रोटेरियनों की वजह से काफी क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध है।

TEACH कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में वे अत्यंत प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं । एक ज़माना था जब भारत विभिन्न प्रकार की सहायता लिया करता था, लेकिन आज भारत के रोटेरियनों ने इस परिदृश्य को पलट दिया है। वे अफ्रीका और यहां तक कि अमेरिका में भी कई परियोजनाएं कर रहे हैं... विशेषकर अमरीका-मेक्सिको बॉर्डर पर।

सदस्यता वृद्धि और फाउंडेशन में देने की या इससे धन लेकर भागीदारी करते हुए विशाल स्तर के शानदार प्रोजेक्ट करने की बात करें तो भारत के रोटेरियनों ने रोटरी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। बाहर से देखती हूँ तो लगता है कि रोटरी दुनिया के शेष लोग भी वही करना चाहते हैं जो भारत में रोटरी कर रही है ... आपके द्वारा बनाए गए संपर्क और आपके द्वारा किए गए सहयोग, टाटा जैसे बड़े और प्रतिष्ठित कॉरपोरेट्स और भारत सरकार और अन्य के साथ की गई साझेदारी की वजह से। TEACH कार्यक्रम के लिए धन्यवाद, विभिन्न राज्यों के लोगों की नेताओं तक पहुँच है, इसलिए आशा है कि हम शीघ्र ही भी वहां पहुँच जाएंगे।

आप अध्यक्ष शेखर मेहता और TEACH कार्यक्रम के संपर्क में कब और कैसे आईं ?

मेरे पति गवर्नर की ट्रेनिंग ले रहे थे तब वे रो ई निदेशक थे। और वर्षों से, हम एक दूसरे के संपर्क में रहे हैं। भारत के साथ हमारे संबंध काफी गहरे हैं, लेकिन हमारा परिवार यहां नहीं रहता। लगभग 200 साल पहले हमारा परिवार भारत छोड़ गया था, इसलिए जब भी मैं किसी भारतीय को देखती हूं, तो मैं मंत्रमुग्ध हो जाती हूं।

तो भारत में आपका परिवार रोटरी है?

बिल्कुल सही। अफ्रीका में, अध्यक्ष शेखर और राशि हमारे दिल के बहुत करीब हैं; इस वर्ष उनका अफ्रीका आना अपरिहार्य था और अफ्रीका में उन्होंने काफी समय व्यतीत् किया। अफ्रीका के लिए उनके दिल में एक विशेष स्थान है, क्योंकि वो अफ्रीका में अन्तर्निहित उसकी वास्तविक क्षमता को जानते हैं।

उनका विश्वास है कि रोटरी का अगला विकास क्षेत्र यही है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि यह रोटरी का अगला फ्रंटियर बनने जा रहा है। हमने भारत में किये गए से पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में किये गए कार्यों से बहुत कुछ सीखा है। और हम भाग्यशाली रहे कि कोविड महामारी की कठिनतम अवधि में, अफ्रीका में उस मील के पत्थर को छू सके। अफ्रीका में रो ई ने Makerere University के साथ एक शांति कार्यक्रम विकसित किया है। और अगला कार्यक्रम उत्तरी अफ्रीका या मध्य पूर्व के किसी क्षेत्र में आएगा।

और शांति केंद्रों की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है, यूक्रेन संघर्ष आज उग्र रूप ले चुका है।

और हां, शांति का रिश्ता गरीबी से भी है। हमारे अधिकांश संघर्ष संसाधनों के अभाव के कारण होते हैं।

अफ्रीकी देशों में हिंसा और संघर्ष बहुत ज़्यादा है...

हां, ऐसा इसलिए क्योंकि हम सरल हैं, गरीब लोग हैं जिनकी पहुंच संसाधनों तक नहीं है। इसलिए, यदि किसी के पास दो गायें हैं, और कोई एक को हथियाना चाहता है तो इसकी वजह बुराई या लालच नहीं परन्तु ज़िंदा रहने की मजबूरी है। कुछ ऐसा पाने की इच्छा जो उनके पास नहीं है। लेकिन अफ्रीका में रोटरी प्रगति के लम्बे डग भर रही है।

अफ्रिका में कितने सदस्य हैं?

सिर्फ 42,000! और हम एक अरब लोग हैं, इसलिए यह काफी कम है। उदाहरण के लिए, भारत में आपके यहां 1 अरब से अधिक लोग हैं और 160,000 से अधिक रोटेरियन हैं।

इसलिए आप कम से कम उस संख्या तक पहुँचने की अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। तो अफ्रीका में किस तरह का सदस्यता अभियान चल रहा है?

हम कॉरपोरेट क्लबों को चार्टर कर, समुदायों तक पहुँच कर, और नक़्शे पर जहां रोटरी नहीं है उन क्षेत्रों को देख रहे हैं कि किस प्रकार हम वहां एक क्लब खोल सकते हैं, हम लोगों को रोटरी में शामिल होने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए इसमें एक उद्देश्य निहित है।

यहां तक पहंचने का सफर कितना मुश्किल रहा ... एक टीआरएफ ट्रस्टी का आप एक महिला हैं और रोटरी में इतने उच्च स्तर तक गिनी-चुनी महिलाएं ही पहुंच सकी हैं?

मैं पहली महिला ट्रस्टी नहीं हूं...

लेकिन आप अफ्रीका से हैं!

हाँ, अफ्रीका से, और भारतीय मूल की पहली महिला! (मुस्कुराती हैं)।

तो क्या वह यात्रा कठिन रही ?

ईमानदारी से कहूँ तो, नहीं, हालांकि मैंने बहुत मेहनत की है, लेकिन मैंने जो किया उसका इतना आनंद उठाया है कि यह मुझे जरा भी परेशानी नहीं हुई। मैंने क्लब और मंडल के सभी क्षेत्रों में भाग लिया है। मुझे एक समिति में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था और शायद उन्हें लगा कि मुझमें कुछ काबलियत है। मुझे नहीं पता कि मेरा चयन किस आधार पर हुआ है ... लेकिन हां, मैं रोटरी में बहुत सक्रिय रही हूँ ।

रशीदा भगत

दूसरी बात यह है कि मैं लोगों को 'ना' कहने में असमर्थ हूं, इसलिए हमेशा मेरी कोशिश रहती है कि मेरी जब भी ज़रुरत हो तो मैं वहां मौजूद रहूँ।

रोटरी में महिलाओं के भविष्यके सम्बन्ध में आप के विचार?

ओह, यह अद्भुत होगा, क्योंकि यहां हमारे लिए हर दरवाजा खुला है। हम उद्देश्यपूर्ण और सोचे समझे तरीके से प्रयास कर रहे हैं कि एक पुरुष और महिला के बीच अंतर की अदृश्य दीवार गिर जाये, रोटरी में महिलाओं के लिए हर अवसर उपलब्ध हो। और विविधता, समानता और समावेश हमारे फोकस का एक प्रमुख हिस्सा होने के साथ, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इसमें हर कोई शामिल हो।

यूं तो महिलाओं को पारंपरिक कार्यवाहक और देखभाल करने वालों के रूप में जाना जाता है और कॉर्पोरेट जगत में, महिलाएं उच्च पदों पर पहुँच रही हैं। और अब आगामी अध्यक्ष जेनिफर जोन्स के साथ, कोई अंतर, कोई सीमा नहीं होगी, सब कुछ योग्यता और परिणाम पर निर्भर करेगा।

क्या आप शीर्ष पद पर पहुँचने की इच्छा रखती हैं?

(हंसते हुए) कोई मौका नहीं! क्योंकि अध्यक्ष बनने का मार्ग के अनुसार पहले आपको निदेशक बनना आवश्यक है, ये एक निर्वाचित पद है और मुझे चुनाव जरा भी पसंद नहीं, क्योंकि कोई व्यक्ति विशेष हमेशा जीतता है और कोई हमेशा हारता है।

इसका मतलब है कि आपने कभी चुनाव नहीं लड़ा, डीजी बनने के लिए भी नहीं ?

कभी नहीं; मुझे सर्वसम्मति से डीजी बनाया गया था; मैंने चुनाव नहीं लड़ा।

रोटरी के बारे में आपको सबसे ज्यादा क्या पसंद है?

हर शाम मैं बहुत चैन से सोती हूं क्योंकि मैं जानती हूँ कि मैंने एक ज़िंदगी को छुआ है, भले ही वह किसी के चेहरे पर मुस्कराहट लाने के लिए ही क्यों ना हो। या किसी बुजुर्ग व्यक्ति को एक कदम नीचे उतरने में मदद के लिए ही सही। सच कहूं, जब मदद के लिए किसी की तरफ हाथ बढ़ाती हूं तो मुझे तो लगता है कि किसी को ऊपर उठाने के लिए मैं नीचे झुक रही हूं। यही रोटरी का जादू है।

आप रोटरी का भविष्य कैसे देखती हैं? सदस्यता इतने लंबे समय सेएक जगह टिकी हुई है; इस समस्या के समाधान के सम्बन्ध में लिए रोटरी कुछ कर रही है?

शायद उतनी तेजी से नहीं, लेकिन यह बदल ज़रूर रही है और रोटरी आदत डाल रहा है और सदस्यता पर ध्यान केंद्रित कर रही है इसलिए नहीं कि क्योंकि रोटरी को बड़ी सदस्य संख्या से कुछ विशेष हासिल होगा। बल्कि इसलिए कि आज दुनिया में रोटरी की प्रासंगीकता बहुत अधिक है, जहां इतना संघर्ष और टकराव है, संसाधनों की कमी है, आदि। जैसा कि गांधीजी ने कहा था कि इस दुनिया में हर किसी की जरूरत के लिए पर्याप्त है लेकिन लालच के लिए काफी नहीं है। इसलिए अगर हम अपना लालच थोड़ा कम कर दें, तो इसे एक समान दुनिया बनाने के लिए में सब के लिए पर्याप्त है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

दिल्ली म्यूनिसपल स्कूलों के लिए रोटरी उपहार

टीम रोटरी न्यूज़

DG अशोक कंटूर एक छात्रा को टेबलेट देते हुए।

रोटरी क्लब दिल्ली लुटियंस, रो ई मंडल 3011, ने ₹9 लाख की लागत से दिल्ली में पांच म्यूनिसपल स्कूलों के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया। क्लब ने स्कूलों को पांच वाटर कूलर और 100 डेस्क वितरित करके नए रोटरी वर्ष की शुरुआत की। 400 बच्चों को लंच बॉक्स वितरित किए गए। DG अशोक कंटूर ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए निगम उपायुक्त दानिश अशरा और दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर वी के सक्सेना की उपस्थिति में 27 वंचित विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किए। ■

लक्ष्य से कुछ पल

अध्यक्ष जेनिफर जोन्स के साथ

रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स पालकी पर बैठी हुयी।

***बाएं से:** लक्ष्य संयोजक RID वेंकटेश, सह-अध्यक्ष PDG ISAK नज़र, अध्यक्ष जोन्स, सह-संयोजक RID महेश कोटबागी और अध्यक्ष PDG आशीष अजमेरा।*

***बाएं से:** डीजी गण अशोक कंटूर (3011), जिनेंद्र जैन (3040) और डॉ ललित खन्ना (3012) पुणे में लक्ष्य में फ्लैग मार्च के दौरान।*

RID वेंकटेश और विनीता, रो ई अध्यक्ष जोन्स और उनके पति डीजीएन डॉ निक क्रेयासिच के साथ।

ऊपर: RID वेंकटेश और विनीता द्वारा PRIP शेखर मेहता का अभिवादन।

नीचे: पीडीजी नज़र और टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या।

DGN क्रायसिच और अध्यक्ष जोन्स।

RIDE अनिरुद्ध रॉय चौधरी (बाएं से दूसरे) को पीडीजी अजमेरा ने (बाएं से) RID कोटबागी, RIDE टी एन सुब्रमण्यम और RID वेंकटेश की उपस्थिति में सम्मानित किया।

अध्यक्ष जोन्स और DGN क्रेयासिच की पुणे में मराठी परंपरा अनुसार शादी की गयी। चित्र में विनीता वेंकटेश, अमीता कोटबागी, डॉ हेमा (DG अनिल परमार की पत्नी) और PDG रश्मि कुलकर्णी भी शामिल हैं।

PDG अजमेरा ने RIDs कोटबागी और वेंकटेश, और टीआरएफ ट्रस्टी पांड्या की उपस्थिति में PRIP मेहता का स्वागत किया।

ऊपरः अध्यक्ष जोन्स के साथ RID कोटबागी, अमीता, और RID वेंकटेश और विनीता।

दाएंः (बाएं से) हेमा परमार, अमीता और PDG बीना देसाई, अध्यक्ष जोन्स के साथ। चित्र में RIDs वेंकटेश और कोटबागी शामिल हैं।

नीचेः महिला शक्ति (बाएं से): DGEs स्वाति हेर्कल (3132), आनंदा जोती (3000), आशा वेणुगोपाल (3030), रितु ग्रोवर (3040), मंजू फड़के (3131), बी सी गीता (3182) और जयश्री मोहंती (3262)।

RID वेंकटेश, PRID कमल सांघवी और PDG नज़र के साथ।

चित्र: रशीद भगत

कृष्णप्रतीश एस द्वारा रूपरेखा

गुरुकुल को मिली रोटरी की WinS सुविधा

जयश्री

एक लड़की को शिक्षित करने का मतलब है एक पूरे गांव को शिक्षित करना। आप इस दूरदराज के गांव में लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करके एक महान सेवा कर रहे है, रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने एक स्कूल में पानी की टंकी और शौचालय ब्लॉक का उद्घाटन करने के बाद रोटरी क्लब संबलपुर सेंट्रल, रो ई मंडल 3261, के सदस्यों से कहा। ''अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करें जिन्हें प्राप्त करना आसान हो और आप बड़े समुदायों को लाभान्वित करने वाली अधिक सार्थक परियोजनाओं को निष्पादित कर सकते है। परियोजनाओं को तैयार करते वक्त समुदायों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करें,'' उन्होंने कहा।

नवप्रभात कन्या गुरुकुल उड़ीसा के संबलपुर से 140 किमी दूर नुआपाली गांव में स्थित लड़कियों का एक स्कूल है। क्लब ने इस स्कूल में 10 शौचालय और बाथरूम, सामूहिक हैंडवॉश स्टेशन और एक विशेष MHM कमरा, जिसमें एक भस्मक, एक सैनिटरी पैड डिस्पेंसर और एक पलंग शामिल है, का निर्माण किया है और 100,000 लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी का भी निर्माण किया है जो स्कूल की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ पूरे गांव की जरूरत पूरा करेगी। इस क्षेत्र में बिजली कनेक्शन खराब होने के कारण स्कूल परिसर में एक सौर पैनल भी स्थापित किया गया है। रोटरी क्लब कील ईडेर, रो ई मंडल 1890, जर्मनी, अंतरराष्ट्रीय भागीदार है।

गांव और उसके आसपास का इलाका कभी नक्सलियों से ग्रसित था। इस क्षेत्र में अभी भी बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं जैसे घरों में शौचालयों का अभाव है। ''हम मुश्किल से पानी पी पाते हैं,'' छात्राओं में से एक छात्रा कहती है। ग्रामीण अब स्कूल में शौचालयों और धुलाई की सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते है, क्लब के परियोजना संपर्क प्रदीप लाठ कहते है।

रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने (बाएं से) परियोजना संपर्क प्रदीप के लाठ, डीजी सुनील फाटक, पीडीजी दीपक मेहता और शशि वरवंडकर, रोटरी क्लब संबलपुर मिलेनियम के सदस्य सुबोध टोली और रोटरी क्लब संबलपुर के निर्वाचित अध्यक्ष रंजीत सिंह हुरा की उपस्थिति में पानी की टंकी का उद्घाटन किया। जर्मनी के रोटरी क्लब कील ईडर के अध्यक्ष डिर्क एक्सल कोच को दाएं से तीसरे स्थान पर देखा जाता है।

नवप्रभात कन्या गुरुकुल में WinS सुविधाओं का उद्घाटन करने के बाद डीजी फाटक, गुरुकुल प्रमुख भगबंददेव आचार्य और छात्रों के साथ रो ई निदेशक वेंकटेश। इसके अलावा उपस्थित: डीजीएनडी अखिल मिश्रा (बाएं से दूसरे), पीडीजी हरजीत सिंह हुरा (बाएं से पांचवे) और जर्मन रोटेरियन।

105 एकड़ में फैले गुरुकुल का प्रबंधन भगबानदेव आचार्य के नेतृत्व में एक न्यास द्वारा किया जाता है जिन्होंने शुरुआत में वर्ष 2000 में लड़कों के लिए एक आवासीय स्कूल स्थापित किया था। छात्राओं को 12 साल बाद डे स्कॉलर के रूप में प्रवेश दिया गया था। छात्रों की शिक्षा परोपकारी लोगों के योगदान के माध्यम से वित्त पोषित की जाती है। हर साल 15 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। स्कूल कक्षा 6 से स्नातक तक की शिक्षा प्रदान करता है जिसमें संस्कृत शिक्षा का माध्यम होती है।

''पिछले पांच वर्षों से हमारे छात्रों ने बी ए धारा में स्वर्ण पदक जीते है और हमारे कक्षा 10 के छात्र हर साल राज्य में अव्वल आते है। आठ छात्र पीएचडी कर रहे है,'' आचार्य मुस्कुराते है।

लड़कियों के स्कूल को हाल ही में जोड़ा गया, जिसकी शुरुआत 2018 में अपने जर्मन परिचितों की मदद से की गई थी, जिनसे वह मेरठ में आश्रम के मुख्यालय में मिले थे। उनकी स्कूल में रुचि थी और वे कई बार हमसे मिलने यहां आए। एक जर्मन लड़की को दो साल पहले हमारे स्कूल में नामांकित किया गया था, लेकिन कोविड के कारण उसे छोड़कर जाना पड़ा, वह कहते है। रोटरी के साथ उनका जुड़ाव तब शुरू हुआ जब उन्होंने दिल्ली से एक उड़ान पर रोटरी क्लब संबलपुर के अध्यक्ष रंजीत सिंह हुरा से मुलाकात की। ''मैंने उन्हें लड़कियों के स्कूल के निर्माण और जर्मन कनेक्शन के बारे में जानकारी दी, और उन्होंने बुनियादी ढांचे के साथ हमारी मदद करने का आश्वासन दिया।'' जब हुरा ने मंडल में यह विचार रखा, रोटरी क्लब संबलपुर सेंट्रल ने अपना समर्थन दिया।

अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करें जिन्हें प्राप्त करना आसान हो और आप बड़े समुदायों को लाभान्वित करने वाली अधिक सार्थक परियोजनाओं को निष्पादित कर सकते है।

ए एस वेंकटेश, रो ई निदेशक

वर्तमान में यहां 100 लड़के और 30 लड़कियां पढ़ रही हैं। ''बेहतर सुविधाओं के साथ, हम इस साल अधिक लड़कियों को नामांकित करेंगे,'' वह कहते है।

लाठ इस परियोजना के पूरा होने का श्रेय DRFC दीपक मेहता, PDG शंभू जगतरम्बिका और तत्कालीन DG एफ सी मोहांटी को देते है। ''हमने 2020 में वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया था और हमारा आवेदन अस्वीकार कर दिया गया था क्योंकि 'प्रशिक्षण' का हिस्सा गायब था। फिर कोविड की दूसरी लहर आई और चिकित्सा सहायता हेतु अनुदान स्वीकृतियों को प्राथमिकता दी गई,'' वह कहते हैं। अंततः मई 2021 में अनुदान स्वीकृत किया गया। मेहता मुस्कुराते हुए कहते है, ''हम सभी खुश थे क्योंकि यह पिछले 15 वर्षों में हमारा पहला वैश्विक अनुदान है।''

परियोजना की कुल लागत 81,000 डॉलर थी, जिसमें से जर्मन क्लब ने 41,000 डॉलर का योगदान दिया और रो ई मंडल 1890 ने अपने ऊऊऋ से 21,000 डॉलर का दान दिया।

''हमारा क्लब शुरू से ही इस परियोजना का समर्थन करने के लिए उत्सुक था,'' रोटरी क्लब कील-ईडर के अध्यक्ष डिर्क एक्सल कोच कहते है। वह, अपने क्लब के तीन सदस्यों के साथ, उद्घाटन के लिए नुआपाली में उपस्थित थे, और उन्हें स्कूल में अपनापन महसूस हुआ। ''मैं कई बार यहां आया हूं और इस परियोजना के लिए नियमित रूप से आचार्य के साथ संपर्क में रहा हूं। बच्चों को वैदिक परंपराओं को आत्मसात करते हुए देखना खुशी की बात है,'' कोच मुस्कुराते हुए कहते है।

''हम रोटरी इंडिया के साथ इस परियोजना पर काम करने को लेकर बहुत खुश है और अब इसकी सफलता का साक्षी होने पर प्रसन्नता हो रही है। लड़कियों से मैं कहना चाहूँगी कि दुनिया में बाहर जाएं, और इसे बेहतर बनाएं,'' जर्मन क्लब की एक सदस्य बेट्टीना फ्रैंक ने उद्घाटन समारोह में मौजूद लड़कियों के समूह के लिए कहा।

चित्र: जयश्री

सरकारी स्कूल के बच्चे रोबोटिक्स सीखते है

किरण ज़ेहरा

पुणे के पास स्थित लोनीकंद में जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय के सभागार के अंदर, छोटे रोबोट बाधाओं के चारों ओर अभ्यास करते है, एक छोटे रैंप पर ऊपर-नीचे चलते है और छोटे रिंगों में गेंदों को फेंकते है। ये प्रदर्शन एक रोबोटिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। बच्चे विशिष्ट कार्य कर सकने वाले रोबोट बनाने के लिए कोडिंग, IoT, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और STEAM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, कला और गणित) सीखेंगे। परियोजना समन्वयक दीपक महाजन कहते है, रोटरी क्लब पुणे सिन्हागढ़, रो ई मंडल 3131, के प्रयासों की वजह से ''ये बच्चे आने वाले कल के कौशल सीखेंगे।''

वह बताते है कि ''ये बच्चे एक साल में दो यूनिफ़ॉर्म का खर्च भी मुश्किल से वहन कर पाते है। उनमें से कुछ के घर में तो बिजली तक भी नहीं है। लेकिन उनके पास सपने है और कुछ नया सीखने का दृढ़ संकल्प है।'' इस क्षेत्र में उनकी रुचि को पोषित करते हुए, यह कार्यक्रम उन्हें टीम वर्क, सामुदायिक साझेदारी और संचार जैसे अन्य महत्वपूर्ण कौशल सीखने में हमारी मदद करेगा, वह आगे कहते है।

एक गैर-लाभकारी संगठन रोबॉटेक्स इंडिया, जो शहरी, आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में रोबोटिक्स और STEAM शिक्षा लेकर आता है, के सहयोग से क्लब ने स्कूल में एक रोबोटिक्स STEAM लैब शुरू की। पुणे की एक प्रबंधन परामर्श और प्रौद्योगिकी फर्म ZS एसोसियट्स के साथ एक CSR साझेदारी ने ₹25 लाख की परियोजना लागत को कवर करने में मदद की। इस कार्यक्रम से 1,500 बच्चे लाभान्वित होंगे।

कक्षा 5 की एक छात्रा, जोथी और उसकी रोबोटिक्स कार्यशाला साथी रेखा अपने रोबोट से गेंद उठवाने के लिए कोड डिजाइन करना सीख रही है। रेखा कहती है, ''हम एक ऐसा रोबोट बनाना चाहते है जो हमारे गांव के लिए पानी ले जा सके।'' जोथी एक ऐसा रोबोट बनाना चाहती है ''जो मेरा स्कूल बैग उठा सकें।'' प्रशिक्षण के बाद, इन बच्चों के पास मंडल और राज्य स्तरीय रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर भी होगा। महाजन कहते है,

पुणे के पास लोनीकंद जिला परिषद स्कूल में रोबोट पर काम कर रही छात्राएं।

***बाएं से:** ZS एसोसिएट्स की प्रतिनिधि अनया पाटिल; रोबोटेक्स इंडिया की निदेशक पायल राजपाल; आयुष प्रसाद, सीईओ, पुणे जिला परिषद, और आरटीएन दीपक महाजन, परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर स्कूल के अधिकारियों और छात्रों के साथ।*

उनमें से कुछ रोबोटेक्स इंटरनेशनल वर्ल्ड ओलंपियाड में भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते है।

इस पहल के तहत बच्चों को LMS (परियोजना-आधारित मिश्रण जैसे रोबोट को चलाने वाले सॉफ्टवेयर, विज्ञान उपकरण और कैलकुलेटर) कार्यपुस्तिकाएं, वर्कशीट, वीडियो सामग्री, रोबोटिक प्रोटोटाइप का प्रदर्शन करने वाले लाइव और रिकॉर्ड किए गए सत्र, भौतिक कंप्यूटिंग पर आधारित हार्डवेयर दिए जाते है, जिनके बाद मूल्यांकन किया जाता है। रोबोटेक्स इंडिया की निदेशक और रोटरी क्लब पुणे सेंट्रल की सदस्य पायल राजपाल का कहना है कि इस कार्यक्रम से बच्चों में STEAM क्षेत्रों को लेकर जागरूकता, रुचि और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

यह याद करते हुए कि कैसे रोबॉटेक्स, जो पहले निजी स्कूलों तक सीमित था, ने वंचित छात्रों के लिए अपने कार्यक्रम का विस्तार किया, पायल कहती है कि 2018 में अहमदाबाद में एक रोबोटिक्स कार्यक्रम में, ''एक ग्रामीण लड़का मेरे पास आया और बोला कि क्या वह अपने पिता की खेत जोतने में मदद करने वाले एक रोबोट का प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी के बजाय गुजराती में बात कर सकता है।'' उसके आत्मविश्वास से चकित होकर उन्होंने उस लड़के से पूछा कि उसे रोबोट कैसे मिला और उसने इसकी कोडिंग कैसे की। उसकी माँ जहां घरेलू सहायता का काम करती थी उस परिवार ने उस लड़के को एक खिलौने वाली नांव दी थी। अपनी मां के नियोक्ता के घर पर वाईफाई कनेक्शन की मदद से उसने खेत में हल जोतने वाले रोबोट को कोड करना सीखा। ''यह देखना दिलचस्प था कि उसका रोबोट क्या कर सकता है। उसने उन बच्चों का प्रतिनिधित्व किया जो हमारे जैसे कार्यक्रम के साथ चमत्कार कर सकते है और इस तरह ग्रामीण भारत के लिए रोबोटेक्स का जन्म हुआ।''

> **ये बच्चे एक साल में दो यूनिफ़ॉर्म का खर्च भी मुश्किल से वहन कर पाते है। उनमें से कुछ के घर में तो बिजली तक भी नहीं है। लेकिन उनके पास सपने है और कुछ नया सीखने का दृढ़ संकल्प है।**
>
> **दीपक महाजन**
> परियोजना समन्वयक

आज इस कार्यक्रम ने पूरे भारत में 20,000 से अधिक सरकारी स्कूलों के बच्चों को प्रशिक्षित किया है। पायल के क्लब ने पुणे में जिला परिषद स्कूल में रोबोटेक्स इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। वह कहती है कि रोटरी की मदद से ''हम अधिक बच्चों को रोबोटिक्स सिखा सकते है। यह एक दीर्घकालिक जुड़ाव की शुरुआत है जो पूरे भारत में बच्चों के जीवन में सुधार लाकर उन्हें भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करेगा।''

कॉलेज की डिग्री और कौशल विकास के बीच पृथक्करण को संबोधित करते हुए वह कहती है, ''बच्चों को स्कूल भेजने का अर्थ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं है। लेकिन रोबोटिक्स के माध्यम से AI और STEAM शिक्षा को लाने से कक्षा से प्रौद्योगिकी का जुड़ाव होगा और सीखने की प्रक्रिया की प्रभावशीलता में भी वृद्धि होगी।''

रोबॉटेक्स इंडिया द्वारा पुणे में हैकाथॉन नामक आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न जिला परिषद स्कूलों के छात्रों ने पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए रोबोटिक्स और कोडिंग समाधानों पर विचार किया। ''समुद्र तट की सफाई करने वाले बॉट्स से लेकर सौर-संचालित वाहनों तक छात्रों ने हमें अपनी अभिनव परियोजनाओं से मंत्रमुग्ध कर दिया,'' वह मुस्कुराते हुए आगे कहती है कि ''परिभाषाओं और सूत्रों को रटने के बजाय छात्र इस कार्यक्रम में व्यावहारिक दृष्टिकोण के माध्यम से सीखते है जिससे उन्हें मुख्य अवधारणाओं को समझने में इतनी मदद मिलती है जिसे वे कभी भूल नहीं पाएंगे और इसे वे वास्तविक दुनिया के मुद्दों को हल करने के लिए लागू कर सकते है।'' ■

युवा करूर व्यापारियों, पेशेवरों ने की रोटरेक्ट रैंकों में वृद्धि

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी के युवा आंदोलन के तहत, जहाँ रोटरेक्ट जुलाई 2022 से अनिवार्य हो चुके रो ई शुल्क को देने के लिए मशक्कत कर रहे है, वहीं दूसरी ओर रो ई मंडल 3000 का एक क्लब RAC करूर है, जिसके सदस्यों में व्यापारी और पेशेवर शामिल है, जो अपने क्लब सदस्यता शुल्क को ₹3,000 तक बढ़ाने के लिए ₹1,000 का प्रति व्यक्ति अतिरिक्त भुगतान करने के लिए तैयार है, ताकि यह रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के मौद्रिक दायित्वों का ख्याल रख सके।

इस रोटरेक्ट क्लब में एक भी छात्र, शिक्षक या डॉक्टर नहीं है। चौकिए मत क्योंकि यह तमिलनाडु के कपड़ा शहर, करूर, के व्यापारियों और व्यवसायियों के हितों को पूरा करने वाला एक समुदाय-आधारित क्लब है। ''हमारे पास कुल 36 सक्रिय सदस्य है जो आभूषण, कपड़ा, वित्त, प्रशिक्षण अकादमियों, आर्किटेक्ट और इंजीनियरों जैसे विविध व्यापार से जुड़े है। वे सभी सफल व्यापारी है, दूसरी और तीसरी पीढ़ी के उद्यमी है जो अपने परिवारों की विरासत को आगे बढ़ाते है,'' RAC करूर, रो ई मंडल 3000, के पूर्व अध्यक्ष आर सबरीश कहते है।

हाल ही में उन्होंने एक रक्तदान ऐप, R4Blood, लॉन्च किया है जिसे प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इस साइट पर दाताओं, सरकारी और निजी अस्पतालों और करूर एवं उसके आसपास प्रदान की जाने वाली अनेक महत्वपूर्ण देखभाल सेवाओं की सूची है। रोटरेकटर आर जीवननाथन द्वारा विकसित यह ऐप रक्त की आवश्यकता वाले रोगियों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है और रोटरी एवं रोटरेक्ट क्लबों के समर्थन से इस ई-मंच को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाया जा सकता है, वह बताते है। इस मोबाइल ऐप को डिजाइन करने के लिए सदस्यों द्वारा 1.2 लाख की राशि एकत्रित की गई थी।

प्रोजेक्ट कर्णा जो रोटरेक्ट सप्ताह के दौरान 8 मार्च को शुरू हुआ, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए सरकारी स्कूल के वंचित छात्रों को नि:शुल्क NEET कोचिंग प्रदान करता है। ''हमने डॉक्टर बनने के इच्छुक 200 विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं आयोजित करने हेतु एक कोचिंग सेंटर ग्रेविटन्स के साथ हाथ मिलाया है।''

पूरे राज्य में युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए साल भर में कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। दिसंबर 2020 में एक राज्य स्तरीय कैरम टूर्नामेंट में 250 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया और पुरुषों, महिलाओं एवं युगल वर्गों के विजेताओं को कुल ₹50,000 की पुरस्कार राशि मिली। मार्च 2021 में, राज्य भर से 46 टीमों ने खुली फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया और विजेताओं को ₹70,000 की पुरस्कार राशि दी गई। ''हमने फुटबॉल मैचों से ₹3.5 लाख जुटाए और अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्र एन हरिहरन को उसकी कॉलेज फीस हेतु ₹50,000 दान दिए। अब वह सलेम के सरकारी अस्पताल में डॉक्टर है।''

करूर की मेयर कविता गणेशन तमिलनाडु की शीर्ष 10 टीमों के लिए तीन दिवसीय वॉलीबॉल

RAC करूर आईपीपी पी सेल्वा कुमार ने लेमिनेटेड कर्णा पोस्टर ग्रेविटॉन्स के सीईओ परमेश्वरी को (बाएं से) प्रोजेक्ट चेयरमैन क्रिस मार्शल और क्लब के अध्यक्ष एन बरनीश की उपस्थिति में सौंपा।

पूर्व एजी वी सुंदरराजन, RID 3000, एक मेडिकल छात्र एन हरिहरन को '5 vs 5' फुटबॉल टूर्नामेंट के अंत में 50,000 का चेक प्रदान करता है।

प्रतियोगिता (15-17 जुलाई) को हरी झंडी दिखाएंगी जो तिरुवल्लूवर के नगर पालिका मैदान में दूधिया रोशनी में आयोजित की जाएगी। PRID सी भास्कर और करूर के अन्य प्रमुख रोटेरियन इस उद्घाटन सत्र में उपस्थित होंगे। समापन सत्र की अध्यक्षता जिला कलेक्टर प्रभु शंकर और बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी करेंगे।

हम एक-दूसरे के साथ संपर्क करके बड़े आयोजनों, सेवा परियोजनाओं और अन्य कार्यक्रमों के लिए आसानी से धन जुटा लेते है।

आर सबरीश
पूर्व अध्यक्ष, RAC करूर

कोई वित्तीय संकट नहीं

चूंकि अधिकांश रोटारेकटर व्यापारी और उद्यमी है, ''हम एक-दूसरे के साथ संपर्क करके बड़े आयोजनों, सेवा परियोजनाओं और अन्य कार्यक्रमों के लिए आसानी से धन जुटा लेते है। इसके अलावा, हमें प्रायोजक भी मिलते है क्योंकि हम व्यापार समुदाय का हिस्सा है,'' सबरीश समझाते है। जुलाई से प्रभावी नए रो ई शुल्क के बारे में पूछे जाने पर वह कहते है, ''सदस्यता शुल्क बिल्कुल भी समस्या नहीं है। कुछ रोटरेकटर रो ई के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता को पूरा करने हेतु अधिक क्लब शुल्क का भुगतान करने के लिए तैयार है। व्यापारी होने के नाते हम सम्पन्न है इसलिए हमारे कार्यक्रमों के लिए आसानी से संसाधन और धन जुटा सकते है।''

राज्य स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में पूर्व अध्यक्ष सबरीश (दाएं से दूसरे स्थान पर)।

बड़ी परियोजनाएं

एन बारानीश, वास्तुकार, ने नए क्लब अध्यक्ष (2022-23) के रूप में पदभार संभाला। कुछ ऐसी परियोजनाओं, जिनका प्रारूप तैयार किया जा रहा है, को सूचीबद्ध करते हुए वह कहते है, ''खेत के कचरे को चारकोल ब्रिकेट (WBC) में बदलने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो युवाओं के लिए हमारे कार्बन फुट्प्रिन्ट को कम करने का एक लाभदायक व्यवसाय मॉडल है।'' एक स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 3Rs (रीसायकल, रिडयूस और रियूस) पर सार्वजनिक अभियान की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी।

रोटरेकटरों की एक टीम छात्रों को कृषि का महत्व समझाने के लिए प्रोजेक्ट एग्री स्कूल के तहत स्कूलों का दौरा करेगी ताकि वे बीज से थाली तक की खाद्य श्रृंखला के मूल्य को समझ सकें और फसलों को उगाना सीख सके। परियोजना RHAC (रोटरेक्ट हेल्थ अवेयरनेस एंड कंसल्टिंग) के तहत सेवा करने वाले डॉक्टरों की एक टीम को इस रोटरेक्ट कार्यक्रम के तहत पंजीकरण कराने वाले गरीब परिवारों को परामर्श प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

करूर के पास 18 क्लबों (पांच समुदाय-आधारित और 13 संस्थान-आधारित) में 1,500 से अधिक रोटरेकटर है, लेकिन उनमें से 85 प्रतिशत ने अभी भी माय रोटरी पोर्टल पर खुद को पंजीकृत नहीं किया है जो एक अनिवार्य आवश्यकता है।■

असम में बाढ़ पीड़ितों तक पहुँचे रोटरेकटर

जयश्री

जून में असम में हुई भारी बारिश ने 27 जिलों के 2,900 गांवों के 50 लाख लोगों पर कहर बरपाया था, जिसके परिणामस्वरूप जान-माल को भारी नुकसान पहुँचा। सिलचर में रहने वाले रो ई मंडल 3240 के मंडल रोटरेक्ट प्रतिनिधि (DRR) राजर्षि सिन्हा ने व्हाट्सएप पर अपने जलमग्न घर और सड़क का एक वीडियो साझा किया और मैंने तुरंत उनसे संपर्क किया। उनसे हुई बातचीत से राज्य की विकट परिस्थिति का पता चला। सिलचर सबसे अधिक प्रभावित शहरों में से एक था और बराक एवं बेकली नदियों के तटबंधों के टूटने से स्थिति और खराब हो गई थी।

RAC हैलाकांडी के सदस्यों ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री।

"दो दिनों (18-19 जून) तक लगातार बारिश हुई; नदी-नाले उफान पर थे जिससे शहर में बाढ़ आ गई। जैसे-जैसे पानी का स्तर बढ़ने लगा हम पहली मंजिल पर चले गए। 10 दिनों से वहाँ बिजली और पेयजल नहीं था," सिन्हा ने कहा और तुरंत ही मच्छरों को दूर रखने की दवा, पानी, दूध पाउडर, सैनिटरी नैपकिन और कंबल जैसे आपातकालीन वस्तुओं की एक सूची साझा की जो राहत पहुंचाने हेतु तत्काल आवश्यक थे।

सड़कों और बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए थे, जिससे शहरों के बीच संपर्क टूट चुका था। बाढ़ के दौरान अपने पति को खोने वाली शीलू रानी दास टूट गई। "यह त्रासदी हमेशा के लिए मेरी स्मृति में अंकित हो जाएगी। हर बार जब भी बाढ़ आएगी तो मुझे याद आएगा कि मैंने अपने पति की जान बचाने के लिए कितना संघर्ष किया," वह रोने लगी। वह पिछले एक साल से कैंसर से पीड़ित थे और बिस्तर पर ही थे। "हो सकता है कि अगर हम उन्हें अस्पताल ले जा पाते तो वो आज जिंदा होते। हम उनके शव को केले के तने से बनी एक नौका पर अंतिम संस्कार हेतु लेकर गए।"

सिन्हा ने एक महिला का दिल दहला देने वाला किस्सा सुनाया जो अपने अत्यधिक बीमार बच्चे के लिए नाव की भीख मांग रही थी, और कैसे लोग पीने का पानी प्राप्त करने की जद्दोजहद कर रहे थे। "हमारे पास बाढ़ का पानी पीने के अलावा कोई विकल्प नहीं था और मैंने उसी गंदे पानी का उपयोग करके जो कुछ भी मेरे पास था उससे खाना पकाया," उन्होंने

उन गांवों में से एक की महिला को उद्धृत करते हुए कहा जहाँ क्लब ने राहत सामग्री वितरित करने हेतु दौरा किया था। ''और वहाँ एक नौका पर एक आदमी पके हुए कटहल ले जा रहा था, यह कहते हुए कि वह, उसके बच्चे और उसकी गाय उन्हें खाकर तब तक जीवित रह सकेंगे जब तक कि उन्हें कुछ भोजन नहीं मिल जाता।'' सिलचर में 500 से अधिक राहत शिविरों में एक लाख से अधिक लोगों को आश्रय दिया गया था।

मंडल के रोटरेक्ट क्लब बारिश थमते ही त्वरित रूप से मदद के लिए निकाल पड़े, और पूरे राज्य के बाढ़ प्रभावित लोगों तक पहुंचने के लिए पीने के पानी की बोतलें, खाद्य सामग्री और अन्य राहत सामग्री एकत्र की। रोटरेकटरों ने पूरे देश से सोशल मीडिया पर मदद मांगी।

क्लब के सदस्यों रोटेरियनों/रोटरेकटरों बिकाश मोजुमदार, शुभम बनिक, रूपक कुमार दास, पंकज कांति सिन्हा और डॉ समुज्जवल के साथ DRR ने पीने के पानी की बोतलें, मोमबत्तियां, बिस्किट के पैकेट और पका हुआ भोजन, और शहर के निचले इलाकों जैसे सिंगारी बस्ती और न्यू भकतपुर में 250 से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए बांस की नौका पर सवारी की। पंकज सिन्हा हर रात आवारा गायों और कुत्तों को खिलाने के लिए रेलवे स्टेशन जाते थे।

RAC हैलाकांडी ने अपने अध्यक्ष कौशिक चक्रवर्ती के नेतृत्व में 500 बाढ़ प्रभावित परिवारों को पीने का पानी और किराने का सामान वितरित किया। उन्होंने कहा, कई स्थानों पर भोजन के पैकेट और पानी पहुंचाने के लिए हमें छाती तक गहरे पानी से गुजरना पड़ा, आगे कहते हुए कि अगरतला के 14 छात्र बाढ़ के कारण सिलचर में फंसे हुए थे। ''हमने उन्हें एक सप्ताह के लिए भोजन और आवास देकर मदद की और उन्हें अपने गृहनगर के लिए ट्रेन में चढ़ने में मदद की।''

RAC सिलचर रॉयल्स के रोटरेकटरों ने स्थिति का आँकलन करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य आपदा बचाव बल (NDRF और SDRF) के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने राहत शिविरों में लोगों को सैनिटरी नैपकिन और व्यक्तिगत स्वच्छता सामग्री के 100 पैकेट, 8,000 लीटर पीने का पानी, बिस्किट, दूध के डिब्बे, मच्छर को दूर रखने वाली दवाएं, मोमबत्तियां और किराने की चीजें वितरित कीं। ''हमने शहर भर में कम से कम 1,000 परिवारों की मदद की। लोगों को अपना सामान खोते और बाढ़ में फंसे देखना निराशाजनक था,'' क्लब के अध्यक्ष अनिमेश पॉल ने कहा और उदार जनता एवं अन्य गैर-सरकारी संगठनों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने इस पहल में हमारा साथ दिया।■

पटना को मिला एक रोटरी आई हॉस्पिटल

टीम रोटरी न्यूज़

पटना में अस्पताल का उद्घाटन करते बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे। IPDG प्रतिम बेनर्जी दाएं से दूसरे स्थान पर मौजूद हैं।

रोटरी क्लब पाटलीपुत्र, रो ई मंडल 3250, ने रोटरी क्लब गिल्डफोर्ड, रो ई मंडल 1145 के सहयोग से, 94,000 डॉलर के वैश्विक अनुदान के साथ पटना में 'महावीर रोटरी पाटलीपुत्र नेत्र अस्पताल' की स्थापना की। यह अस्पताल एक फैको इमल्सीफिकेशन सिस्टम, एक स्कैन बायोमीटर, स्लिट लैंप, ऑटो केराटो रिफ्लेक्टर, ऑपरेशन माइक्रोस्कोप और अन्य हाई - टेक उपकरणों से लैस है।

इस अस्पताल का उद्घाटन बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने IPDG प्रतिम बनर्जी की मौजूदगी में किया।

यह वंचितों को मुफ्त सर्जिकल और गैर सर्जिकल सेवाएं प्रदान करेगा। रोटरी क्लब गरीब मरीजों को इलाज के लिए इस अस्पताल में भेज सकते हैं।

रोटरी क्लब पाटलीपुत्र ने पिछले दो वर्षों में ₹2.4 करोड़ की तीन जीजी परियोजनाओं को पहले ही पूरा कर लिया है। इनमें तीन डायलिसिस सेंटर (पटना में दो और मुजफ्फरपुर में एक) और सेल सेपरेटर सुविधा वाला एक ब्लड बैंक शामिल है। ■

ADVERTORIAL

Mega Project

कन्या श्री

Cycle Donation Drive

This Rotary year started with a befitting welcome to our first ever woman RI President in the history of Rotary, Jennifer Jones, by organizing ***Kanya Shree Mega Project in our district on 1st July, wherein 2100 cycles were presented to the needy and meritorious girl students in 19 cities.*** The donors were Rotarians and their friends and families. T***he Chief Guest of the inaugural program was Shri Pushkar Singh Dhami, Hon'ble CM of Uttarakhand.*** Smt. Hema Malini, Social Worker, Classical Dancer & Actress and Member of Parliament supported the project.

ADVT.

Lakshay

District Governor Rtn. Pawan Agarwal and First Lady Rtn. Prachi Agarwal attended the Goal Setting Seminar – Lakshay at Pune between 20th to 22nd July, 2022. The event was addressed by RI President Jennifer Jones and Past RI President, Shekhar Mehta.

District Governor Pawan Agarwal started this Rotary year with new vigour

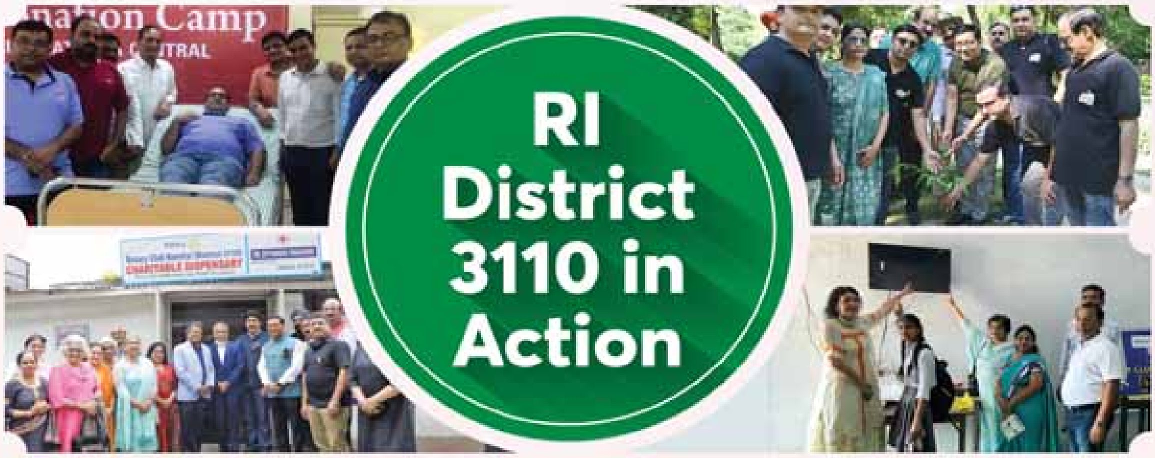

CSR Projects

RI District 3110 is pleased to announce the approval of 4 CSR projects of Rotary Club of Kashipur by Rotary Foundation (India) in the month of July, 2022. ***The total value of these projects is USD 275,000***.

These projects are being done in the area of "Basic Education & Literacy" and "Maternal & Child Health".

New Clubs: Four new clubs have been chartered so far, out of which one is ***"All-women-club"***

Endowment Funds

District has already created two ***Pooled Endowment Funds*** totalling ***USD 59,000***

This is the first time that our district has done any endowment.

Prachi & Pawan Agarwal
District Governor, RID 3110

Follow us: @Rotary3110

Rotary PEOPLE OF ACTION

हैप्पी हल्ली प्रोजेक्ट ने एक गांव की सूरत बदल दी

वी मुत्तुकुमारन

हालांकि रोटरी क्लब शहरों और प्रमुख कस्बोंमें सक्रिय हैं, लेकिन कर्नाटक के दूरदराज के गांवों में ज़्यादा कुछ नहीं किया जा रहा है जहां आजीविका के लिए एक तस्सलीबख्श पारिस्थितिकी तंत्र शायद ही नज़र आये। ''मैंने हमेशा से महसूस किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों को ज़रा सा हिस्सा मिल रहा है क्योंकि विकास के सभी कार्य शहरों के समूह में केंद्रित हैं। लेकिन छोटे मोटे कार्य कुछ गांवों के लिए काफी नहीं है। हमारा प्रोजेक्ट हैप्पी हल्ली (कन्नड़ का एक गांव) इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि कार्यक्रमों की निरंतर श्रृंखला और बुनियादी ढांचे का निर्माण कर गांवों का एकीकृत विकास किया जाए ताकि यहां के ग्रामीण लोग हमेशा खुशहाल जीवन व्यतीत करें,'' रोटरी क्लब बैंगलोर मिडटाउन, RID 3190 से अध्यक्ष, टी श्रीकांत भागवत कहते हैं।

हैप्पी हल्ली के पहले चरण में, इस क्लब ने रामकृष्ण मिशन और राज्य सरकार के ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये ताकि शिवनहल्ली गांव, अनेकल तालुक (बेंगलुरु ग्रामीण) के लोगों के लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जा सके। मिशन द्वारा चलाए जा रहे एक प्राथमिक विद्यालय, श्री शारदा देवी विद्या केंद्र को सीबीएसई से मान्यता दी गई और उसे उच्च विद्यालय स्तर पर प्रोन्नत किया गया; और दो नए ब्लॉक भी बनाए गए, पहला इंफोसिस फाउंडेशन से सुधा मूर्ति द्वारा प्रायोजित और दूसरा रामकृष्ण भक्तों के योगदान और अन्य दान स्रोतों के माध्यम से।

''हमने बच्चों को उनके घर से इस स्कूल और वापस ले जाने के लिए दो 50-सीटर बसों (₹45 लाख) को हरी झंडी दिखाई। इस गांव की 20 किमी परिधि में कोई स्कूल नहीं है। भागवत कहते हैं, अब छात्र संख्या 300 से 800 तक जा सकती है,'' क्लब ने पुनर्निर्मित स्कूल में ₹30 लाख के प्रयोगशाला के उपकरण और बच्चों की पढ़ाई में सहायक ₹4 लाख के मोंटेसरी उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया है।

मिशन द्वारा संचालित एक स्वास्थ्य केंद्र में स्वयंसेवी डॉक्टर और नर्स केवल रविवार को ही आते थे जो ग्रामीणों की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त नहीं था। ''इसलिए हमने ऑक्सफोर्ड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, एटिबेले के साथ साझेदारी में ₹6.5 लाख का एक टेलीमेडिसिन क्लिनिक स्थापित किया। अब रोगी डॉक्टरों से प्रतिदिन टेली-परामर्श के माध्यम से इलाज करा सकते हैं साथ ही इसी क्लिनिक की सहायता से शिवनहल्ली और आसपास के गांवों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित करते हैं। रोगी के रिकॉर्ड रखने के लिए एक एनजीओ ने सॉफ्टवेयर यूसी (YouSee) दान दिया था।''

75,000 लीटर क्षमता का टैंक , 1400 ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाएगा। ''वर्तमान में हम एक केंद्र में महिलाओं को व्यावसायिक कौशल सिखा रहे हैं जैसे सिलाई प्रशिक्षण और उनके लिए थोक ऑर्डर भी प्राप्त कर रहे हैं, ज्यादातर ये ऑर्डर स्कूल यूनिफॉर्म के हैं, जिससे उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहती है। ठीक अभी, शिवनहल्ली में 10 महिलाएं दो स्कूलों के लिए वर्दी बना रही हैं जिसमें हमारे क्लब द्वारा चलाया जा रहा एक स्कूल भी शामिल है,'' क्लब सचिव नम्रता भाटिया कहती हैं। स्कूल और कॉलेज छोड़ चुके लोगों को रोटेरियन एफ आर सिंघवी ने अपनी संसेरा इंजीनियरिंग कंपनी के वोकेशनल सेंटर में सीएनसी मशीनों की सार संभाल के लिए प्रशिक्षण दिया और पूरा करने के बाद उन्हें रोजगार भी दिया गया।

प्रोजेक्ट हैप्पी हल्ली की शुरुआत को याद करते हुए, भागवत कहते हैं, ''शिवनहल्ली में 'आवश्यकताओं का आकलन' करने के लिए हमने समाजशास्त्रियों की एक टीम की सेवाएं ली थीं। उन्होंने जनसांख्यिकी, नागरिक सुविधाओं और आजीविका की जरूरतों पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की, जिन्हें रोटरी परियोजनाओं के माध्यम से पूरा किया जा सकता है।हालांकि परियोजना के पहले चरण की लागत ₹1 करोड़ की

RID 3190 के IPDG फज़लमहमूद (दूसरी पंक्ति, बाएं), रोटरी क्लब बैंगलोर मिडटाउन के सदस्यों के साथ।

कुल राशि ज्यादातर सदस्यों के योगदान द्वारा पूरी की जा रही है, आगामी 10 वर्षों में हम 100 गांवों में हैप्पी हल्ली दोहराने के लिए तैयार हैं।''

ई मानसी: मानसिक स्वास्थ्य

अपने पैतृक स्थान की यात्रा के दौरान, बाल्टीमोर, अमेरिका से RID 7130 की डीजी डॉ गीता जयराम ने देखा कि यहां के ग्रामीण, रोजमर्रा की तकलीफों से गुजरने के कारण मानसिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रस्त हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। रोटरी क्लब बैंगलोर मिडटाउन के सहयोग और सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मिली तकनीकी जानकारी की सहायता से उन्होंने 2001 में अनेकल तालुक के मुगलूर गांव में एक सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक, मानसी की स्थापना की थी। केंद्र को जॉन्स हॉपकिंस अस्पताल, बाल्टीमोर, अमेरिका के शोधकर्ताओं द्वारा भी परामर्श दिया जाता है। ''क्लिनिक में मानसिक रोगों के लगभग 1,200 रोगियों का इलाज किया जा रहा है। इलाज के दौरान अनुपालन और सहानुभूति सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता मरीजों के घर भी जाते हैं,'' परियोजना अध्यक्ष रमेश बुलचंदानी कहते हैं।

मानसी क्लिनिक की सफलता के बाद, पिछले साल उत्तरी बेंगलुरु के फ्रेज़र टाउन में क्लब द्वारा संचालित एचएसआईएस डिस्पेंसरी में इसकी पहली शाखा की स्थापना की गई थी। 2011 में, क्लब ने मानसी पर एक वृत्तचित्र बनाया था, जिसे रो इ बोर्ड और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ''मनोचिकित्सकों के सीमित संसाधनों के बावजूद न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से पीड़ित रोगियों के स्थायी उपचार के लिए महत्वपूर्ण पहुंच बढ़ाने के लिए उनकी प्रशंसा की गई।''

वर्तमान में क्लब ने मानसिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं के इलाज में वैश्विक स्तर और मानक प्रदान करने के लिए ₹80 लाख की लागत से एक सॉफ्टवेयर ई मानसी विकसित किया है। बुलचंदानी कहते हैं, ''दुनिया का कोई भी क्लब इस तकनीकी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके या तो निर्माण क्लिनिक का निर्माण कर प्रत्यक्षतः अथवा टेलीमेडिसिन के माध्यम से हमारी मानसिक स्वास्थ्य देखभाल परियोजना को दोहरा सकता है।''

मस्तिष्क स्वास्थ्य पहल

मस्तिष्क स्वास्थ्य कार्यशालाओं, योग शिविरों और अन्य विशेष कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए टीआरएफ डिनर में रो इ अध्यक्ष शेखर मेहता की उपस्थिति में क्लब और निम्हंस, बेंगलुरु के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो हमारे न्यूरोलॉजिकल (तंत्रिका संबंधी) रुग्णताओं के बारे में जागरूकता पैदा करेगा। ''मानसिक बीमारी का पता लगाने और उसका इलाज करने के लिए निम्हंस पीएचसी में कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर एक हब और स्पोक मॉडल विकसित करना चाहता है। हमारा ध्यान सुरक्षात्मक देखभाल पर रहेगा,'' भागवत कहते हैं। राज्य सरकार और नीति आयोग, योजना निकाय, ने इस पायलट परियोजना को सहयोग और समर्थन दिया है, जिसे दो स्थानों पर क्रियान्वित किया जाएगा - एक बेंगलुरु दक्षिण (शहरी) में और दूसरा चिक्कबल्लापुर जिले के एक गाँव में।

ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव, एक वर्षीय पायलट प्रोजेक्ट के रूप में, विशेष शिविरों के माध्यम से न्यूरोलॉजिकल लक्षणों वाले लोगों की पहचान करेगा। ''बाद में, हम उनके इलाज और पुनर्वास पर ध्यान देंगे।'' रोटरी मिडटाउन चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी और क्लब के कोषाध्यक्ष नदीम अहमद कहते हैं, जबकि एक स्थानीय एनजीओ MCKS, ₹40 लाख देगा, अन्य ₹10 लाख हमारे क्लब से दिए जाएंगे। ■

अपनी परियोजनाओं को रोटरी न्यूज़ में दिखाएं

रोटरी न्यूज़ हमारे सभी ज़ोनों के क्लबों की परियोजनाओं को दर्शाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए अपने समुदायों में लोगों की ज़िंदगियों को परिवर्तित करने के लिए आपके क्लबों/मंडलों द्वारा की गई सार्थक परियोजनाओं को हमारे साथ अवश्य साझा कीजिए। अपने क्लब से किसी ऐसे व्यक्ति की पहचान कीजिए जो आपके कार्यों की अच्छी रिपोर्ट तैयार कर सकें, और उस जानकारी को हमें अच्छी स्पष्ट तस्वीरों के साथ भेज सकें। यदि वे आपके सेल फोन कैमरे से भी खींची गई है, तो उन्हें *WhatsApp* पर भेजने के बजाय अपने फोन की गैलरी से सीधा ईमेल कीजिये क्योंकि *WhatsApp* तस्वीरों के आकार को छोटा करता है और इसलिए उनकी गुणवत्ता भी कम हो जाती है। आपकी परियोजना रिपोर्ट में क्या होना चाहिए उसके लिए यहाँ एक जांच-सूची है: परियोजना का विचार कैसे आया; जरूरत क्या थी; लागत क्या थी और धन कैसे इकट्ठा किया गया; चुनौतियाँ, निष्पादन और लाभार्थी।

तस्वीरें - एक तस्वीर 1,000 शब्दों से भी बढ़कर होती है। परियोजना, उसके लाभार्थियों की अच्छी, क्रियाशील तस्वीरें खींचिए और उन्हें हाइ रेसोल्यूशन एवं मूल आकार में हमें भेजिये।

इस बात में अंतर जरूर कीजिये कि कौन सी परियोजनाएं GML के लिए उपयुक्त है, और कौन सी सीधा राष्ट्रीय रोटरी पत्रिका के लिए भेजी जा सकती है।

अपनी परियोजनाओं को या तो *rushbhagat@gmail.com* पर या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजिये। ■

जब एक गांव गोद लेने की परियोजना ने एक युवती को बचाने में मदद की

जयश्री

2014 में दिवाली पर जब कामिना पाटिल के चेहरे पर एक पटाखा फूटा, तो पूरा परिवार परेशान हो गया। झटका लगने से उसकी दाहिनी आंख अपने सॉकेट से बाहर निकल आई, इसके अलावा उसके चेहरे पर मामूली चोटें आई। उसने कहा, ''वह दिवाली मेरे लिए एक काला दिन था और आज भी मैं पटाखों को नहीं छूती। मैं तब सिर्फ 14 साल की थी और मैं बहुत लंबे समय तक आईने में खुद को देखने से डरती थी,'' वह कहती है। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन ज्यादा कुछ नहीं किया जा सका। उसकी चोटिल आँख की दृष्टि चली गई।

पालघर जिले के एक दूरस्थ गांव कुंडे में रहने वाली कामिना का उसके सहपाठियों द्वारा स्कूल में उपहास किया गया; उसने स्कूल छोड़ दिया और धीरे-धीरे वह सबसे दूर रहने लगी। ''मैं बहुत दुखी रहती थी और अपने घर से बाहर नहीं निकलना चाहती थी। मुझे तब और भी अधिक बुरा लगता था जब मेरे माता-पिता को मेरी वजह से कितना कुछ झेलना पड़ता था लेकिन हम कुछ भी नहीं कर सकते थे। कोई भी उन्नत उपचार हमारी पहुँच से परे था।''

उसी समय रोटरी क्लब बॉम्बे कांदिवली, रो ई मंडल 3141, पालघर में ग्रामीण उत्थान परियोजनाओं को लागू कर रहा था। क्लब ने इस मंडल के कुछ गांवों को गोद लिया था और वह इन गांवों में स्कूल, शौचालय, श्मशान और पानी की सुविधाओं की स्थापना करने के साथ ही स्वास्थ्य शिविरों का भी आयोजन कर रहा था।

इस तरह के चिकित्सा शिविर का आयोजन 2015 में कुंडे गांव में किया गया था। चूंकि डॉक्टर वॉशरूम का उपयोग करना चाहते थे, इसलिए कामिना के पिता, जो ग्राम पंचायत के प्रमुख थे, ने उन्हें अपने घर भेजा। तत्कालीन क्लब अध्यक्ष दीपा गोयनका ने कामिना को घर में अंधेरे में बैठे देखा। ''जब मैंने उसके साथ बातचीत करने की कोशिश की, तो वह चुप रही और पर्दे के पीछे छिप गई। मुझे उसके पिता से उसके साथ हुई दुर्घटना के बारे में पता चला। उन्होंने मुझे बताया कि कैसे कामिना लोगों से दूर रहती है और हमेशा घर के अंदर ही रहती है और कैसे उसका मज़ाक उड़ाया गया।''

दीपा ने तुरंत मुंबई में डॉक्टरों से परामर्श किया और मलाड में एल एम पाटिल रोटरी आई अस्पताल में कामिना के उपचार को प्रायोजित करने का फैसला किया। लेकिन वहाँ ऐसा कोई कृत्रिम उपकरण नहीं था जो कामिना की स्थिति बेहतर

बाएं से: दीपा गोयनका, रोटरी क्लब बॉम्बे कांदिवली की पूर्व अध्यक्ष, बेबी हिमानी, कामिना पाटिल, पूर्व अध्यक्ष एस एल प्रसाद और जतिन लखानी।

कर सके। तभी रोटरी क्लब बॉम्बे कांदिवली की सदस्य कृष्णा चतुर्वेदी ने ₹45 लाख की लागत वाली मशीन को प्रायोजित करने की सहमति व्यक्त की। यह दो सप्ताह में आ गई और यह अस्पताल कामिना का इलाज करने के लिए तैयार था।

''लेकिन उपचार के लिए उसके माता-पिता को मनाना एक बड़ी चुनौती थी,'' वह मुस्कुराती है। वे इसमें शामिल जोखिम को लेकर चिंतित थे और उपचार की सफलता को लेकर आशंकित थे। बाद में दीपा के आश्वासन के बाद वे मान गए। क्लब ने तीन बैठकों तक चलने वाले इस पूरे उपचार के लिए पालघर से मुंबई तक कामिना और उसके माता-पिता की यात्रा का खर्च वहन किया।

उपचार

डॉक्टरों ने क्षतिग्रस्त आंख को हटा दिया और ऊतकों को ठीक होने दिया। सॉकेट में एक कृत्रिम आंख लगाई गई। हालांकि उस सर्जरी से कामिना की दृष्टि तो नहीं लौट सकी लेकिन इसने उसके चेहरे को बदल दिया। ''पहले तो मुझे विश्वास ही नहीं हुआ जब मैंने अपने आप को आईने में देखा और मेरे माता-पिता खुश थे,'' वह कहती है। सर्जरी इतनी अच्छी तरह से की गई थी कि वास्तविक और कृत्रिम आंखों के बीच अंतर कर पाना लगभग असंभव था। ''उनके योगदान की बात करे तो, इस अस्पताल ने उनके इलाज के लिए उनसे कोई शुल्क नहीं लिया। यह अस्पताल 50 साल पहले रोटरी क्लब नॉर्थवेस्ट मलाड द्वारा स्थापित किया गया था,'' दीपा कहती है।

सर्जरी के बाद कामिना वापस स्कूल गई और अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। 2021 में उसकी शादी हुई। दीपा अपने क्लब के सदस्यों के साथ हाल ही में कुंडे गांव में उससे मिलने गई थी। ''हम उसे उसकी एक प्यारी बच्ची, हिमानी, के साथ देखकर खुश थे। अब उसकी सफलता की कहानी हमारे क्लब का एक पसंदीदा विषय है और इसने रोटरी में हमारे विश्वास को एवं जीवन बदलने की इसकी शक्ति को मजबूत बनाया है।''

एवेन्यू अध्यक्ष के रूप में दीपा ने ग्रामीण महिलाओं और लड़कियों के बीच 50,000 पुन: प्रयोज्य सैनिटरी नैपकिन वितरित करने और उन्हें मंडल की प्रोजेक्ट रेड परियोजना के तहत यौवन और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन पर शिक्षित करने हेतु रो ई मंडल 3141 के 75 रोटरी क्लबों के साथ समन्वय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ''हमने वंचित समुदायों की महिलाओं को नैपकिन बनाने में लिप्त किया और इस प्रकार उन्हें अपनी आजीविका कमाने में मदद की,'' वह कहती है। ■

नैनीताल में रोटरी डिस्पेंसरी

टीम रोटरी न्यूज़

नैनीताल के रोटरी जॉगर्स पार्क में डीजी पवन अग्रवाल (बाएं से पांचवां), क्लब अध्यक्ष बबीता जैन और RID 3012 के PDG सुभाष जैन।

उत्तराखंड के फरसोली गांव में डीजी पवन अग्रवाल ने रोटरी क्लब नैनीताल, रो ई मंडल 3110 द्वारा स्थापित रोटरी डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया।

क्लब की अध्यक्षा बबीता जैन ने कहा कि इंद्रशील जैन ट्रस्ट के सहयोग से स्थापित इस क्लिनिक से ऐसे कम विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों को फायदा होगा, जिनके पास अस्पताल या कोई आधुनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध नहीं है। एक अन्य पहल के तहत क्लब ने नैनीताल के कैनेडी पार्क में एक ओपन जिम के साथ-साथ एक रोटरी जॉगर्स पार्क विकसित किया है, जिसका उद्घाटन भी डीजी अग्रवाल ने किया। ''क्लब पार्क को सुशोभित करेगा और इसे एक सतत परियोजना के रूप में बनाए रखेगा,'' बबीता ने कहा। पीडीजी डॉ सुभाष जैन, रो ई मंडल 3012, एजी डॉ डीके भट्ट और रोटेरियन राज मेहरोत्रा आईपीपी विक्रम स्याल से पदभार ग्रहण करने वाले नए क्लब अध्यक्ष की स्थापना समारोह के अवसर पर उपस्थित थे।■

नए निदेशकों और ट्रस्टियों ने पद भार संभाला

रोटरी इंटरनेशनल के निदेशक मंडल में 19 सदस्य होते हैं: रो ई अध्यक्ष, अध्यक्ष-निर्वाचित और 17 निदेशक, जिन्हें उनके ज़ोन द्वारा नामित किया जाता है और ये रो ई कन्वेंशन में चयनित होते हैं। ये बोर्ड, रो ई संविधान और उपनियमों के अंतर्गत रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मामलों और धन का प्रबंधन करता है। आठ नए निदेशकों और अध्यक्ष-निर्वाचित ने 1 जुलाई को अपना पदभार ग्रहण किया।

रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी, फाउंडेशन का कार्यप्रबंधन एवं संचालन करते हैं, ये रोटरी की धर्मार्थ शाखा है जो सेवा कार्यों और गतिविधियों के लिए धन उपलब्ध कराती है। रो ई अध्यक्ष-निर्वाचित ट्रस्टियों को मनोनीत करता है, जिनका चयन रो ई बोर्ड द्वारा चार साल के लिए किया जाता है। इस 1 जुलाई को निर्वाचित अध्यक्ष के साथ चार नए ट्रस्टियों ने पदभार ग्रहण किया।

निदेशक

गॉर्डन आर मकिनली

अध्यक्ष-निर्वाचित, रोटरी क्लब साउथ क्वींसफेरी, स्कॉटलैंड

गॉर्डन मकिनली रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष-निर्वाचित हैं। उन्होंने एडिनबर्ग के रॉयल हाई स्कूल और डंडी विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्होंने दंत शल्य चिकित्सा में स्नातक की उपाधि ली। वे 2016 तक एडिनबर्ग में अपनी दंत चिकित्सा और सर्जरी करते रहे। ब्रिटिश पेडोडोंटिक सोसाइटी की स्कॉटलैंड शाखा के पूर्व अध्यक्ष मकिनली विभिन्न शैक्षणिक पदों पर रहे हैं।

मकिनली 1984 में 26 साल की उम्र में रोटरी में शामिल हुए थे। रोटरी क्लब साउथ क्वींसफेरी के सदस्य, उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड (RIBI) में रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उन्होंने रो ई निदेशक के रूप में और कई समितियों में भी कार्य किया है, जिसमें वे 2022 ह्यूस्टन कन्वेंशन कमेटी के सलाहकार और ऑपरेशन रिव्यु कमिटी के अध्यक्ष रहे हैं।

वह रोटरी क्लब ग्रांथम केस्टेवन, इंग्लैंड द्वारा शुरू की गई, ट्रेड-एड संस्था के संरक्षक हैं, जो विकासशील देशों में व्यक्तियों, परिवारों और व्यवसायों को स्थायी मानवीय सहायता प्रदान करता है। वो एक राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संगठन, 'बाइपोलर यूके' के दूत भी हैं। वह और उनकी पत्नी, हीथर, जो एक रोटेरियन भी हैं, पॉल हैरिस फैलो, टीआरएफ के मेजर डोनर और बेनेफैक्टर हैं। वे बक्केस्ट सोसाइटी के सदस्य भी हैं।

अल्बर्टो सेचिनी

रोटरी क्लब रोमा नॉर्ड-एस्ट, इटली

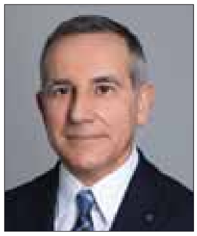

अल्बर्टो सेचिनी, इड्रोसे इंजीनियरिंग के एकमात्र प्रशासक और तकनीकी निदेशक हैं, जो इटली में अपनी तरह की सबसे पुरानी फर्मों में से एक है। उन्होंने 1988 में रोम के सैपिएन्ज़ा विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक और मास्टर डिग्री हासिल की। उन्होंने कई परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, उनमें केन्या में एक जल और स्वच्छता प्रणाली का पुनर्वास, ओमान में एक नए सैन्य हवाई अड्डे का निर्माण और सिसिली में मनोरम प्रोविंशियल रोड 28 का पुनर्निर्माण शामिल है।

सेचिनी का रोटरी के साथ पहला अनुभव 1988 में हुआ था, जब वे रोटरेक्ट क्लब अंजियो-नेट्टुनो के संस्थापक सदस्य बने थे। अपने पहले रोटरी क्लब में वह 1994 में शामिल हुए। उन्होंने ज़ोन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रो ई को सेवाएं दी हैं- एक समिति सदस्य, रोटरी सार्वजनिक छवि समन्वयक, प्रशिक्षण नेता, क्षेत्रीय समन्वयक और सलाहकार, गवर्नर इलेक्ट ट्रैनिंग सेमीनार और इंटरनेशनल असेंबली में वक्ता के रूप में। अपने अनुभव के आधार पर, रोटरी के युवा कार्यक्रमों में उन्होंने रोटरेक्ट-इंटरेक्ट कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया और 2014 में सिडनी में रोटरेक्ट प्रीकॉन्वेंशन मीटिंग की अध्यक्षता की। सेचिनी ने जून 2018 में रोम के कोलोसियम में पोलियो उन्मूलन फंडरेज़र की परिकल्पना की और उसका आयोजन किया, जिसमें फिल्म *ग्लेडिएटर* के कलाकार शामिल हुए, इस आयोजन से 500,000 डॉलर जुटाए गए थे । सेचिनी ने दिल्ली में एक राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के दौरान स्वेच्छा से काम किया है, और गिनी बिसाऊ में बिस्तर पर लगाने के लिए मच्छरदानियाँ भी बांटी हैं। सेचिनी को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और द रोटरी फाउंडेशन प्रशस्ति पत्र फॉर मेरिटोरियस सर्विस मिला है। वह मल्टीपल पॉल हैरिस फेलो और बेनेफैक्टर के रूप में फाउंडेशन का सहयोग करते हैं।

पैट्रिक डी चिसंगा

रोटरी क्लब नवाज़ी, ज़ाम्बिया

एक चार्टर्ड गवर्नेंस प्रोफेशनल पैट्रिक चिसंगा, लंदन स्कूल ऑफ अकाउंटेंसी से चार्टर्ड गवर्नेंस इंस्टीट्यूट (यूके) के फेलो और जाम्बिया के इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स के फेलो हैं। आप कॉरपोरेट गवर्नेंस पर विश्व बैंक के सलाहकार रहे हैं और जाम्बिया के निदेशक संस्थान और अफ्रीकी कॉर्पोरेट गवर्नेंस नेटवर्क के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है।

जाम्बिया के सार्वजनिक और कॉर्पोरेट क्षेत्रों में लगभग 20 वर्षों तक काम करते हुए, कई कंपनियों और संगठनों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वह डायनामिक कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रमुख सलाहकार भी हैं।

सबसे पहले रोटरी के परिवार में चिसंगा इंटरेक्ट बन कर शामिल हुए । 1968 में एक हाई स्कूल के छात्र के रूप में, उन्हें केन्या में एक अल्पकालिक इंटरक्लब एक्सचेंज पर जाने के लिए चुना गया, जहाँ वे मोम्बासा में तत्कालीन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के साथ रहे। 1986 में, वह रोटरी क्लब नवाज़ी के चार्टर सदस्य बन गए और 1998 में, वह मंडल 9210 के अध्यक्ष बने, उस पद पर बैठने वाले वे पहले अश्वेत व्यक्ति थे। बाद में, जर्मनी के ब्रेमरहेवन में एक मंडल कार्यक्रम में RIPR के रूप में भाग लेते हुए।

चिसंगा ने कई समितियों में रो ई की सेवा की है, जिसमें सदस्यता समिति और 'रीच आउट टू अफ्रीका कमेटी,' एक प्रशिक्षण नेता और रोटरी इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष होना शामिल हैं। उन्होंने दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीका के गवर्नर्स काउंसिल सहित क्षेत्रीय रोटरी संगठनों की भी अध्यक्षता की है। उन्हें 'सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड' और द रोटरी फाउंडेशन प्रशस्ति पत्र फॉर मेरिटोरियस सर्विस मिला है। वह और उनकी पत्नी, पेट्रोनेला मेजर डोनर हैं।

जेरेमी हर्स्ट

रोटरी क्लब ग्रैंड केमैन, केमैन आइलैंड्स

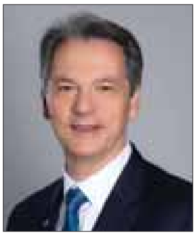

रोचेस्टर, इंग्लैंड में जन्मे, जेरेमी हर्स्ट 1988 में केमैन आइलैंड्स में स्थानांतरित हो गए थे। वह IRG कंपनियों के समूह के मालिक है और उसका संचालन करते हैं, जो केमैन आइलैंड्स और अन्य कैरिबियाई बाजारों में कई तरह की संपत्ति सम्बंधित सेवाएं प्रदान करता है।

रोटरी में हर्स्ट का प्रवेश 1988 में हुआ। उन्होंने रो ई की सदस्यता समिति और साझेदारी पर संयुक्त समिति में काम किया है और कई बार रो ई अध्यक्ष का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

हर्स्ट, कैरिबियन में रोटरी के आपदा राहत प्रयासों के प्रबंधन, 2017 के तूफान इरमा और मारिया के लिए अपने मंडल की आपदा राहत समिति की अध्यक्षता करने और 2009 में रोटेरियन इमरजेंसी डिजास्टर इनिशिएटिव (REDI) सम्मेलन के आयोजन में पूर्ण रूप से शामिल रहे हैं। जल, स्वच्छता के ज़बरदस्त हिमायती, हर्स्ट HANWASH के संस्थापक सदस्य और संचालन समिति के अध्यक्ष हैं, ये रोटरी के नेतृत्व में सृजित साझेदारी है, जो हैती में सभी के लिए साफ़ पानी और बेहतर सफाई उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

वह और उनकी पत्नी, मिशेल, रोटरी फाउंडेशन के मेजर डोनर और बकेस्ट सोसाइटी, पॉल हैरिस सोसाइटी और मंडल 7020 की पोलियोप्लस सोसाइटी के सदस्य हैं। सराहनीय कार्य और सेवा के लिए उन्हें टीआरएफ का प्रशस्ति पत्र मिला है।

ड्र्यु केसलर

रोटरी क्लब नॉर्थ रॉकलैंड (हावरस्ट्रॉ), न्यूयॉर्क

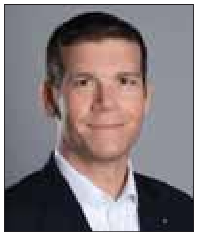

ड्र्यु केसलर एम एंड टी बैंक में कमर्शियल रियल एस्टेट डिवीजन के वाईस प्रेसिडेंट हैं, जहां वे न्यूयॉर्क शहर क्षेत्र में प्रमुख व्यवसायों के साथ रियल एस्टेट और वाणिज्यिक उद्यमों के काफी बड़े ऋण पोर्टफोलियो का प्रबंधन करते हैं।

केसलर 2001 में 20 साल की उम्र में रोटरी में शामिल हुए। उन्होंने 25 साल की उम्र में रोटरी क्लब नॉर्थ रॉकलैंड (हावरस्ट्रॉ) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और उस समय क्लब के इतिहास में सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने थे। 32 साल की उम्र में, उन्होंने मंडल 7210 के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

केसलर रो ई में यंग पास्ट गवर्नर्स कमेटी में, काउंसिल ऑन लेजिस्लेशन एंड काउंसिल ऑन रेजोल्यूशन के प्रतिनिधि के रूप में और एक RIPR के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने जोन 28/32 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता, जोन 32 के लिए सहायक रोटरी समन्वयक और मध्य-पूर्वोत्तर निर्वाचित अध्यक्षों की प्रशिक्षण संगोष्ठी की अध्यक्षता सहित जोन में नेतृत्व के पदों पर भी कार्य किया है। निरंतरता और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध, वह मंडल 7210 कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं, एक समिति जिसकी स्थापना में वो शामिल थे, जिसमें भूतपूर्व और वर्तमान मण्डल नेता हैं और जो मण्डल का नेतृत्व करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

मुहम्मद फैज़ किदवई

रोटरी क्लब, कराची करसाज़ पाकिस्तान

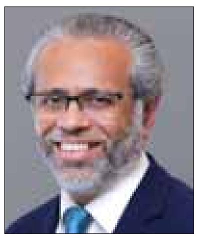

मुहम्मद फैज किदवई एक प्रमुख वास्तुविज्ञ, इंजीनियरिंग, शहरी डिजाइन, रियल एस्टेट विकास और हॉस्पिटैलिटी फर्म 'सीजी ग्लोबल' के अध्यक्ष हैं।

1980 में रोटरेक्ट बने किदवई पाकिस्तान से पहले रोटरी निदेशक हैं। 1986 में, कनाडा के लिए रोटरी ग्रुप स्टडी एक्सचेंज यात्रा पर कराची से प्रस्थान करते हुए, वह पैन एम फ्लाइट 73 के अपहरण के दौरान एक घातक हमले में बाल बाल बचे थे। किदवई 1987 में रोटरी में शामिल हुए और 1993 में रोटरी क्लब कराची करसाज़ के चार्टर सदस्य बने। जब से रोटरी ने पाकिस्तान में अपना काम शुरू किया, तब से वह पोलियो उन्मूलन के प्रयासों में सक्रिय रहे हैं। 1997 में कराची के उपनगरों में, उन्होंने रोटरी कम्युनिटी कॉर्प्स (RCC) की स्थापना की, जो परियोजनाओं पर अपने क्लब के साथ काम जारी रखती है।

वह रोटरी पाकिस्तान साक्षरता मिशन के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। रोटरी फोकस के सभी क्षेत्रों को शामिल करने वाली एक परियोजना में, उन्होंने बाढ़ से प्रभावित 160 परिवारों के लिए कराची के पास थट्टा में एक आदर्श गांव के टिकाऊ निर्माण परियोजना का नेतृत्व किया। वह पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों का समर्थन करने, 50,000 से अधिक अफगान शरणार्थियों की सहायता करने

वाली एक पहल की सह-अध्यक्षता करने और अफगान लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए गरीबी और भूख से लड़ने वाली परियोजनाओं पर काम करने में शामिल रहे हैं। उन्हें सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड, द रोटरी फाउंडेशन डिस्टिंग्विश्ड सर्विस अवार्ड और द रोटरी फाउंडेशन प्रशस्ति पत्र फॉर मेरिटोरियस सर्विस मिला है।

पेट्रीशिया मेरीवेदर-आर्गेस

रोटरी क्लब नेपरविले, इलिनुआ

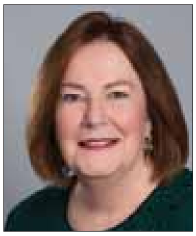

पेट्रीशिया मेरीवेदर-आर्गेस प्रोजेक्ट पेशेंट केयर की कार्यकारी निदेशक हैं, जो एक गैर-लाभकारी संस्था है जो स्वास्थ्य देखभाल में सुधार के लिए रोगियों, परिवारों और देखभाल करने वालों को एक जगह लाती है। उस भूमिका में, उन्होंने 140,000 चिकित्सकों के साथ राष्ट्रव्यापी रोगी और पारिवारिक जुड़ाव की पहल के साथ-साथ रोगी के सरोकारों को नैदानिक अनुसंधान तक लाने के लिए 18 महीने चली एक परियोजना का नेतृत्व किया है।

वह अमेरिकन रेड क्रॉस 'हीरोज अवार्ड्स, शिकागो में दो गैर-लाभकारी अस्पताल बोर्डों और संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम और स्वास्थ्य देखभाल रिपोर्टिंग के लिए राज्य समितियों के लिए एक नामांकित समिति में कार्यरत है। उन्हें MRSA सर्वाइवर्स नेटवर्क द्वारा वर्ष की महिला नामित किया गया था।

मेरीवेदर-आर्गेस, जो स्वास्थ्य देखभाल और जल, और व्यक्तिगत स्वच्छता पर केंद्रित 20 से अधिक रोटरी फाउंडेशन अनुदान परियोजनाओं में शामिल हैं, उन का कहना है कि पूरे विश्व में फैला हुआ रोटरी का विशाल नेटवर्क इसकी सफलता का रहस्य है।

उन्हें सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड, एवेन्यूज ऑफ सर्विस अवार्ड और द रोटरी फाउंडेशन का प्रशस्ति पत्र फॉर मेरिटोरियस सर्विस मिला है। वह और उनके पति, जॉर्ज, जो एक रोटरी सदस्य भी हैं, पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं और बेनेफेक्टर और मेजर डोनर भी हैं।

लीना जे एमजस्काग

रोटरी क्लब नेबैक, नॉर्वे

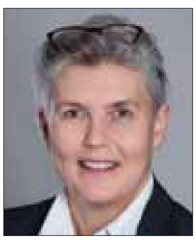

लीना जे एमजस्काग नॉर्वे आर्म्ड फोर्सेज डिफेन्स स्टाफ में प्रशासनिक नियंत्रण की प्रमुख हैं, जहाँ उन्होंने 1997 से काम किया है। 1997 से पहले, उन्होंने नॉर्वे की पहली महिला फाइटर पायलट बनने के उद्देश्य से रॉयल नॉर्वेजियन वायु सेना में सेवा की थी।

एमजस्काग 1997 में रोटरी में अपने क्लब की पहली महिला के रूप में शामिल हुई और उस समय, इस क्लब की सबसे कम उम्र की सदस्य थी। उन्होंने 'एंड पोलियो नाउ' के ज़ोन समन्वयक, रोटरी समन्वयक, उजड्प्रतिनिधि और RIPR के रूप में रोटरी की सेवा की है। वह एक बहु-मंडलीय प्रशासनिक समूह, नार्स्क रोटरी फोरम की अध्यक्ष थीं, और उन्होंने एक राष्ट्रीय रोटरी परियोजना, हैंडीकैंप नॉर्वे, एक शिविर पर भी काम किया, जो दुनिया भर के विकलांग युवाओं को एक मंच पर लाता है, उन लोगों के साथ जो विकलांग नहीं हैं।

योशियो सातो

रोटरी क्लब ओकायामा-साउथ, जापान

योशियो सातो एक सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट हैं, जिनकी 1986 से कर और सामान्य परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाली अपनी स्वयं की सलाहकार फर्म है।

1989 से रोटरी क्लब ओकायामा-साउथ के सदस्य, सातो ने कई मंडल और राष्ट्रीय समितियों में सक्रिय रूप से भाग लिया हैं। उन्होंने रोटरी मंडल 2690 में रोटरी फाउंडेशन ऑडिट कमेटी के अध्यक्ष के रूप में और रोटरी जापान शताब्दी कार्यकारी समिति और रोटरी इंटरनेशनल जापान यूथ एक्सचेंज मल्टीडिस्ट्रिक्ट के सदस्य के रूप में सेवा दी है। ज़ोन स्तर पर, उन्होंने रो ई निदेशक के लिए नामांकन समिति के समन्वयक और एक प्रशिक्षण नेता, रोटरी इंस्टिट्यूट के एक सत्र में पैनलिस्ट और RIPR रह चुके हैं। वह रोटरी योनयामा मेमोरियल फाउंडेशन में भी सहयोग देते हैं, जो जापान में रोटरी मंडलों की एक साझा परियोजना है जो जापान में अकादमिक शोध कर रहे विदेशी छात्रों का समर्थन करती है। व्यक्तिगत रूप से सातो आर्क क्लम्फ सोसाइटी, पॉल हैरिस सोसाइटी, बेनेफैक्टर और बक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य के रूप में टीआरएफ का सहयोग करते हैं।

ट्रस्टीज़

बेरी रेसिन

रोटरी क्लब ईस्ट नासाउ बहामास

ट्रस्टी चेयर-निर्वाचित, 2022-23

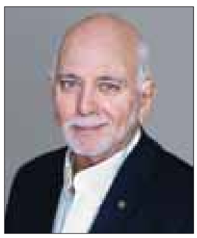

बेरी रेसिन नासाउ, बहामास में डॉक्टर्स हॉस्पिटल हेल्थ सिस्टम के निदेशक और पूर्व अध्यक्ष हैं, जहां से वे 38 वर्ष बाद सेवानिवृत्त हुए।

1980 में बने रोटेरियन, उन्होंने 2018-19 में रो ई अध्यक्ष के रूप में कार्य भार संभाला था, जब उन्होंने रोटरी और रोटरेक्ट क्लबों के बीच घनिष्ठ संबंधों की सिफारिश की थी और 2019 CoL में रोटरेक्ट क्लबों को शामिल करने के लिए RI में सदस्यता की परिभाषा को व्यापक बनाने के सुझाव और तरीके प्रस्तुत किये थे। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए रो ई में सेवा की है, जिसमें रो ई निदेशक, रोटरी फाउंडेशन ट्रस्टी और उपाध्यक्ष, वित्त और शेपिंग रोटरी'ज़ फ्यूचर, दोनों कमिटी के अध्यक्ष, रो ई ट्रेनिंग लीडर और सेमिनार ट्रेनर शामिल हैं। 2010 में, रैसिन ने विनाशकारी भूकंप के बाद हैती में रोटरी के आपदा राहत प्रयासों का समन्वय किया। इसमें पूरे हैती में 105 राहत और विकास परियोजनाओं की

निगरानी करना शामिल था, जो दुनिया भर में रोटरी सदस्यों द्वारा एकत्र किये गए 6.5 मिलियन डॉलर से संभव हुआ था। वर्तमान में वह बहामास रोटरी डिजास्टर रिलीफ कमेटी में सक्रिय हैं और डोरियन चक्रवात और कोविड -19 महामारी के राहत कार्यों म संलग्न हैं।

रेसिन को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड मिला है। वह और उनकी पत्नी, एस्टर, रोटरी फाउंडेशन के मेजर डोनर, बेनेफैक्टर, पॉल हैरिस फैलो और पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं।

भरत पांड्या

रोटरी क्लब बोरीवली, भारत

डॉ भरत पांड्या 1989 में रोटरी में शामिल हुए। मंडल 3140 के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उनके मंडल ने TRF में 2 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दिया, जिससे यह 2006-07 के लिए पूरी दुनिया में शीर्ष योगदानकर्ता बन गया। उन्होंने टीआरएफ अनुदानों द्वारा वित्त पोषित जल और स्वच्छता परियोजनाओं सहित कई परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जिसके अंतर्गत चेक डैम स्थापित किए गए ताकि ग्रामीणों को पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़े।

2019-21 के दौरान रो ई निदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं, और 2020-21 के लिए इसके कोषाध्यक्ष रहे थे। पांड्या ने क्षेत्रीय रो ई मेम्बरशिप कोऑर्डिनेटर, प्रशिक्षण नेता और रोटरी की मेम्बरशिप और कन्वेंशन प्रोमोशन समितियों और इंडिया पोलियोप्लस समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्हें रो ई ने सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ के प्रशस्ति पत्र के लिए मेरिटोरियस सर्विस और डिस्टिंगुइश्ड सर्विस पुरस्कार प्रदान किया है। वह और माधवी फाउंडेशन के लेवल -2 मेजर डोनर हैं।

होल्गर नेक

रोटरी क्लब हैरसोटुम लाउनबोर्ग- मॉन, जर्मनी

होल्गर नेक 2020-21 में रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष रहे हैं। 1992 से एक रोटरी सदस्य, उन्होंने रोटरी को कोषाध्यक्ष, निदेशक, मॉडरेटर, कई समितियों के अध्यक्ष और सदस्य, CoL प्रतिनिधि, जोन को ऑर्डिनेटर, प्रशिक्षण नेता और मंडल अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी है। नेक एक रियल एस्टेट कंपनी नेक केजी के सीईओ हैं। वह पहले 125 साल पुराने पारिवारिक व्यवसाय, नेक इंटरप्राइजेज के भागीदार और महाप्रबंधक थे। वह रत्ज़बर्ग शहर के सिविक फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य हैं और गोल्फ-क्लब गट ग्रामबेक के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। नेक कार्ल एडम फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष भी हैं। नेक और उनकी पत्नी, सुज़ैन, द रोटरी फ़ाउंडेशन के मेजर डोनर हैं और बकेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

मार्था पीक हेलमैन

रोटरी क्लब बूथबे हार्बर, मेन

मार्था पीक हेलमैन 'ओटो और फ्रैन वाल्टर फाउंडेशन' की अध्यक्ष हैं। वाल्टर फाउंडेशन ने 2021 में इतिहास रच दिया जब उसने मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका में एक नए रोटरी पीस सेंटर योजना को शत प्रतिशत फंड करने की घोषणा की। नए केंद्र से अपनी पहली कक्षा का स्वागत करने की उम्मीद 2025 में है। वाल्टर फाउंडेशन और टीआरएफ के बीच 15.5 मिलियन डॉलर के समझौते को साकार करने में हेलमैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

हेलमैन 2003 में अपने पति, फ्रैंक के साथ रोटरी क्लब बूथबे हार्बर में शामिल हुए, जिनकी मृत्यु जून 2022 में हो गई। RIPR रह चुकी हेलमैन ने रोटरी सम्मेलनों के ब्रेकआउट सत्रों में कई बार प्रस्तुतियां दी हैं।

टीआरएफ हेतु धन उगाहने के लिए उत्सुक, हमेशा तैयार, हेलमैन ने सकुजी तनाका रोटरी पीस फैलोशिप में सहयोग करने के लिए एक समूह का गठन किया था, जिसने रोटरी शांति केंद्रों के लिए 1 मिलियन डॉलर जुटाए थे। मार्टी और फ्रैंक हेलमैन ने फाउंडेशन को मेजर डोनर, पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्यों और टीआरएफ की लिगेसी सोसाइटी के प्राथमिक सदस्यों के रूप में सहयोग करने का निश्चय किया।

ग्रेग ई पॉड

रोटरी क्लब एवरग्रीन, कोलोराडो

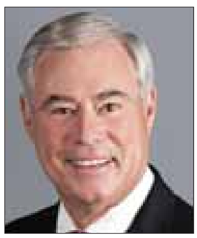

ग्रेग पॉड एक सेवानिवृत्त प्रमाणित सार्वजनिक लेखाकार और व्यक्तिगत वित्तीय विशेषज्ञ हैं जिन्होंने 1979 में अपनी खुद की फर्म खोली थी।

रोटरी फाउंडेशन के मेजर गिफ्ट एडवाइजर के रूप में,पॉड ने अपने मंडल में मिलियन डॉलर डिनर का आयोजन किया, जिसमें एक ही रात में उन्होंने 3.1 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए।

वह 1982 में रोटरी में शामिल हुए थे और उन्होंने उपाध्यक्ष और निदेशक के रूप में रो ई को अपनी सेवाएं दी हैं। निदेशक मंडल में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ऑडिट कमेटी सहित बोर्ड काउंसिल ऑन लेजिस्लेशन एडवाइजरी कमेटी समितियों की अध्यक्षता की। उन्होंने संचालन समीक्षा समिति और टीआरएफ की निवेश समिति सहित अन्य समितियों में भी कार्य किया। अन्य भूमिकाओं में प्रशिक्षण नेता, RIPR और CoL प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्हें सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और द रोटरी फाउंडेशन प्रशस्ति पत्र फॉर मेरिटोरियस सर्विस मिला है। वह और उनकी पत्नी, पाम मेजर डोनर हैं और आर्च क्लम्फ सोसाइटी, बकेस्ट सोसाइटी और पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं। ■

ब्राज़ील की एक अविस्मरणीय फ्रेंडशिप एक्सचेंज यात्रा

रशीदा भगत

हम में से काफी लोग ब्राजीलियाई कॉफी की रूहानी खुशबू और बेहतरीन जायके का लुत्फ़ उठा कर रोमांचित हो चुके हैं। अभी हाल ही में, भारत और ब्राज़ील के रोटेरियनों के बीच हुई सहभागिता को धन्यवाद, विश्व की कुछ सर्वश्रेष्ठ नस्ल की कॉफी के उत्पादन में जिस जैविक खाद काप्रयोग ब्राज़ील में होता है, अब उस का उत्पादन गुजरात में किया जाएगा।

उत्साहित प्रफुल्ल दीवानी ने यह जानकारी साझा की है जो पिछले छह वर्षों से RID 3060 में रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज (RFE) के अध्यक्ष हैं। रोटरी क्लब वापी के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रफुल्ल का कहना है कि ''कोविड महामारी के कारण उपजे एक लम्बे अंतराल के बाद, हमें अपनी आठ रोटेरियन की आउटबाउंड टीम को मई 2022 में दो सप्ताह के लिए RID 4560, ब्राज़ील भेजने का मौका मिला।''

महामारी की वजह से, सभा आयोजित करने और यात्रा पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के लिए ब्राज़ील को धन्यवाद, दीवानी के अच्छे मित्र डीजी जोस कार्लोस अज़ेवेदो (RID 4560), और डीजी फ्रेडसन सैंटोस डेली (RID 4590) ने अगुआसा डे लिंडोइया, ब्राज़ील में वैयक्तिक रूप से एक बहु-प्रान्तीय सम्मेलन आयोजित

कॉफी की सुगंध का आनंद लेते हुए RFE प्रतिनिधि।

ब्राज़ील में एक कॉफी उत्पादन सुविधा में RFE टीम लीडर जिग्नेश वासनी और प्रतिनिधि।

अपनी यात्रा से पहले हमने उन्हें सूचित कर दिया था कि भारत से आ रही पूरी टीम पूर्ण शाकाहारी है और उन्होंने हमारे लिए बढ़िया शाकाहारी व्यंजनों की व्यवस्था का पूरा ख़्याल रखा।

किया था और इसमें भाग लेने के लिए RID 3060 से एक टीम को आमंत्रण भेजा, जिसे डीजी संतोष प्रधान ने स्वीकार कर लिया था।

महामारी से पूर्व, ब्राज़ील के रोटरियनों की एक टीम ने 2020 में गोवा में RID 3060 के प्रांतीय सम्मेलन में भाग लिया था। दीवानी बताते हैं कि इस फ्रेंडशिप एक्सचेंज यात्रा ने ''हमारे रोटेरियन को RID 4560, 4590 (ब्राज़ील) और RID 4455 (पेरू) के उन रोटेरियनों के साथ मेलजोल बढ़ाने का मौक़ा दिया, जो इस बहु-प्रांतीय सम्मेलन में भाग लेने आये हुए थे।''

हमारी आवभगत मशहूर हस्तियों की तरह हुई

जिग्नेश वासानी, रोटरी क्लब वलसाड के पूर्व अध्यक्ष, RID 3060, जिन्होंने आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की थी, उन्होंने रोटरी न्यूज़ को बताया, ब्राज़ील में अविश्वसनीय रूप से ''हमारा समय बहुत बढ़िया गुजरा, हम सात शहरों में गए जहां या तो हमें स्थानीय रोटेरियनों के घरों में ठहराया गया था या विशेष रूप से हमारे लिए तैयार की गई विला में। अपनी यात्रा से पहले हमने उन्हें सूचित कर दिया था कि भारत से आ रही पूरी टीम पूर्ण शाकाहारी है और उन्होंने हमारे लिए बढ़िया शाकाहारी व्यंजनों की व्यवस्था का पूरा ख़्याल रखा।''

एक बात हमारे गले नहीं उतरी, वो ये कि भारतीय रोटेरियन जहां जहाँ-जहां भी गए, न केवल रोटेरियन बल्कि अन्य लोगों द्वारा भी ''हमारा स्वागत मशहूर हस्तियों की तरह होता था। उदाहरण के लिए, हमने वहां देखा कि एक

रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज हमें सिखाता है कि भाषा, खान–पान की आदतों में फर्क और सांस्कृतिक विभिन्नताओं के बावजूद, एक रोटेरियन दूसरे रोटेरियन का अभिवादन इतनी गर्मजोशी से करता है कि ये सभी अवरोध गायब हो जाते हैं।

शादी हो रही थी और दूल्हा, दुल्हन भारतीय रोटेरियनों के साथ तस्वीरें खिंचवाना चाहते थे।''

उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में कई व्यवसायी और उद्योगपति उपस्थित थे, और वहाँ एक विशेष व्यावसायिक सत्र आयोजित भी किया गया था। इसमें कई मंत्रियों सहित 13 महापौरों ने भाग लिया, और ''उन्होंने हमें ब्राज़ील में उद्योग/व्यवसाय स्थापित करने के लिए बहुत सारे प्रोत्साहन दिए जैसे 10 साल का टैक्स हॉलिडे और मुफ्त जमीन । सम्मेलन में, भारत में व्यापार और निवेश के लिए काफी दिलचस्पी दिखाई गई।''

आठ रोटेरियन की ब्राज़ील यात्रा का नतीजा यह है कि अब वहां से दो टीमें भारत आएंगी। पहली, ब्राज़ील से 12 रोटेरियन की एक रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज टीम है जो जनवरी 2023 में RID 3060 सम्मेलन में भाग लेगी। ''उन्होंने हमें यह भी आश्वासन दिया है कि कुछ रोटेरियन सहित 40-50 व्यवसायियों का एक बड़ा प्रतिनिधि मंडल जल्द ही गुजरात का दौरा करेगा और निवेश के विकल्पों के बारे में जानकारी लेगा। वे कपड़ा, रसायन, कीटनाशकों और उर्वरकों में अवसर तलाशने के लिए सूरत, वापी और अन्य स्थानों पर आएंगे।'' इसमें विशेष प्रकार के जैविक उर्वरकों के उत्पादन हेतु निर्माण सुविधा स्थापित करना शामिल है जिसका उपयोग ब्राज़ील के किसान उच्च कोटि के कॉफी बीन्स उगाने के लिए करते हैं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें वासनी की पत्नी कश्मीरा भी शामिल थीं, कीर्तिकुमार और दक्ष वंकाड़ी, विजय कुमार और चेतना मंगुकिया (रोटरी क्लब सूरत ईस्ट के दोनों युगल) और अनिल और सुरेखा पाटिल (रोटरी क्लब धुले) को बाद में एक कॉफी उत्पादन सुविधा में ले जाया गया, जहाँ उन्हें जैविक और साधारण कॉफी के बीच अंतर मालूम करने का तरीका बताया और बढ़िया कॉफी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए वो अन्य बारीकियों से रूबरू हुए।

रोटरी परियोजनाएं

सम्मेलन में भाग लेने के बाद, भारतीय रोटेरियन ने विभिन्न शहरों में मुख्य रूप से स्वास्थ्य और साक्षरता संबंधित कुछ रोटरी परियोजनाओं का दौरा किया।

एक परियोजना के माध्यम से चिकित्सा देखभाल सेवाओं को प्रोन्नत करने में सहायता के

ब्राज़ील के बोआ एस्पेरंका के एक स्कूल में भारतीय रोटेरियन।

लिए, RID 3060 वैश्विक अनुदान के लिए ब्राज़ील के रो इ मंडल 4560 का अंतर्राष्ट्रीय भागीदार बन गया है, ''और 73,214 डॉलर की राशि पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है, जिसमें से रोटरी क्लब वापी का योगदान 5,835 डॉलर है।'' दीवानी कहते हैं। इन निधियों के माध्यम से कैपिटोलियो शहर के कैरिडैड अस्पताल के सांता कासा को रेडियोलॉजिकल उपकरण दिए जाएंगे, जहां रोटेरियन अस्पताल प्रबंधन के कुछ क्षेत्रों में पहले से संलग्न हैं। जीजी को रोटरी क्लब कैपिटल, RID 4560 द्वारा प्रायोजित किया गया था, और इसका शीर्षक था 'हेल्थ इज लाइफ़।'

दीवानी कहते हैं, ''रोटरी फ्रेंडशिप एक्सचेंज हमें सिखाता है कि भाषा, खान-पान की आदतों में फर्क और सांस्कृतिक विभिन्नताओं के बावजूद, एक रोटेरियन दूसरे रोटेरियन का अभिवादन इतनी गर्मजोशी से करता है कि ये सभी अवरोध गायब हो जाते हैं।'' ■

रो ई मंडल 3232 परियोजनाओं, सदस्यता वृद्धि में पारंगत है

वी मुत्तुकुमारन

मंडल सम्मेलन अपने रोटरी क्लबों को जीवंत बनाने के लिए रोटेरियनों की सामूहिक बुद्धिमत्ता और क्षमताओं का लाभ उठाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते है ताकि वे अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करके आगे की चुनौतियों से निपट सकें,'' रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश ने कहा। सिनर्जी '22 नाम से तीन दिवसीय रो ई मंडल 3232 के मंडल सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि ''जब फैलोशिप, बॉन्डिंग और नेटवर्क रोटरी संगोष्ठियों में सहज होते है, तो हमें अपने क्लबों को मजबूत बनाने के लिए अनौपचारिक रूप से अपने विचारों और सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने के लिए इससे परे जाना चाहिए।''

कई रोटेरियनों ने रो ई मंडल 3232 (चेन्नई क्लबों) के होने वाले विभाजन को लेकर चिंताओं के साथ उनसे संपर्क किया क्योंकि उन्हें रोटरी मंडल के इस विभाजन को लेकर कुछ आपत्तियां है। वह उन लोगों को सुनने के लिए तैयार है ''जिनके पास कुछ रचनात्मक सुझावों के साथ यहाँ आने का समय, रुचि और इच्छा है भले ही वो इस कदम (मंडल विभाजन) का विरोध करें या समर्थन,'' उन्होंने कहा।

RIPR निकी स्कॉट मंडल सम्मेलन में RID ए एस वेंकटेश (बाएं) और डीजी जे श्रीधर (दाएं) के साथ।

PDG कृष्णन वी चारी को RIPR निकी द्वारा (बाएं से) नल्लम्मई और पीडीजी अबीरामी रामनाथन, RID वेंकटेश, DG श्रीधर, नित्या चारी और पुनीता श्रीधर की उपस्थिति में सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड से सम्मानित किया गया।

रो ई की उपाध्यक्ष और RIPR निकी स्कॉट ने PDG कृष्णन वी चारी को स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। वेंकटेश ने PDG चारी के साथ अपने लंबे समय के संबंध को याद किया जो तब DG थे जब भारत ने अपनी आजादी के 50वें वर्ष का जश्न मनाया और उन्होंने पूरे वर्ष बड़े पैमाने पर लोगों को खाना खिलाया। अपने भाषण में, चारी ने एक रोटेरियन के रूप में अपने 38 वर्षों को याद किया और अपने अच्छे दोस्तों को धन्यवाद दिया जो सेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता में उत्कृष्ट और अथक थे। स्वर्गीय PRID सुशील गुप्ता ने उनका बहुत समर्थन किया जब उस समय मैं रोटरी न्यूज़ को शुरुआत से खड़ा कर रहा था।

एक तरह से कोविड महामारी पिछले दो वर्षों में रोटरी क्लबों में काफी तेजी से वो परिवर्तन लाई है जो पिछले 10 वर्षों में भी नहीं हुए थे।

निकी स्कॉट
रो ई उपाध्यक्ष

चार प्राथमिक क्षेत्र

रो ई मंडल 6450, यूके, से RIPR निकी ने 10 साल पहले दिल्ली में एक टीकाकरण कार्यक्रम के लिए भारत की अपनी पहली यात्रा को याद किया। देश उस समय लगातार तीन वर्षों तक पोलियो मुक्त था, इस प्रकार अन्य पोलियो पीड़ित देशों के लिए यह एक महान उदाहरण बना।

पिछले साल, रोटरी ने आपदा प्रतिक्रिया अनुदान के रूप में 21 मिलियन डॉलर और कोविड अनुदान के रूप में 30 मिलियन डॉलर की मंजूरी दी थी। निकी ने कहा, एक तरह से कोविड महामारी पिछले दो वर्षों में रोटरी क्लबों में काफी तेजी से वो परिवर्तन लाई है जो पिछले 10 वर्षों में भी नहीं हुए थे।

रिकॉर्ड विकास, परियोजनाएं

इससे पहले, DG श्रीधर ने अपने मंडल के क्लबों की स्थिति रिपोर्ट पेश करते हुए कहा, ''अब तक हम ₹38.9 करोड़ की 5,130 सेवा परियोजनाएं कर चुके है जिससे 10.18 लाख लोगों की ज़िंदगियाँ बदली है। हमारा अब तक का TRF दान 1.7 मिलियन डॉलर है।'' इस मंडल ने 22 नए क्लबों को जोड़ा है, जिससे इसकी संख्या 168 हो गई है जिसमें 8,213 रोटेरियन है, 1 जुलाई, 2021 से सदस्यता वृद्धि 14.8 प्रतिशत है। ''हमारी महिला सदस्यता में 18.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई; और अवरोधन दर 93.69 प्रतिशत रही। हमने 1,300 नए रोटरेक्टरों को जोड़ा है जिससे उनकी संख्या 21,000 से अधिक हो गई है।'' इस मंडल ने रोटरी क्लब चेन्नई माधवाराम में PDG जे बी कामदार के नाडी ग्रुप के कर्मचारियों के साथ अपना पहला कॉर्पोरेट क्लब गठित किया है।

रो ई अध्यक्ष मेहता द्वारा एक आपदा प्रबंधन मैनुअल जारी किया गया, जिसमें क्लब चेन्नई निगम के साथ साझेदारी में कई कोविड-राहत कार्य और बाढ़ शमन कार्यक्रम कर रहे थे। एक ही दिन में 48 क्लबों ने ₹3.8 करोड़ की कुल परियोजना लागत से एक विशाल टीकाकरण अभियान में 68,810 लोगों को टीका लगाया। हमें महामारी के दौरान हमारे टीकाकरण अभियान के लिए नागरिक निकाय से एक मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

व्यावसायिक कौशल केंद्रों ने ₹1.3 करोड़ की कुल लागत से 9,157 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया; 82 डायलिसिस मशीन लगवाई गई। 31 RYLA किए गये।

उद्घाटन सत्र में मंडल प्रशिक्षक PDG कामदार, सलाहकार PDG अबीरामी रामनाथन, सम्मेलन अध्यक्ष विनोद सरावगी और मंडल सचिव रविशंकर ने अपने विचार रखे। सिनर्जी मंडल सम्मेलन में 3,000 रोटेरियन और एन्स एवं 500 रोटरेक्टर थे।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

CHOGM, रवांडा में अध्यक्ष मेहता

टीम रोटरी न्यूज़

जून 2022 में रो ई अध्यक्ष के रूप में शेखर मेहता ने एक निजी आयोजन में चुनिंदा हस्तियों के बीच प्रिंस चार्ल्स को रोटरी अवार्ड ऑफ ऑनर से नवाज़ा, जो किगाली, रवांडा में चल रही कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग (CHOGM) में मौजूद थे। मेहता ने वहनीयता और जैव विविधता के प्रति उनके समर्पण की सराहना की और पर्यावरण की रक्षा के लिए रोटरी की साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। प्रिंस ऑफ वेल्स ने रोटरी द्वारा किये जा रहे मानवीय कार्यों की प्रशंसा की।

रोटरी अवार्ड ऑफ ऑनर, 1990 में रोटरी इंटरनेशनल द्वारा स्थापित किया गया था, ये अवार्ड, राष्ट्राध्यक्षों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को अंतर्राष्ट्रीय समझ, तालमेल और सद्भावना में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जाता है।

दाएं: रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि ने प्रिंस चार्ल्स को रोटरी बैनर भेंट किया।

नीचे: डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक मेलिंडा गेट्स के साथ अध्यक्ष मेहता।

रवांडा में CHOGM में, मेहता ने पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के रोटरी के पुराने सहयोगियों और भागीदारों से भी मुलाकात की, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक मेलिंडा गेट्स। ■

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

गरीब महिला के लिए घर

नवनिर्मित घर के सामने लाभार्थी के साथ रोटरी क्लब वेल्लोर साउथ के सदस्य।

रोटरी क्लब वेल्लोर साउथ ने एक वंचित महिला के लिए कम लागत वाले आश्रय का निर्माण किया। ₹1.75 लाख की लागत से निर्मित 180 स्क्वेर फुट पर बना घर पूरी तरह से सुसज्जित है। क्लब के सदस्यों ने एक महीने के लिए आवश्यक सामान और किराने का सामान दान किया।

क्लब ने पायलट को किया सम्मानित

महाश्वेता चक्रवर्ती, पीडीजी अजय अग्रवाल से पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

रोटरी क्लब कलकत्ता मेट्रो सिटी ने हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में 24 वर्षीय महाश्वेता चक्रवर्ती, एक युवा महिला पायलट, को युद्धग्रस्त यूक्रेन से 800 भारतीय छात्रों को घर लाने के लिए स्वयं सिद्ध पुरस्कार से सम्मानित किया।

दीपक शिखरपुर को स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया

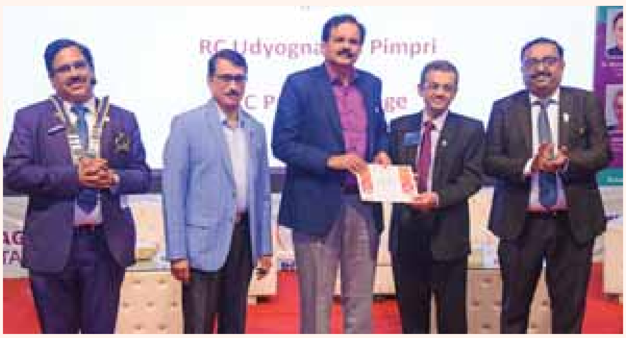

दीपक शिखरपुर (बाएं) डीजी डॉ अनिल लालचंद परमार, पीडीएफ डॉ शैलेश पालेकर और पंकज शाह की उपस्थिति में ट्रस्टी भरत पांड्या से पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

रो ई निदेशक मंडल ने हाल ही में रोटरी क्लब पुणे शिवाजीनगर, रो ई मंडल 3131, के सदस्य PDG दीपक शिखरपुर को *Service Above self* पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने अपने मंडल में DRRFC और RPIC के रूप में सेवा कार्य किया।

लड़कियों का सशक्तिकरण

(बाएं से): क्लब अध्यक्ष संतोष सेनापति (2021-22), पीडीजी अश्विनी कर और क्लब सदस्य बिजोयलक्ष्मी कर लाभार्थियों को सिलाई मशीन सौंपते हुए।

क्लब की *जॉय ऑफ गिविंग* और वूमेन एम्पावरमेंट पहल के तहत रोटरी क्लब भुवनेश्वर, रो ई मंडल 3262, ने तीन जरूरतमंद लड़कियों को सिलाई मशीनें दान की ताकि उन्हें सम्मानजनक रूप से जीवन यापन करने में मदद मिल सके।

महिला सशक्तिकरण में चुनौतियां

वी मुत्तुकुमारन

सहानुभूति और शक्ति जुटाने की क्षमता, दृढ़ संकल्प, निरंतर सीखने और भूलने की एक प्रक्रिया, और हमेशा आपके आरामदायक कार्यस्थल से बाहर निकलकर सफल होने की निरंतर कोशिश, ये वे गुण थे जो चार सफल महिला नेतृत्वकर्ताओं ने *सिनर्जी 22* नामक रो ई मंडल 3232 के मंडल सम्मेलन में रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश द्वारा संचालित एक पैनल चर्चा में सामने रखे।

प्रेरणादायक महिला नेतृत्व - एक नया क्षितिज नामक सत्र को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि अमेरिका में *ब्लैक लाइव्स मैटर* आंदोलन, जो बाद में विभिन्न आयामों के साथ अन्य देशों में फैल गया, की शुरुआत से ही, ''DEI सिद्धांत परिवर्तन को अपनाने वाले संगठनों के साथ तेजी से प्रसिद्ध हो गया है। हमारी 117 वर्ष पुरानी रोटरी को 1 जुलाई से जेनिफर जोन्स के रूप में उसकी पहली महिला अध्यक्ष मिलेगी, और उपाध्यक्ष के रूप में RID निकी स्कॉट उनका साथ देंगी।'' उन्होंने कहा कि रो ई में DEI टास्क फोर्स अब संगठन को मजबूत बनाने और उसे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए नस्लीय, लिंग, कौशल और आयु विविधता का ध्यान रख रही है। इस साल, रो ई बोर्ड के 19 सदस्यों में से नौ महिलाएं है।

महिला पैनलिस्टों ने क्या कहा उसका सारांश यहाँ दिया गया है:

पोनी कोनसेसाओ, वास्तुकार: हालांकि मुझे NIT, तिरुचि, में दाखिले के लिए प्रवेश पत्र मिला था, प्रिंसिपल ने इसलिए प्रवेश से इनकार कर दिया क्योंकि मैं एक महिला थी। मैंने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी; एक कानूनी मुकदमा दायर करने की भी, क्योंकि मुझे पता था कि मेरा केस बहुत मजबूत था और यहां तक कि भारतीय संविधान भी मेरा साथ देगा। उस बैच में 3,000 पुरुष छात्रों के बीच मैं एकमात्र महिला थी।

जब मैं कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क गई, तो उस संस्थान में दाखिला लेने वाली मैं पहली भारतीय महिला थी। बाद में, पुरुषों को मेरे उद्यम के लिए मुझे व्यापारिक ऑर्डर देने के लिए मनाना आसान नहीं था। कानून, चिकित्सा या अन्य व्यवसायों के विपरीत, निर्माण व्यवसाय में 'समानता कारक' काम करता है। इस उद्योग में एक महत्वाकांक्षी महिला को पसंद नहीं किया जाता है, जबकि पुरुषों के लिए ऐसी कोई सीमाएं नहीं हैं।

टीआरएफ ट्रस्टी डॉ भरत पांड्या को डीजी जे श्रीधर (2021-22) द्वारा इवेंट के अध्यक्ष विनोद सरावगी और रोटरी क्लब मद्रास के अध्यक्ष मोहन रमन की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

जया वैद्यनाथन, CEO, BCT डिजिटल: मैं कॉर्नेल में पोनी से 10 साल जूनियर थी। 1990 के दशक में, जब मैंने कहा की कि मुझे बच्चे चाहिए, तो मेरे सहयोगियों, निवेश बैंकरों ने कहा कि यह कैरियर में आत्महत्या करने के बराबर है। महिलाओं के लिए कार्यस्थल में स्वीकार किया जाना, और अपने पेशे में पसंद किया जाना महत्वपूर्ण है। अधिक महिलाओं के काम करने से निश्चित रूप से देश की GDP को बढ़ावा मिलेगा।

कड़वी सच्चाई यह है कि लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों में केवल 10 प्रतिशत महिलाएं है, हालांकि महिलाएं इस देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। हमें अच्छे राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिए विधायिकाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण की आवश्यकता है, हालांकि मैं कोटा प्रणाली के खिलाफ हूं। महिलाएं पुरुषों की तुलना में बहु कार्यन में बेहतर होती है।

प्रतिभा बाचू, प्रमुख, बॉश सर्विस सॉल्यूशन, भारत: कार्यस्थल में महिलाओं के खिलाफ अभी भी बेसुधी, सूक्ष्म पूर्वाग्रह मौजूद है क्योंकि सामाजिक

बाएं से: जया वैद्यनाथन, प्रतिभा बैचू, रो ई निदेशक ए एस वेंकटेश, पोन्नी कॉन्सेसाओ और प्रभा श्रीनिवासन एक पैनल चर्चा में।

अनुबंधनों को तोड़ना मुश्किल होता है। जर्मनी में मेरा तीन महीने का प्रशिक्षण कठिन था क्योंकि कई साल पहले वहां कोई महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर नहीं थी। जब मैंने अपना करियर शुरू किया, तब केवल 150 सदस्यों की एक टीम थी, लेकिन अब हमारे पास उत्पाद विकास के लिए दुनिया भर में 27,000 से अधिक कार्यबल के साथ बड़ी टीमें मौजूद है। पदानुक्रम पर चढ़ते समय सही दृष्टिकोण बहुत मायने रखता है, और हमें स्थिर विकास के लिए जल्दी से भूल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रभा श्रीनिवासन, CEO, वेंचुरा परानास: जब मैं अपनी कंपनी से जुड़ी, तब पुरुष एक महिला CEO के नीचे काम करने के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन हम आगे बढ़े, और अब हमारे स्टाफ में 40 प्रतिशत महिलाएं है। हमारे पास परवरिश करने की एक प्राकृतिक प्रतिभा होती है क्योंकि हमारी जैविक प्रणाली हमारे भविष्य को आकार देने में एक बड़ी भूमिका निभाती है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, TRF न्यासी भरत पांड्या ने कहा कि रोटेरियनों को याद रखना चाहिए कि सफलता हमेशा कड़ी मेहनत के साथ मिलती है, और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको पर्याप्त बुद्धिमान भी होना चाहिए। ''आपको *ग्रो रोटरी* पहलों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, केवल सदस्यता पर ही नहीं जो रोटरी के दिल में है, बल्कि सार्वजनिक छवि बनाने, TRF का समर्थन करने, नए सदस्यों को शामिल करने और बड़ी प्रभावशाली सेवा परियोजनाओं को लेने पर भी,'' उन्होंने कहा।

पिछले दो वर्षों में, कोविड महामारी ने हर जगह अंधेरा और निराशा फैलाई है। ''आप समाचार पत्रों के पन्नों को पलटते है, और वे गंभीर समाचारों से भरे होते है। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध, आतंकवाद और भुखमरी शामिल होते है। लेकिन अंधकारमय समय के बीच रोटेरियन की प्रतिबद्धता अटूट है।'' एक सरल सूत्र को सामने रखते हुए जिसे उन्होंने 'PhD' नाम दिया, पांड्या ने कहा, ''दुनिया में अच्छा करने का जुनून, सेवा परियोजनाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने की भूख और भारी बाधाओं के बावजूद बार-बार सही चीजें करते रहने के लिए सूक्ष्म बातों पर ध्यान देने में अनुशासन, ये वह चीजें है जो कठिन समय में रोटरी को पार ले जाएंगी।''

जब 14 वर्षीय रोमानियाई जिमनास्ट नादिया कोमानेसी से 1976 के मॉन्ट्रियल ओलंपिक में 10 में से 10 स्कोर करके स्वर्ण जीतने के बाद उनकी सफलता का रहस्य पूछा गया, तो उन्होंने दो शब्दों में कहा: अभ्यास और अनुशासन।

सदस्यता वृद्धि पर, उन्होंने रोटेरियनों को अपने जीवनसाथी, रिश्तेदारों और दोस्तों से पूछते रहने का सुझाव दिया ताकि रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता के 'हर एक, लाए एक' मंत्र के माध्यम से किए गए आह्वान को सार्थक किया जा सकें। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि नए सदस्यों को रोके रखने के लिए उन्हें व्यस्त रखा जाए और गतिविधियों में सम्मिलित किया जाए।

पांड्या ने आगे कहा कि TRF में रोटेरियनों द्वारा किए जाने वाले स्वैच्छिक दान वार्षिक कोष के माध्यम से वैश्विक कार्यक्रमों और परियोजनाओं को चलाने के लिए महत्वपूर्ण है। ''हमारा संस्थान रोटरी की रीढ़ है क्योंकि यह बेघरों को घर, चिकित्सा देखभाल, पानी और स्वच्छता एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए वैश्विक परियोजनाओं के लिए धन आवंटित करता है।'' रोटरी अपनी वैश्विक अनुदान परियोजनाओं के लिए वित्तीय नेतृत्व और पारदर्शिता का एक उच्च पैमाना सुनिश्चित करता है, उन्होंने कहा, ''क्योंकि मिलने वाले कुल धन का 92 प्रतिशत सेवा परियोजनाओं पर खर्च किया जाता है। TRF के धन को प्रभावी रूप से, बुद्धिमानी से और पूरी पारदर्शिता के साथ खर्च किया जाता है।''

यदि सभी रोटेरियन TRF में निवेश करते रहे, ''तो हम अपने बच्चों और पोते-पोतियों के लिए एक महान जीवन के साथ एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकते है। संस्थान को ख्याति की एक विरासत प्राप्त है। 2006-07 में, जब मैं तत्कालीन रो ई मंडल 3140 का गवर्नर था, तब हमारा TRF को दान 2 मिलियन डॉलर का था, जो दुनिया भर में सर्वाधिक था, और यह रोटेरियन हर्षद मेहता के 1 मिलियन डॉलर के दान के माध्यम से संभव हो पाया था। यह 16 साल पहले की बात है।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

आपके गवर्नर्स

राजेश कुमार चूरा
माइनिंग, रोटरी क्लब बीकानेर, रो ई मंडल 3053

नए सदस्यों को आकर्षित करने के लिए फैलोशिप कार्यक्रम

शिक्षा, पर्यावरण और बीमारी की रोकथाम रो ई मंडल 3053 के तीन ध्यानाकर्षण क्षेत्र होंगे। हम भारत के सबसे बड़े मंडलों में से एक है। मैंने क्लबों के लिए एक महीने में 2-3 स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की योजना बनाई है ताकि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित परिवारों को लाभ पहुंचाया जा सके,'' राजेश के चूरा कहते है। वर्तमान में, मंडल में 3,000 से अधिक रोटेरियनों के साथ 75 क्लब है और वह सदस्यता एवं क्लबों में 10 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि का लक्ष्य रख रहे है। ''महिलाओं का कौशल विकास इस साल हमारी गतिविधियों में एक प्रमुख क्षेत्र होगा।''

वह कहते है, ''मंडल के क्लब नए सदस्यों को आकर्षित करने के लिए कई फैलोशिप कार्यक्रम आयोजित करेंगे। हम अपनी सार्वजनिक छवि को बढ़ाने के लिए TRF की वैश्विक परियोजनाओं के बारे में प्रचार करेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे।'' रोटरेक्ट के मुद्दे पर, चूरा रोटरेक्टरों के लिए भी कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करना चाहते है। ''यहाँ लगभग 1,000 रोटरेक्टर है और हम इस संख्या में 10 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि का लक्ष्य रख रहे है।'' वह दो डायलिसिस केंद्र, एक जोधपुर में और दूसरा राजस्थान के एक प्रमुख शहर में, स्थापित करने के लिए वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करेंगे।

रोटरी क्लब अलवर एक वैश्विक अनुदान और सदस्य योगदान के मिश्रण के माध्यम से एक विशाल ब्लड बैंक (₹50-1 करोड़ तक) स्थापित करेगा। TRF को देने के लिए उन्होंने केवल वार्षिक निधि के लिए 200,000 डॉलर से अधिक का लक्ष्य रखा है। 2005 में रोटरी क्लब बीकानेर के अध्यक्ष के रूप में शशि मोहन मुंदरा की स्थापना के दौरान चूरा रोटरी में शामिल हुए।

अनिल अग्रवाल
प्रिंटिंग एण्ड पैकिजींग, रोटरी क्लब प्रयागराज, रो ई मंडल 3120

क्लबों के लिए कार्यवाही के सात ध्यानाकर्षण क्षेत्र

सख्ती से अनुशासन का पालन करने वाले अनिल अग्रवाल अपने मंडल के 10 क्लबों को बंद करना चाहते हैं क्योंकि उनमें 12 से कम सदस्य है और उन्होंने पिछले 3-4 वर्षों में कोई भी उल्लेखनीय परियोजना नहीं की है।'' मंडल में 91 क्लबों और 3,900 रोटेरियनों के साथ उनका लक्ष्य सदस्यता में 10 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि का है। ''मैं 20 नए क्लबों को आधिकृत करूंगा। वह कहते है, सभी नए क्लबों में कम से कम 25 अधिकृत सदस्य होंगे।''

हालांकि कागज़ में 64 रोटरेक्ट क्लब है, उनमें से केवल 22 सक्रिय है। ''मैं रोटरेक्टरों की संख्या को तीन गुना करके 600 तक ले जाना चाहता हूँ। युवा शक्ति को रोटेरियनों के मार्गदर्शन में दिशा देने की आवश्यकता है।'' उन्होंने अपने क्लबों के लिए कार्यवाही के सात क्षेत्रों का प्रारूप तैयार किया है: रक्तदान और जागरूकता शिविर; राज्य पर्यावरण मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से प्रत्येक 2,500 वर्गमीटर के 15 सूक्ष्म वनों का निर्माण; 100 तालाबों की बहाली; बाल टीकाकरण और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए टीकाकरण; प्रत्येक क्लब नियमित स्वास्थ्य शिविरों के लिए एक वंचित कॉलोनी को अपनाएगा; KG से PG स्तर तक के बच्चों की शिक्षा का प्रायोजन; और SHG में 12 सैनिटरी पैड बनाने वाली इकाइयों (₹1 करोड़) की स्थापना के लिए एक वैश्विक अनुदान परियोजना। अक्षय निधि पर ज़ोर देने के साथ उनका TRF लक्ष्य 100,000 डॉलर का है। एक तीसरी पीढ़ी के रोटेरियन होने के नाते, अग्रवाल ने एक इंटरेक्टर के रूप में शुरुआत की। ''मैं 2005-06 में अपने दोस्त अवनीन्द्र अग्रवाल और अपने पिता की वजह से एक रोटेरियन बना,'' वह याद करते है।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

जिनेंद्र जैन

पानी की पाइपलाइन, रोटरी क्लब भोपाल शाहपुरा, रो ई मंडल 3040

स्वास्थ्य शिविरों से ग्रामीण परिवारों को होगा लाभ

जिनेंद्र जैन के लिए अनेक चुनौतियों में से एक है अपने मंडल में मौजूदा 2,700 से अधिक रोटरेक्टरों को बनाए रखना ''क्योंकि रोटरेक्ट क्लबों के लिए सदस्यता शुल्क अनिवार्य हो जाने के बाद से उनमें से ज्यादातर लोग छोड़कर जा सकते है। लेकिन मुझे कम से कम 20 नए रोटरेक्ट क्लब शुरू करने का भरोसा है।'' 112 रोटरी क्लबों और 2,800 रोटेरियन के साथ उन्हें इस साल कम से कम आठ नए क्लबों के गठन और 20 प्रतिशत की शुद्ध सदस्यता वृद्धि की उम्मीद है।

मंडल भर में 50 से अधिक नेत्रदान शिविर आयोजित किए जाएंगे और वह मध्य प्रदेश में तीन डायलिसिस केंद्रों (100,000 डॉलर) को स्थापित करने हेतु वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करेंगे। पिछले 10 वर्षों में, मंडल के क्लबों ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक बहु-विशेषता वाले स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए है।

''अमरावती की एक मैमोग्राफी वैन स्तन कैंसर के लिए वंचित महिलाओं की जांच करने हेतु हमारे मंडल का दौरा करती है। सभी क्लबों से ग्रामीण लाभार्थियों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक महीने में 2-3 स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का आग्रह किया जाएगा,'' जैन कहते है।

TRF को देने पर वह कहते है, ''लक्ष्य को पूरा करना एक कठिन चुनौती है। लेकिन इस साल यह 130,000 डॉलर से कम नहीं होगा। अपने बड़े भाई PDG नरेंद्र जैन से प्रेरित होकर वह 2012 में रोटरी से जुड़े।

डॉ दुष्यंत चौधरी

जनरल फिजिशियन, रोटरी क्लब जम्मू तवी, रो ई मंडल 3070

मैमोग्राफी वैन उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है

मंडल में अधिक क्लबों को जोड़ने से महत्वपूर्ण है गुणवान रोटेरियनों को जोड़ना, डॉ दुष्यंत चौधरी कहते है, जो 3,600 रोटेरियनों के साथ अपने मंडल में मौजूदा 130 रोटरी क्लबों से संतुष्ट है। ''मेरा लक्ष्य मौजूदा क्लबों में 20-25 प्रतिशत की सदस्यता वृद्धि का है, जिसमें प्रत्येक में कम से कम 35 से अधिक सदस्य होने चाहिए,'' वह कहते है। वह रोटरेक्ट सदस्यता में 50 प्रतिशत की वृद्धि के लिए काम करेंगे जिसमें अभी लगभग 500 रोटरेक्टर है। ₹1 करोड़ के वैश्विक अनुदान के माध्यम से जम्मू में एक रोटरी नेत्र अस्पताल स्थापित किया जाएगा। ''मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट एक मैमोग्राफी वैन (वैश्विक अनुदान: ₹90 लाख) शुरू करना है क्योंकि देश के इस हिस्से में स्तन कैंसर एक आम बात है। मुझे जनवरी 2023 के पहले परियोजना के पूरे होने का भरोसा है।'' एक और बड़ी योजना रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाने हेतु मंडल के हर शहर में रोटरी व्हील लोगो को स्थापित करने की है। ''प्रत्येक नागरिक को रोटरी के बारे में पता होना चाहिए कि यह क्या करती है और इसने कितनी वैश्विक उपलब्धियां हासिल की है। रोटरी को हर एक घर तक पहुँचना चाहिए,'' डॉ चौधरी बताते है। TRF को देने के लिए उनका लक्ष्य 300,000 डॉलर का है। वह 1997 में RAC गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू, के चार्टर अध्यक्ष के रूप में रोटरी में शामिल हुए। लेवल-1 के एक प्रमुख दानदाता, डॉ. चौधरी ने कहा कि वह विशाल कार्यक्रमों के माध्यम से रोटरी की दृश्यता को बढ़ाने हेतु कदम उठाएंगे।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

अपने स्वास्थ्य को भविष्य के लिए सुरक्षित कीजिए

भरत और शालन सवुर

जब मैंने सुना कि महान गायक भूपिंदर सिंह का 'मूत्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से पीड़ित होने के बाद निधन हो गया,' तो मेरे दिमाग में खतरे की घंटी बजी। मेरे दो दोस्तों को भी इसी तरह की समस्याएं हो रही थी। एक को मूत्र पथ की सर्जरी करवानी पड़ी पर शुक्र है कि वो ठीक है जबकि दूसरे को कभी-कभी सच में समस्या होती थी और कभी भ्रम।

प्रिय दोस्तों, हम में से हर एक को अपने शरीर और दिमाग को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाना होगा ताकि हम अपने जीवन के बाद के वर्षों में तनाव या चोट या उपेक्षा के दरवाजे के माध्यम से किसी भी बीमारी को अपने अंदर प्रवेश करने की अनुमति न दें। जैसे कि बेसबॉल खिलाड़ी मिकी मेंटल ने मजाक में कहा था, 'अगर मुझे पता होता कि मैं इतने लंबे समय तक जीने वाला हूँ तो मैंने खुद की बेहतर देखभाल करता।' वह 63 साल की उम्र में चल बसे।

खुद की देखभाल करने का अर्थ है कि अपने खान-पान का ध्यान रखना, सक्रिय और अधिक सतर्क रहना। सालों पहले, हम दोनों तीव्र एसिडिटी से पीड़ित थे। यह बहुत असहज था; हमारा कुछ में भी मन नहीं लगता था। हमारे पारिवारिक डॉक्टर ने पूछा, 'आपकी सुबह की सबसे पहली चीज़ क्या है? कॉफी हमने कहा। एक कप चाय के साथ शुरू करो, उन्होंने कहा। हमने किया। इसने जादू की तरह काम किया है। छोटे बदलाव ही एक स्वस्थ परिवर्तन लाते है।

पानी का सहारा

हाल ही में, एक प्राकृतिक चिकित्सक ने एक साक्षात्कार में सलाह दी, 'यदि आप सिरदर्द से ग्रस्त है, तो सुबह सबसे पहले एक कप गर्म पानी पीजिए। आप अपनी चाय या कॉफी बाद में ले सकते है। बस तब से यह समस्या खत्म हो गई। पानी एक चमत्कारी दवा है। इसे सुबह सबसे पहले गर्म करके पीजिए। और दिन भर में कभी भी दो-दो घूंट पिएं। मूत्र संक्रमण और विकार ज्यादातर पानी की कमी के कारण होते है। अपने मूत्र पथ को भविष्य तक के लिए सुरक्षित बनाने हेतु जितना हो सके उतना अधिक पानी पिएं। बहुत अधिक पानी भी एसिडिटी का कारण बन सकता है। तो बस पर्याप्त मात्र में ही पानी पीजिए।

सुझाव: प्यास लगने का इंतजार न करें। छुट्टी या व्यावसायिक यात्रा पर होने पर भी पानी पीते रहें। मैंने देखा है कि कई लोग शहर से बाहर की यात्रा के बाद UTI (मूत्र पथ संक्रमण) से जूझते क्योंकि वहाँ वे पानी को छोड़कर लगभग हर चीज का सेवन करते है!

जब मन शांत होता है, तो यह देखना आश्चर्यजनक होता है कि खाने की सुगंध कितनी अद्भुत लगती है और आपको अच्छा महसूस करने के लिए कितना कम खाने की आवश्यकता होती है।

अपने पेट को खुश रखें

चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि एक स्वस्थ पेट से ही मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। हमारे तंत्रिका तंत्र का एक हिस्सा, जिसे आंत्र तंत्रिका तंत्र कहा जाता है, हमारे पूरे पाचन तंत्र के माध्यम से ही चलता है - अन्नप्रणाली से होकर आंतों के माध्यम से गुदा तक। शोधकर्ताओं ने जाना कि आंत में मौजूद सूक्ष्मजीव वास्तव में शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को विनियमित करते है। और एक दुखी आंत कब्ज से शुरू होकर अल्सर और अवसाद और यहां तक कि पार्किंसंस और अल्जाइमर रोग तक किसी भी बीमारी का कारण बन सकती है।

अपने भोजन के सेवन पर ध्यान दें। कुछ भी बिना सोचे-समझे न खाएं। यदि आपको किसी भी भोजन से एलर्जी है, भले ही वो आपकी पसंदीदा चॉकलेट, नट्स, पनीर या मकई हो, इससे मीलों दूर रहें।

टिप 1: इससे दुखी होकर अपने आप को तनाव न दें। यह धीरे-धीरे आपके शरीर को कमजोर करता है जिससे सभी प्रकार के विकार और बीमारियां उत्पन्न होती है।

टिप 2: अपने पेट को स्वस्थ और खुश रखने पर ध्यान केंद्रित करें। इन खाद्य पदार्थों का सेवन करें:

- फलियाँ, जई, चुकंदर, शकरकंद, भिंडी। इनमें अधिक मात्रा में फाइबर होने के करण ये पेट को बढ़िया तरीके से साफ करते है।
- दही, लहसुन, प्याज, एवोकैडो, लौंग, अदरक आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते है। गाजर, लौकी, चुकंदर में पॉलीफिनोल्स होते है जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते है।

अच्छा भोजन करें

हम जिस दृष्टिकोण से खाने की मेज पर बैठते है वो बहुत महत्वपूर्ण है। हम सभी जानते है कि अत्यधिक खाने से उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसे साथी विकारों के साथ मोटापा बढ़ता है। खाते वक्त दिमाग शांत रखें और आराम से खाएं। जब हम उत्साहित या उत्तेजित होते है, तो हम बहुत तेजी से खाते है या अत्यधिक खाते है, जब नाखुश होते है, तो हम बहुत कम खाते है या बिल्कुल भी नहीं खाते। और जब मन शांत होता है, तो यह देखना आश्चर्यजनक होता है कि खाने की सुगंध कितनी अद्भुत लगती है और आपको अच्छा महसूस करने के लिए कितना कम खाने की आवश्यकता होती है। आपको मेज से भूखे या अत्यधिक खाया हुआ महसूस करते हुए नहीं उठना है, आपको केवल तब ही उठना है जब आप अच्छा महसूस करें।

मर्म यह है कि प्रयोग करते रहें। देखें कि आपको क्या सूट करता है और क्या नहीं। उदाहरण के लिए, हाल ही में मैंने जाना कि मकई मेरे सिस्टम के अनुरूप नहीं है। हमें फाइबर का सेवन करते वक्त भी सावधान रहना होगा। एक दोस्त जिसे सफेद चावल के बजाए भूरे रंग के चावल खाने की चिकित्सकीय सलाह दी गई थी, उसने पाया कि इससे उसके पेट में सूजन और दर्द हो रहा था जो दो दिनों तक रहा। डॉक्टर की सलाह पर, वह फिर कम मात्रा में सफेद चावल खाने लगी और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ है। यह सब अत्यधिक व्यक्तिपरक होता है।

खुशहाल हार्मोन की उच्च मात्रा

व्यायाम खुशी बढ़ाने वाले हार्मोन - एंडोर्फिन - के उत्पादन में वृद्धि करके हमारी आंत को खुश रखता है। तेजी से चलना, जोर-ज़ोर से व्यायाम करना, सीढ़ियों पर चढ़ना, दौड़ना या नृत्य करना इन शक्तिशाली हार्मोन को बढ़ाता है - वे प्राकृतिक दर्द-निवारक होते है, वे हमारी असुविधा को कम करके हमें खुश रखते है।

सक्षम होने के लिए स्थिर रहें

कोविड ने लगभग हर किसी के जीवन में बहुत तबाही मचाई है। परिवर्तन से अपार असुविधाएं होती है और नकारात्मक परिवर्तन अभिभूत करते है।

राजा सुलैमान के लिए कथित एक अद्भुत वाक्यांश 'यह भी चला जाएगा' को याद रखें। इससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि वर्तमान में हम जिस भी स्थिति में है वो ज्यादा समय तक नहीं रहेगी। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि जीवन जीने का बस यही तरीका है। इसका तरीका यह है कि जब तक अच्छा समय है उसका आनंद लें और जब बुरा समय आए तो धैर्य रखें।

अपने आसपास घटित होने वाली हर छोटी अच्छी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि ओपरा विनफ्रे कहते है, 'आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए आभारी रहें; अंत में आपको अधिक ही मिलेगा।

अपने आसपास घटित होने वाली हर छोटी अच्छी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि ओपरा विनफ्रे कहते है, 'आपके पास जो कुछ भी है उसके लिए आभारी रहें; अंत में आपको अधिक ही मिलेगा।'

सुझाव: जब भी आप उदास महसूस करें, तो विचारशील रहें, मूडी नहीं। इससे आपका मस्तिष्क मजबूत बनेगा। आप अपने बौद्धिक स्तर को छूते है और अपने दिमाग के स्टीयरिंग व्हील को स्थिर रखते है। स्थिरता से क्षमता बढ़ती है।

अपनी योजनाओं को बार-बार न बदलें - यह प्रतिकूल होता है। अपने आहार, भोजन-समय, कसरत की नियमितता, गर्म पानी से स्नान, ध्यान, नींद, परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने, जो कुछ भी आपको अच्छा लगता है उसे करने पर कायम रहें। भूल जाइए कि सोशल मीडिया प्रभावकारी या टेलीविजन एंकर क्या कहते है - वे उसी के अनुसार चलते है जो आज चलन में है और ऐसे ही चलते रहेंगे। इसके बजाय अपनी व्यक्तिगत दिनचर्या के साथ अपने स्वयं के दैनिक जीवन पर महारत हासिल करें। अपने स्वास्थ्य और अपने जीवन को वर्तमान और भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएं...

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

वैश्विक अनुदान योगदान

वैश्विक अनुदान (GG) के लिए नकद योगदान इसकि स्वीकृति से पहले नहीं भेजे जाना चाहिए। यदि आवेदन स्वीकृत नहीं होता है तो योगदान ऐन्यूअल फंड-शेयर में जमा किए जाएंगे और उसके बाद पुन: आवंटित नहीं किए जा सकते। सभी वैश्विक अनुदान योगदानों को TRF के लिए अपरिवर्तनीय योगदान माना जाता है और उन्हें वापस नहीं किया जाएगा।

मंडल प्रतिक्रिया अनुदान

महामारी के दौरान संस्थान ने समुदायों को सहायता प्रदान करने हेतु मंडलों को आपदा प्रतिक्रिया अनुदान का उपयोग करने की मंजूरी दी थी। TRF मानता है कि इन अनुदान निधियों का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जा रहा है जिसके लिए इसे मंजूर किया गया था और वह मंडलों को इन अनुदानों की अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहता है। रिपोर्ट हाथ से फाइल किया जाना आवश्यक है और ये ग्रान्टस सेंटर में उपलब्ध नहीं है। जो मंडल पहले ही रिपोर्ट दे चुके है वे कृपया इस संदेश को अनदेखा करें। रिपोर्टिंग की आवश्यकताओं और आवश्यक स्वरूप/टेम्पलेट को http://www.rotaryfoundationindia.org/reporting/ पर प्राप्त किया जा सकता है

चेक/डिमांड ड्राफ्ट द्वारा रोटरी फाउंडेशन (भारत) को योगदान देने के लिए दिशानिर्देश

- ➢ प्रपत्र/कवरिंग नोट जिसमें सभी दानकर्ताओं के विवरण (नाम, सदस्यता पहचान पत्र, निधि प्रयोजन और पैन कार्ड) का उल्लेख हो।
- ➢ पर्मनन्ट अकाउंट नंबर (PAN) सभी दानों के लिए अनिवार्य है फिर राशि चाहे कितनी भी हो।
- ➢ कॉर्पोरेट पत्र यदि योगदान दाता के स्वयं/परिवार-नियंत्रित व्यवसाय/न्यास के खाते से किया गया है।

Rotary.org की ओर से

- दोहरी आई डी बनाने से बचने और अपने क्लब के अंतर्गत अपने योगदान का समय पर भुगतान प्राप्त करने के लिए कृपया *My Rotary* लॉगिन का उपयोग करें
- यदि आपके पास *My Rotary* का लॉगिन नहीं है तो उसे बना लें या फिर ऑनलाइन योगदान करते समय अपने पंजीकृत ईमेल पते का उपयोग करें
- परिवार न्यास/कंपनी से योगदान के मामले में, रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय को चेक/बैंक ड्राफ्ट भेजें। *My Rotary* के माध्यम ऐसे योगदान न करें
- अपनी 80-G रसीद पर सही पैन सुनिश्चित करने के लिए सबमिट पर क्लिक करने से पहले अपने पैन की दोबारा जांच करें

लर्निंग सेंटर पाठ्यक्रम

रोटेरियन और नेतृत्वकर्ता होने के नाते, आप रोटरी के ऑनलाइन लर्निंग सेंटर को देख सकते है जो आपको आपकी नेतृत्व भूमिका में सहायता प्रदान करने के लिए अनेक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। दानकर्ताओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के सुझावों के लिए लर्निंग सेंटर में उपलब्ध नए फंडरेसिंग बेसिक्स पाठ्यक्रम की मदद लें। अपने सहयोगियों द्वारा पोस्ट किए गए ब्रोशर विचारों, संदर्भ मार्गदर्शिकाओं, पॉवर पॉइंट प्रस्तुतियों और धन संचयन उपकरणों को देखने के लिए फाउंडेशन गिविंग लर्निंग टॉपिक पर जाएँ। कोर्स कैटलॉग में उपलब्ध सभी पाठ्यक्रमों की एक सूची देखें।

रोटरी के लाइसेन्स धारक विक्रेता

रोटरी ने दुनिया भर में 130 से अधिक विक्रेताओं को लाइसेंस दिया है जिन्हें रोटरी चिह्नों और लोगो वाले सामान का निर्माण करने और उनको बेचने की अनुमति है। इन लाइसेंस धारक विक्रेताओं द्वारा की गई सारी बिक्री का एक हिस्सा रोटरी को दिया जाता है, जिससे सभी जगह के क्लबों और मंडलों को प्रदान की जाने वाली परिचालन सेवाएं लाभान्वित होती है। नकली माल रोटरी के ब्रांड या छवि को नुकसान पहुंचा सकते है। आप https://my.rotary.org/en/member-center/licensed-vendors पर जाकर हमारे विक्रेताओं की सूची देख सकते है। बिना लाइसेंस वाले विक्रेताओं के बारे में rilicensingservices@rotary.org पर सूचित किया जा सकता है

For your reference, details of licensed vendors from India are given below:

Licensed Vendors	Address
Better Services	Office #350, A To Z Industrial Estate, Ganpatrao, Kadam Marg Lower Parel (W) Mumbai 400013
Mohan Plastics	63, Roshanara Plaza Complex Roshanara Road New Delhi 110007
Tej Brothers	4806/24, Bharat Ram Road Darya Ganj, New Delhi 110002
Sacheti & Co	Shiwaji Nagar, Opposite Jain Temple, Kishangarh 305801 Rajasthan
Naveen Enterprises	No 11, Naveen Mansion 11th Main Road, Aurobindo Marg, 5th Block, Jayanagar Bengaluru 560041
BK AD Gifts	130 C, Kottur Road Palayamkottai, Tirunelveli Tamil Nadu 627002

रो ई लाइसेन्स टीम से rilicensingservices@rotary.org या 847-866-4463 पर संपर्क करें। आप rajesh.anand@rotary.org पर कानून और नेतृत्व प्रबंधक राजेश आनंद से भी संपर्क कर सकते है।

भरूच मेडिकल कैंप में 5,500 लोगों की जांच

टीम रोटरी न्यूज़

डीजी संतोष प्रधान (दाएं) और उनकी पत्नी सुनेत्रा ने चिकित्सा शिविर में बच्चों को पोषण किट वितरित किये।

रोटरी क्लब भरूच, रो ई मंडल 3060 द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, इंडियन डेंटल एसोसिएशन और भरूच होम्योपैथी एसोसिएशन के साथ साझेदारी में एक मेगा चिकित्सा-सह-सर्जिकल शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सामान्य बीमारियों के लिए 5,500 कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों की जांच की गई। दवाओं का वितरण किया गया।

उद्घाटन समारोह में डीजी संतोष प्रधान, एजी तुषार जिनवाला, जिला कलेक्टर तुषार सुमेरा, एसपी (भरूच) डॉ लीना पाटिल और पार्टनर एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। ''शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को मुफ्त परामर्श, दवाएं प्रदान करना, और अगर ज़रूरत हो तो उन्हें विशेष उपचार या सर्जरी के लिए संदर्भित करना है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सर्जरी के लिए संदर्भित लोगों को सही समय पर स्वास्थ्य सेवा मिल जाए,'' भरूच के विधायक दुष्यंत पटेल, जो कि एक रोटेरियन और इवेंट राजदूत हैं, ने कहा।

शिविर में विभिन्न विशिष्टताओं के लगभग 215 चिकित्सक और 300 स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। ''सात साल पहले, हमने इस वार्षिक चिकित्सा शिविर की शुरुआत गरीबों के लिए स्वास्थ्य देखभाल के महत्व को महसूस करते हुए की थी। प्रत्येक शिविर के बाद, हम सर्जरी का रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और रोगियों को फॉलो-अप प्रक्रियाओं के लिए संदर्भित अस्पतालों में भेजते हैं,'' रचना पोद्दार, क्लब सचिव (2021-22) ने कहा।

कार्यक्रम से पहले प्रचार

क्लब के अध्यक्ष डॉ विक्रम प्रेमकुमार ने कहा कि शिविर से पहले सोशल मीडिया पर एक महीने तक प्रचार अभियान चलाया गया था, पर्चे का वितरण किया गया था और रोटरी क्लब भरूच में स्वयंसेवकों ने शिविर में मुफ्त चिकित्सा उपचार का संदेश फैलाने के लिए आस-पास के गांवों में भाग लिया था।

बाल रोग विशेषज्ञों की एक टीम ने बच्चों की जांच की। लगभग 1,500 पोषण किट और एक महीने तक चलने वाले मल्टीविटामिन की खुराक की पर्याप्त आपूर्ति कुपोषित बच्चों को वितरित की जानी थी। ''हम अब तक पोषण किट के साथ 2,150 बच्चों तक पहुंच चुके हैं और पूरे वर्ष उन्हें वितरित करने की योजना बना रहे हैं,'' उन्होंने कहा।

''हम रोटेरियन दुष्यंत पटेल, गुजरात सरकार के उप मुख्य सचेतक, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की विशेषज्ञता, उनके समय और सेवा के लिए आभारी हैं,'' अनीश पारिख, इवेंट-अध्यक्ष ने कहा।

शिविर में लाभार्थी माहीबेन सोलंकी को व्हीलचेयर भेंट की गई। ''अब मैं बेहतर तरीके से घूम सकती हूं। जब भी मेरा मन करता है, अपने घर से बाहर जा सकती हूं और अपने माता-पिता के लिए बोझ बने बिना स्कूल भी जा सकती हूं, जो मुझे पहले ले जाया करते थे,'' उसने गर्व से कहा। ■

रोटरी का मिशन जीवन परिवर्तन

वी मुत्तुकुमारन

भारत के सभी 39 मंडल गवर्नरों ने पिछले 10 वर्षों में 40,000 की सदस्यता वृद्धि की तुलना में केवल एक वर्ष (2021-22) में 20,000 नए सदस्यों को जोड़कर एक अद्भुत कार्य किया है, जिससे यह पता चलता है कि रो ई मंत्र अधिक करो, *अधिक बढ़ों* और *हर एक, लाए एक* हमारे क्षेत्रों में शानदार रूप से सफल हो रहे है, PRIP शेखर मेहता ने जून में चेन्नई के पास कांचीपुरम में रो ई मंडल 3231 द्वारा आयोजित एक पुरस्कार वितरण और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम में कहा।

अपने अध्यक्षीय वर्ष के दौरान उन्होंने रोटरी परियोजनाओं को देखने और राष्ट्र प्रमुखों से मिलने के लिए अपनी पत्नी राशि के साथ किए गए अपने वैश्विक दौरे को याद किया और जाना कि लड़कियों को सशक्त बनाना दुनिया भर में क्लब गतिविधियों का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है। ''अपने रोटरी जीवन के 37 वर्षों में, मैंने पिछले वर्ष की तरह MHM, कौशल विकास और लड़कियों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर इतना जोर देते कभी नहीं देखा।''

मेहता ने कहा कि समस्त भारत के रोटरी क्लबों ने ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली लड़कियों को 10,000 से अधिक साइकिलें दी होंगी ताकि उन्हें स्कूल से आने-जाने में मदद मिल सकें और उन्हें स्कूल ना छोड़ना पड़े। ''मानव जाती में महिलाओं की संख्या आधी है इसलिए उनके पास दुनिया में आधे अवसर होने चाहिए। पुरुषों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर मिले।''

TRF, देने के लिए सर्वश्रेष्ठ

मेहता ने कहा कि अगर कोई TRF को दान कर रहा है तो वह यह तय कर सकता है कि रोटरी में यह पैसा कैसे खर्च किया जाना चाहिए। ''हमारी संस्थान दुनिया का सबसे अच्छा और सबसे भरोसेमंद संस्थान है। दाता यह तय कर सकता है कि पैसा कहां जाना चाहिए, एंड पोलियो में, जल और स्वच्छता में, हैप्पी स्कूल में, या पर्यावरण परियोजनाओं में। TRF को दिया गया पचास प्रतिशत हिस्सा तीन वर्षों में DDF के रूप में मंडल में वापस आता है और एक वैश्विक साझेदार के साथ मंडल के क्लब एक वैश्विक अनुदान परियोजना कर सकते है। प्रत्येक रोटेरियन को हर साल TRF में योगदान देना चाहिए क्योंकि यह उन लाखों लोगों के लिए परिवर्तन लाता है जिनके लिए दैनिक जीवन बहुत कठिन है।''

स्वयं से ऊपर सेवा रोटेरियनों का सिद्धांत होना चाहिए क्योंकि ''हम लाखों लोगों के जीवन को बदलने के मिशन पर है। यह एक दिव्य अवसर है क्योंकि आपके पास परिवर्तन लाने के लिए रोटरी

RID 3231 के डीजी निर्मल राघवन और उनकी पत्नी नंदिनी, रो ई अध्यक्ष शेखर मेहता और राशि को सम्मानित करते हुए।

वी मुत्तुकुमारन

की शक्ति है और आप समय की रेत पर अपने पैरों के निशान छोड़ सकते है।'' मेहता ने कहा कि जब भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यूस्टन में रोटरी सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान रोटरी को 25 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने के लिए कहा, तो वह प्रभावशाली परिवर्तन लाने वाली रोटरी की शक्ति को मान्यता दे रहे थे।

तमिलनाडु के सात रो ई मंडलों के 20,000 रोटेरियनों की क्षमता राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों की तुलना में बहुत अधिक है, और मुख्यमंत्री को रोटरी गवर्नरों से विकास योजनाओं पर एवं कार्यप्रणाली पर राय लेनी चाहिए। कुछ मंडलों में अधिकृत किए जा रहे 'फर्जी क्लबों' की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि गवर्नर के रूप में चुने जाने के लिए वोट बैंक हेतु नए क्लबों के गठन को रोकना चाहिए क्योंकि ऐसे क्लब लंबे समय तक नहीं टिकते। जहां रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन ने पूरे भारत में 125 डायलिसिस मशीनें स्थापित करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया था, ''वहीं DG जे श्रीधर, रो ई मंडल 3232, ने अकेले इस वर्ष (2021-2022) में चेन्नई के अस्पतालों में 134 मशीनें लगाई है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है,'' मेहता ने कहा।

आठ क्लब अध्यक्ष जिन्होंने 25 से अधिक नए रोटेरियनों को जोड़ा है, उन्हें सोने की पिन दी गई थी; और एक प्रमुख दानकर्ता सहित 18 रोटेरियनों, जिन्होंने TRF के लिए 1,000 डॉलर से अधिक का योगदान दिया था, को सम्मानित किया गया। DG निर्मल राघवन (2021-22) द्वारा रोटेरियनों और क्लबों को उनके एकल योगदानों के लिए विशेष मान्यताओं के अलावा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्लबों, अध्यक्षों, सचिवों, उल्लेखनीय परियोजनाओं को लगभग 1,300 उद्धरण दिए गए थे; मोटापे के खिलाफ सर्जरी को लोकप्रिय बनाने वाले जेम अस्पताल, कोयंबटूर, के बैरिएट्रिक सर्जन डॉ प्रवीण राज और कांचीपुरम के मिनमिनी प्रिंटर्स के जी सरवनकुमार को यंग अचीवर अवार्ड दिया गया।

मंडल प्रशिक्षक PDG सी आर चंद्रा बॉब, मंडल सलाहकार ए संपतकुमार, DGE जे के एन पलानी, DGN पी भरनीधरन और DGND एम राजन बाबू को सम्मानित किया गया। लगभग 400 रोटेरियनों, जिनमें 86 क्लब अध्यक्ष और उनके जीवनसाथी शामिल थे, ने पुरस्कार समारोह में भाग लिया। अब तक हमारे पास 96 क्लब और 3,700 रोटेरियन है,'' रोटरी क्लब आर्कोट ईस्ट के थैंक्सगिविंग अध्यक्ष प्रकाश संपत ने कहा। 21-22 में, मंडल ने 670 नए सदस्यों को शामिल किया और छह नए क्लबों को आधिकृत किया, सी भास्करन, सदस्यता अध्यक्ष, रो ई मंडल 3231, ने कहा। ■

रोटरी क्लब डोंबिवली ने एक हैप्पी स्कूल का उद्घाटन किया

टीम रोटरी न्यूज़

हैप्पी स्कूल के उद्घाटन के अवसर पर रोटरी क्लब डोंबिवली के सदस्यों के साथ RID 3142 के डीजी डॉ मयूरेश वारके (बाएं से तीसरे)।

महाराष्ट्र के मुरबाद तालुक के जम्भुर्दे गांव के एक जिला परिषद स्कूल को रोटरी क्लब डोंबिवली, रो ई मंडल 3142, द्वारा एक हैप्पी स्कूल में बदल दिया गया जिससे 120 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए।

क्लब अध्यक्ष उल्का सावला (2021-22), परियोजना अध्यक्ष डॉ शिराली और समन्वयक संजीवी तांबे ने सामग्री की आपूर्ति, श्रम और नवीकरण कार्य की निगरानी की योजना बनाने के लिए इस स्कूल के कई दौरे किए। हमने इस स्कूल को इसलिए चुना क्योंकि इसकी स्थिति बहुत ही खराब थी और इस गांव की आबादी 2,000 है, पूर्व अध्यक्ष शंकर सथावणे ने कहा। मरम्मत में एक मुख्य द्वार की स्थापना, छत की मरम्मत, परिसर की दीवार, लिंग पृथक शौचालय खंडों का निर्माण, कंप्यूटर रूम, ई-लर्निंग किटें और दो स्मार्ट टीवी, किताबें रखने की अलमारी के साथ पुस्तकालय के लिए किताबें, हाथों की धुलाई का एक स्टेशन, वाटर प्यूरीफायर और खेल उपकरण शामिल है।

उद्घाटन के दौरान, DG डॉ मयूरेश वार्के ने परियोजना को पूरा करने और RILM के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए क्लब की सराहना की।■

छोटे-छोटे कदम उठाना

प्रीति मेहरा

बच्चे को जन्म देना अर्थात प्रसव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। यह सिद्धान्त उस समय से ही बच्चे के पालन-पोषण/परवरिश पर भी लागू होना चाहिए जब से कोई बच्चा दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज करता है।

जब कोई परिवार बच्चे के होने की उम्मीद कर रहा होता है तब पारंपरिक रीति-रिवाजों के अलावा, नवजात शिशु और माँ की जरूरत की चीजों की विशाल गतिविधियों की श्रृंखला को पूरा किया जाता है। बहुत से घरों में एक पूरी नर्सरी (बच्चे के लिए उद्यान-गृह) बनाने की योजना बनाई जाती है जिसमें बच्चा खेलता है, बढ़ता है और फलता-फूलता है।

यह उन लोगों के लिए जो प्रकृति के प्रति बहुत सम्मान एवं आदर भाव रखते हैं और हरियाली भरे जीवन में जीना चाहते हैं, यह बच्चों की परवरिश करते समय यथासंभव स्थिरता का उपयोग करने का एक अवसर होता है। पहला कदम बच्चे को जब तक संभव हो लंबे समय तक स्तनपान कराना होगा। यह सबसे अच्छा आहार होता है, जो किफायती है और इसके लिए बोतल या कप की आवश्यकता नहीं होती है, हालांकि कभी-कभी साथ ही नई माताओं को उनकी मदद के लिए स्तनपान पंप की आवश्यकता पड़ सकती है। यह फॉर्मूला मिल्क का सहारा लेने से कहीं बेहतर है, हालांकि कभी-कभी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण इस विकल्प का प्रयोग करना पड़ता है।

अगर किसी कारणवश आपके बच्चे को बोतल से दूध पिलाना है, तो प्लास्टिक की बोतलों के बजाय आप किसी टिकाऊ बोतल को चुनें। आज के दौर में अच्छी दुकानों में कई डिजाइन उपलब्ध हैं। एक गैर-विषैले विकल्प के हेतु कांच की बोतल चुनें, क्योंकि अधिकांश में कांच की सुरक्षा के लिए सिलिकॉन कैप लगे होते हैं जो बच्चे को बोतल को आसानी से पकड़ने में मदद करते हैं। सिलिकॉन निपल्स के साथ स्टेनलेस स्टील की फीडिंग बोतलें भी हैं जिनमें एक सिलिकॉन से बना निप्पल भी जुड़ा होता है। यदि प्लास्टिक की बोतल का उपयोग कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि यह BPA (Bisphenol-A) मुक्त है। खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों से प्लास्टिक की लीचिंग हो सकती है, जो बच्चे के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

कई माताओं के लिए बाजार में मिलने वाला शिशु आहार एक आम प्रतिक्रिया रही है। लेकिन घर पर अपना खुद का बेबी फूड बनाना सबसे अच्छा और सुरक्षित विकल्प है। यह न केवल सस्ता है, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी होता है। अधिकांश डॉक्टर और पोषण विशेषज्ञ यह सलाह देते हैं कि आप फलों और सब्जियों को घर पर ही ब्लेंडर में पीस (प्यूरी बना लें) लें। कुछ बेहतरीन बाजरे से बने हुए दलिया हैं जो हमारे देश के लगभग हर राज्य में उपलब्ध है जो कि पारंपरिक तरीके से बनाया जाता है।

आइए अब हम एक नजर बच्चे की एक जरूरी चीज पर डालें जो कि डायपर है। शहर की दुकानें बच्चों के डायपरों से भरी होती हैं जो कि यूज एंड थ्रो वाले डायपर होते हैं और माता-पिता ऐसे डायपरों को खरीदते हैं क्योंकि यह सुविधाजनक होते हैं। हालांकि, ये गैर-बायोडिग्रेडेबल भी हैं और लैंडफिल को बंद कर देते हैं। यूज एंड थ्रो वाले डायपर के कुछ पैकेटों को आपात स्थिति के लिए या बच्चे को बाहर ले जाने के समय साथ में रखा जा सकता है, लेकिन सामान्यत: यदि आप पुराने नरम कार्बनिक सूती डायपर का उपयोग कर सकते और उन्हें एंटीसेप्टिक सॉल्यूशन की बूंदों से धोते तो आपने पर्यावरण के पक्ष में महान उपकार किया होता।

चादरें, तकिए के खोल (कवर), डायपर बैग और बिब पर भी यही नियम लागू होते हैं। इन्हें पुरानी मलमल की साड़ियों से बनाया जा सकता है। नरम कपास बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक होता है। पर्यावरण अनुकूल (ईको-फ्रैंडली) सामग्री से बने हुए कपड़े बच्चों के लिए बहुत ही आरामदायक होते हैं।

एक शिशु के लिए नर्सरी बनाना आनंददायक और मजेदार हो सकता है और इसे बनाकर आप नवीन परिवर्तन से प्रेम करने वाले हो सकते हैं । चीजों को सरल रखना और इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाना सबसे अच्छा है। जिसे घर पर उपलब्ध सामग्री का उपयोग कुछ बहुत अच्छा किया जा सकता है और उपयोग किए गए कपड़ों को सुंदर कृतियों में बदला जा सकता है या आप बांस और पुआल/भूसा जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से अपना पालना भी बना सकते हैं, इसके लिए बस कल्पना और थोड़ी सी योजना की जरूरत है।

हालाँकि, बहुत सारे सेकेंड-हैंड 'बच्चों के पालने' उपलब्ध हैं क्योंकि माता-पिता पहले 18 महीनों के बाद उनका उपयोग नहीं कर पाते हैं क्योंकि इसके बाद बच्चे ज्यादातर बिस्तर पर चले जाते हैं और माता-पिता बच्चे के पालने को सौंपने के लिए नए माता-पिता की तलाश में रहते हैं। बच्चों के स्ट्रॉलर की भी यही इसी तरह की कहानी है अर्थात स्ट्रॉलर का भी बाद में यही हाल होता है। बजाय इसके कि बच्चे का स्ट्रॉलर (बच्चों की छोटी गाड़ी) बाद में कचरे/लैंडफिल में चला जाए, यह बहुत ही अच्छा होगा कि बच्चे के बड़े हो जाने के बाद अगर यह एक वर्तुलाकार अर्थव्यवस्था का अंग बन जाए और इसे सक्रिय रूप से परिवार, कॉलोनी या समाज के बीच हस्तांतरित किया जा सके।

इसी तरह पुराने दुपट्टे या घर में उपलब्ध कपड़े के अन्य टुकड़ों से भी झूला बनाया जा सकता है।

जहां बच्चा होता है, वहां खेलने का भी समय होता है, लेकिन टिकाऊ खिलौने और सामान का विषय एक विस्तृत विषय है। आइए इसे हम दूसरे अंक में देखते हैं।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

गोदावरी बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए किराने की किट

टीम रोटरी न्यूज़

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में गोदावरी नदी के तट पर रहने वाले बाढ़ पीड़ितों को RID 3150 के रोटेरियन द्वारा लगभग 600 किराने की किट वितरित किये गए। द्वीप गांवों में रहने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हुए। इस साल जुलाई में आई बाढ़ के बाद नदी उफान पर थी। प्रत्येक किट में चावल, दाल, खाना पकाने का तेल और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं, जो एक परिवार 10 दिनों तक इस्तमाल कर सकता हैं।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, मंगलगिरी चैप्टर के सहयोग से रोटरी क्लब मंगलगिरी, ताड़पल्ली और गुंटूर आदर्श द्वारा संयुक्त रूप से ₹5.4 लाख की लागत वाली बाढ़ राहत परियोजना का आयोजन किया गया। रोटरी क्लब मंगलगिरी के अध्यक्ष त्रिपुरामल्लू सतीश बाबू ने कहा, ''600 परिवारों के लगभग 3,000 लोग हमारी परियोजना से लाभान्वित हुए।'' ■

RID 3150 के रोटेरियनों द्वारा प्रदान किए गए अपने किराने के बैग के साथ बाढ़ पीड़ित लोग।

TRF की मदद से अच्छे कार्य

कोलकाता में एनीमिया रोगियों के लिए शिविर का आयोजन

शिविर में महिलाओं को एनीमिया पर पुस्तिका बांटी गई।

परियोजना 'मातृ रक्षा' के तहत रोटरी क्लब साल्ट लेक मेट्रोपॉलिटन, रो ई मंडल 3291 द्वारा आयोजित एनीमिया रोगियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर में 70 महिलाओं की जांच की गई। क्लब ने इस वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए रोटरी क्लब निदाऊ-बील, स्विट्ज़रलैंड, रो ई मंडल 1990 के साथ भागीदारी की है। जबकि 43 में सामान्य हीमोग्लोबिन था, 27 में हीमोग्लोबिन गिनती बढ़ानेवाली दवा की आवश्यकता थी।

जिन लोगों की हीमोग्लोबिन गिनती कम थी, उन्हें आयरन की गोलियां दी गईं, छह महीने तक डीवर्मिंग की सलाह दी गई और उन्हें एनीमिया जागरूकता पुस्तिका दी गई। शिविर में पार्षद राजेश चिड़ीमार, ए जी मौली नाथ माझी, क्लब अध्यक्षा अर्चना गोयल (2021-22) और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। ■

रोटरी स्तन दुग्ध बैंक शिशुओं को बचाता हैं

टीम रोटरी न्यूज़

ठाणे में रोटरी के स्तन दुग्ध बैंक की स्थापना हुए दस साल हो गए है। शिशु रोग सर्जन एवं दुग्ध बैंक के संस्थापक डॉ लक्ष्मीकांत कासट कहते है, जब मई 2012 में इसकी स्थापना की गई थी, तो यह मंडल की पहली और देश की 10वीं ऐसी सुविधा थी। तब वह रोटरी क्लब ठाणे नॉर्थ एंड (तत्कालीन रो ई मंडल 3140) और ठाणे अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स (TAP) के अध्यक्ष थे। इस बैंक ने 16,426 दानकर्ता माताओं से 793.5 लीटर मानव दूध एकत्रित किया है और मार्च 2022 तक इन 10 वर्षों में 2,704 शिशुओं को लाभान्वित करते हुए 716.9 लीटर दूध वितरित किया है, वाग आगे कहते है।

2012 में ₹12 लाख की लागत से स्थापित की गई यह सुविधा TAP, रोटरी क्लब मुंबई नरीमन पॉइंट और तत्कालीन DG विजय जालान द्वारा मंजूर किए गए एक मंडल अनुदान के समर्थन से स्थापित की गई थी। बाद में, 2019 में इसे रोटरी क्लब मुंबई एलिगेंट और एक्सिस इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट से प्राप्त CSR निधियन की मदद से नवीनीकृत किया गया था।

एक स्वस्थ शिशु वाली एवं स्तनपान कराने वाली कोई भी स्वस्थ मां दानकर्ता बन सकती है। बस वह किसी हानिकारक दवा का सेवन न करती हो या रेडियोथेरेपी पर न हो; न ही किसी संक्रामक बीमारी या व्यवहार संबंधी गड़बड़ी से पीड़ित हो; न ड्रग्स, शराब या तंबाकू की आदी हो, शिशु रोग विशेषज्ञ चेतावनी देते है।

2012 में मानव दूध बैंक के उद्घाटन के अवसर पर पीडीजी विजय जालान (दाएं) और डॉ लक्ष्मीकांत कसात (बाएं)।

दाता माताओं से एकत्र किए गए स्तन के दूध को एक बाँझ सुविधा में भंडारित किया जाता है।

यह इकाई कैसे काम करती है

स्तन का दूध दानकर्ता माताओं से हाथ से या फिर दूध बैंक द्वारा प्रदान किए गए पूर्व-निष्कीटित, रिसाव-प्रूफ बर्तनों में स्तन पंपों का उपयोग करके एकत्रित किया जाता है। विभिन्न दानकर्ताओं से एकत्रित किए गए दूध को निष्कीटित स्टील के बर्तनों में पाश्चरीकृत करके तुरंत ही फ्रिज में रख दिया जाता है। प्रत्येक कंटेनर के नमूनों का परीक्षण किया जाता है और परीक्षणों को पास करने वाले सुरक्षित दूध को एक फ्रीजर में संग्रहित किया जाता है। बर्तनों पर नंबर लिखे जाते है और उनपर पाश्चरीकरण की तिथि एवं अन्य विवरण लिखे जाते है।

विभागीय प्रमुख से आदेश प्राप्त होने पर ही दूध का वितरण किया जाता है। स्तनपान न करा सकने वाली माताओं के बच्चे; कई जन्म देने वाली माताएं जो पर्याप्त स्तन दूध का स्राव नहीं कर सकती; परित्यक्त और बीमार नवजात शिशु; स्तनपान की अस्थायी रूप से रुकावट और जिन बच्चों की मां की प्रसवोत्तर अवधि में तत्काल मृत्यु हो गई हो; कम वजन वाले या समय से पहले जन्में बच्चे और दूध चूसने में अक्षम बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, रिश्तेदारों को निर्धारित छह महीने तक बैंक से दैनिक रूप से दूध मिलता रहता है, जिसके बाद बच्चे आमतौर पर स्तन का दूध पीना छोड़ देते है। ■

Wordsworld

Utterly butterly original

Sandhya Rao

For all its massive size, the most recently named winner of the International Booker Prize is perfectly offset by its light-weight, quirky writing.

Yes, *Tomb of Sand* is utterly, butterly original, all 700-odd pages of it. It's no wonder that Geetanjali Shree, whose novel has won the International Booker Prize this year, has infused the Indian literary scene with new energy. This is the first time that a novel originally written in Hindi (*Ret Samadhi*) and translated into English, has won international recognition on such a prestigious scale. Actually, any Indian language, save English. Of course, the credit goes equally to the translator, Daisy Rockwell, and both author and translator share the award and the prize money.

There has been some confusion because of the word 'Booker'. To clarify: There is something called the Booker Prize, the top literary honour in the UK. Earlier open only to writers from the UK and erstwhile British colonies, the field was opened up in 2014 to include authors worldwide, so long as the work is in English and is published in the UK. Indian authors (or authors of Indian origin) who have won this Booker are V S Naipaul, Salman Rushdie, Arundhati Roy, Kiran Desai and Arvind Adiga. On the other hand, the International Booker, which is what *Tomb of Sand* has won, is awarded to a writer of any nationality for a book in English or translation into English. Recent winners include David Diop, Marieke Lucas Rijneveld, Jokha al-Harthi, Olga Tokarczuk, David Grossman and Han Kang. Stirring this pot for a few years was the Man Booker Prize, sponsored by the Man Group of companies.

At this point, a confession: If *Tomb of Sand* had not won international recognition, I might not have even heard of the book, let alone read it and that would have been entirely my loss.

What is this literary sensation that has got everybody all excited? For one, it belies its appearance. Despite being hefty along the lines of a *War and Peace* or *Ulysses*, *Tomb of Sand* has none of the darkness or density of the two classics, either in form or content. Geetanjali Shree has offered us a book that's light, peppy, irreverent, a novel that is and does its own thing. Completely original. I have read some 500 pages so far, and it hasn't worn me down. My arms ache so I can read only a few pages at a time, but my mind is set afloat, my brain dances, my eyes sparkle and sometimes I laugh out loud. The writing is bold, unique, almost stream-of-conscious, and the wordplay delightful. There is a plethora of references to people, places, events that trigger memories; the reader has no choice but to stop and reflect, even if you don't quite get what's going on.

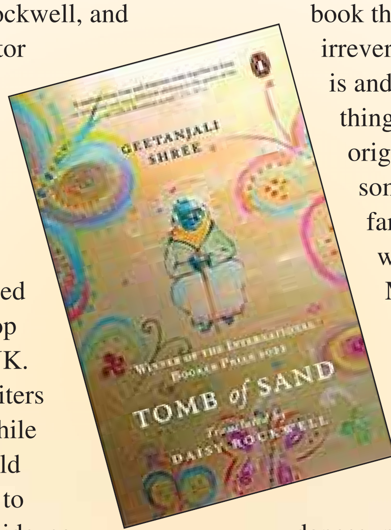

Yet, it moves inexorably forward in the most peculiar manner, playing with words and meanings and contemporary references. You feel the author is not just telling her story in a fantastical manner, she's actually having fun in the process. Generally, you think of good writing as crafted very carefully,

My arms ache so I can read only a few pages at a time, but my mind is set afloat, my brain dances, my eyes sparkle and sometimes I laugh out loud.

every word and sentence and thought put there in a certain way for a certain reason. *Tomb of Sand* so brilliantly camouflages the effort that you feel a sense of freedom as you read on. For instance, at one point when the novel plunges into the world of crows, there's this little passage: 'So there's still more left to the tale of our young crow, Jackanapes. But since we've said *so*, there must be a *just so* tale as well. Such a tiny word, *so*, but nonetheless not as insignificant as one might think. Important linguists, since the time of Sanskrit to the present moment of Annie Montaut, have been quizzing the meaning of *so*, wondering what makes it so puzzling.' The reference is to the book's French translator!

Then, around page 575 that I flipped open at random, there's mention of the painter Bhupen Khakkar: 'Many years ago, there was a painter named Bhupen Khakkar. He told stories with a brush. … He knew that a story cannot be locked into a box, or a canvas, or a gaze.
… Because stories never end. They jump through windows and cracks or other such openings, or create them by shaking causing the earth to quake. From Bhupen's unspoken unwritten unfilled space. Where do they go?... Vanished. Unfettered, unworried. Customs thrown to the winds. Crossing borders. … Arisen from samadhi. Religious fanatics and governments do not care for samadhis, nor stories, nor Bhupen Khakkar. They like to shut them all up. In files, boxes trunks.' A few paragraphs later, there's a reference to writer Paul Zacharaiah.

It's really not possible to say what this book is about because it seems to be about everything, about life. What we understand is that there's an elderly woman (Amma), clearly depressed, who sleeps facing the wall, back to the world, maybe grieving. Her son (Bade), daughter-in-law (Bahu), and daughter (Beti) don't know what to do with her because she responds to nothing. And then she does. In an interview, the author has talked about the old lady's movement from *nahi nahi* (no no) to *nayi nayi* (new new).

Perhaps the most remarkable thing about *Tomb of Sand* is how the absurd becomes the sane; at one level you think what on earth is she talking about and at another you feel yes, yes, that's absolutely right. The words dance crazily and yet make sense. In an interview to the *Financial Express* recently, the author said she never thought about readers while she was writing. And about her use of language she said, 'From my experience over the years and working with theatre, I think what I have learned is that language is an entity by itself. It is not just something to be used as a vehicle. Words have an identity of their own. It's the power of language that really takes over and makes me write in certain ways.' In the person of Amma, the author acknowledges the influence of writer Krishna Sobti on her work, of how she lived life to the fullest.

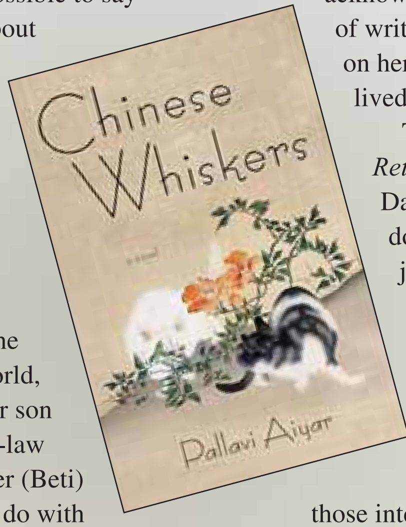

Those familiar with *Ret Samadhi* say that Daisy Rockwell has done a magnificent job with the translation, and the wordplay in particular. This encourages me to try and read the original. For those interested, Geetanjali Shree's other books include *Mai*, *Hamara Shahar Us Baras*, and *Khaali Jagah*. It's not an easy choice for a read, but if you do decide to take it on, you will not be disappointed by *Tomb of Sand*.

Postscript: Alongside *Tomb of Sand*, I've been reading an author who has appeared in these pages before: Pallavi Aiyar. Although she is best known for journalistic nonfiction, she also has fiction titles featuring the adventures of a pair of cats called Soyabean and Tofu. I've been reading *Chinese Whiskers* (set in Beijing) and *Jakarta Tails* (set in Indonesia). A completely different experience from Geetanjali Shree, these two are easy reading that's down to earth but enjoyable. Besides, you get to know a little more about people and places in a straightforward way. And, there's a glossary for Chinese and Bahasa Indonesia words used in the books. And they're slim.

Still, also take a shot at the weighty one is what I suggest.

The columnist is a children's writer and senior journalist

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पनरुति - रो ई मंडल 2981

क्लब ने आदिवासी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को जूते बांटे। रोटेरियनों ने गरीब बच्चों के लिए वार्षिक स्कूल फीस को भी प्रायोजित किया।

रोटरी क्लब नासिक - रो ई मंडल 3030

नासिक के सिविल अस्पताल में नवजात शिशुओं के ICU को उच्च श्रेणी के चिकित्सा उपकरण दान किए गए। IPDG रमेश मेहर और DGE आशा वेणुगोपाल मौजूद थे।

रोटरी क्लब करूर - रो ई मंडल 3000

सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल, कनियालमपट्टी, को एक भूजल सम्प (₹80,000) दान किया गया।

रोटरी क्लब अहमदाबाद ग्रेटर - रो ई मंडल 3054

रोटेरियन डॉ मोनिश कोहली और डॉ रितेश दवे ने एक स्कूल में 300 बच्चों की दांतों की जांच की जहाँ जून 2022 में एक इंटरेक्ट क्लब अधिकृत किया गया था।

रोटरी क्लब विशाखापट्टनम - रो ई मंडल 3020

IPDG एम रामा राव ने एक डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया जिसे ए जी जगपति राजू द्वारा वित्त पोषित किया गया।

रोटरी क्लब सूरत ईस्ट - रो ई मंडल 3060

127 विकलांगों को 157 कृत्रिम अंग वितरित किए गए। रोटरी क्लब एमोरी-ड्रूड हिल्स, अटलांटा, अमेरिका के सहयोग से इस शिविर को आयोजित किया गया जिसे कलामंदिर ज्वेलर्स द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब फगवाड़ा मिडटाउन - रो ई मंडल 3070

फगवाड़ा के गुरु नानक मिशन नेत्रहीन वृद्ध आश्रम में अन्नपूर्णा दिवस मनाया गया।

रोटरी क्लब कुशीनगर - रो ई मंडल 3120

रोटरी क्लब गोरखपुर मिडटाउन और नाइन फाउंडेशन के सहयोग से कासिया के लक्ष्मीपुर टोला में 60 परिवारों को राशन किटें वितरित की गई।

रोटरी क्लब चंडीगढ़ - रो ई मंडल 3080

पंचकुला के हरिपुर गांव में 30 HIV पॉजिटिव मरीजों की चिकित्सीय जांच के बाद उनको राशन किटें वितरित की गई।

रोटरी ई-क्लब पुणे डायमंड - रो ई मंडल 3131

रोटरी क्लब पुणे कैन्टन्मन्ट और अहमदाबाद ग्रेटर के साथ एक संयुक्त परियोजना में 500 महिलाओं को पुन: प्रयोग किए जा सकने वाले सैनिटरी पैड (₹1.5 लाख) वितरित किए गए।

रोटरी क्लब कानपुर आर्यन्स - रो ई मंडल 3110

क्लब ने रोटरी क्लब कानपुर शिखर के साथ संयुक्त रूप से एक गरीब दंपति विजय गौतम और सोमवती की बेटी स्वाति गौतम की शादी को प्रायोजित किया।

रोटरी क्लब बॉम्बे एयरपोर्ट - रो ई मंडल 3141

पालघर के मस्वान गांव के आदिवासी आश्रम स्कूल में नवनिर्मित दूसरी मंजिल पर दो कक्षाओं और एक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब निज़ामाबाद - रो ई मंडल 3150

एक अनेस्थेशिया वर्कस्टेशन (₹7.28 लाख) को निज़ामाबाद के सरकारी अस्पताल को दान किया गया।

रोटरी क्लब शिमोगा सेंट्रल - रो ई मंडल 3182

शेट्टीकेरे सरकारी हाई स्कूल में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में अव्वल नंबर लाने वालों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

रोटरी क्लब बैलहोंगल - रो ई मंडल 3170

क्लब द्वारा जनरल हॉस्पिटल के सहयोग से 500 से अधिक मोतियाबिंद की सर्जरियाँ की गई।

रोटरी क्लब बैंगलोर डाउनटाउन - रो ई मंडल 3190

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस पब्लिक स्कूल में इंटरेक्टरों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

रोटरी क्लब मैसूर नॉर्थ - रो ई मंडल 3181

DG प्रकाश कारंथ ने क्लब अध्यक्ष जगदीश एस एच के पदभार ग्रहण के दौरान एक डिजिटल वीडियो-सुसज्जित बस (₹35 लाख) और एक उत्खनक (₹32 लाख) को हरी झंडी दिखाया जिसका प्रयोजन क्लब अध्यक्ष ने किया था।

रोटरी क्लब कोयंबटूर वडावल्ली - मंडल 3201

RCC वडावल्ली के साथ क्लब के सदस्यों ने रोटरी अदारवनम, पीदमपल्ली में 200 से अधिक पौधे लगाए और एक वृद्धाश्रम में खाना बांटा।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पोलाची - रो ई मंडल 3203

क्लब अध्यक्ष PTS महेश्वर द्वारा फोले कैथेटर (₹37,500) को कोयंबटूर के चिकित्सा सेवाओं के संयुक्त निदेशक डॉ गौरी को दान किया गया।

रोटरी क्लब ग्रेटर तेजपुर - रो ई मंडल 3240

असम के बालीपाड़ा तालुक में बाढ़ से बह गए एक गरीब महिला के घर का पुनर्निर्माण किया गया।

रोटरी क्लब शिवकाशी - मंडल 3212

प्रसूति एवं बाल देखभाल वार्ड में दवाओं के भंडारण के लिए शिवकाशी GH को एक फ्रिज (₹14,000) दान किया गया।

रोटरी क्लब जबलपुर प्रीमियर - रो ई मंडल 3261

120 छात्रों के लिए रयान इंटरनेशनल स्कूल में दंत चिकित्सा और सामान्य स्वास्थ्य पर एक वार्तालाप सत्र आयोजित किया गया। डॉ आतिफ अंसारी ने मौखिक स्वच्छता पर बात की।

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल - रो ई मंडल 3232

नए अध्यक्ष के पी श्रीकुमार के पदभार ग्रहण के उपलक्ष्य में रोटरी सेंट्रल VHS ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 40 दानदाताओं ने भाग लिया।

रोटरी क्लब जटनी - रो ई मंडल 3262

मरीजों को प्रभावी सेवा प्रदान करने के लिए एक नेत्र अस्पताल में एक एम्बुलेंस की शुरुआत की गई। क्लब अध्यक्ष रसिकलाल (2021-22) और निर्वाचित अध्यक्ष पदरबिंदा शाऊ मौजूद थे।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

क्लब स्थापना के दौरान कई परियोजनों का शुभारंभ

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब विरुधुनगर एलीट, रो ई मंडल 3212 द्वारा अपने नए क्लब के अध्यक्ष केबी कमलासेकरन और उनकी टीम के पदाधिकारियों की स्थापना के दौरान कई परियोजनाओं को निष्पादित किया गया था। इस कार्यक्रम में पीडीजी अरुमुगा पांडियन मुख्य अतिथि थे। क्लब सीएससी कंप्यूटर एजुकेशन में ₹1.08 लाख की परियोजना लागत से पांच लड़कियों की कंप्यूटर शिक्षा को प्रायोजित करेगा।

एसएसके महल, विरुधुनगर में आयोजित स्थापना समारोह में 60 महिलाओं (₹6,000) को साड़ी दान की गई। ''हमने केवीएस एचएस स्कूल में छात्रों को 5,000 पानी की बोतलें प्रायोजित कीं, जहां लगभग 4,600 बच्चों ने इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रवेश करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री के कामराज का फेस मास्क पहना था,'' क्लब सचिव उमा महेश्वरन ने कहा। इस परियोजना पर ₹18,500 करोड़ की लागत आएगी।

केवीएस स्कूल के दीपक चंद्रू को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में कट ऑफ अंक (200 में से 199) हासिल करने के लिए युवा उपलब्धि पुरस्कार दिया गया, जबकि क्षत्रिय कन्या एचएस स्कूल की नौ वर्षीय मोनिता श्री को उनके योग कौशल के लिए युवा उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। क्लब ने स्थापना समारोह के दौरान तीन नए सदस्यों को शामिल किया। क्लब द्वारा आयोजित डीजी वी आर मुत्तु की स्थापना के दौरान पीडीजी पीएनबी मुरुगदास ने रोटरी फाउंडेशन के लिए ₹40 लाख का चेक दिया। ■

स्थापना समारोह में पीडीजी पी एन बी मुरुगदॉस से ₹40 लाख का चेक प्राप्त करते हुए डीजी वी आर मुत्तु। (दाईं ओर) मलारविली मत्तु भी चित्र में शामिल हैं।

नौ वर्षीय मोनिता श्री को पीडीजी अरुमुगा पांडियन द्वारा क्लब स्थापना के दौरान सम्मानित किया गया।

जापानी दान के साथ हैप्पी स्कूल

टीम रोटरी न्यूज़

इंदौर के छह सरकारी स्कूलों को रोटरी क्लब इंदौर अपटाउन, रो ई मंडल 3040 के साथ एक डिजिटल बदलाव मिला, जिसमें सॉफ्टवेयर के साथ 70 कंप्यूटर स्थापित करने के लिए 77,500 डॉलर की वैश्विक अनुदान परियोजना को निष्पादित किया गया। पीने के पानी की व्यवस्था और संस्थानों के लिए हैंडवाश स्टेशन स्थापित करने के अलावा, छह इंटरैक्टिव पैनल ऑपरेटिंग सिस्टम, छह प्रिंटर, पावर बैक-अप के लिए यूपीएस इकाइयां, इन उपकरणों के लिए टेबल और कुर्सी की व्यवस्था की गयी।

डीजी जिनेंद्र जैन इंदौर में हैप्पी स्कूल का उद्घाटन करते हुए। उनके दाईं ओर पीडीजी संजीव गुप्ता चित्र में नज़र आ रहे हैं।

पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी ने अपने टर्म गिफ्ट और पीआरआईडी सेजी किता के माध्यम से रोटरी क्लब उरावा ईस्ट, जापान, रो ई मंडल 2770, हैप्पी स्कूल परियोजना में प्रमुख योगदानकर्ता हैं। इस परियोजना के सफल समापन के लिए, डीआरएफसी तकेशी नागाकावा, डीआरएफ डिवीज़न के अध्यक्ष साकू फुजिमुरा, रोटरी क्लब उरावा ईस्ट के अध्यक्ष तोशिकी सानो, भूतपूर्व अध्यक्ष मिनोरू नोगुची, शिगेरू सितो, प्राथमिक संपर्क शिगेरू मत्सुमुरा और

रोटरी क्लब मद्रास ने स्थापित किया डायलिसिस सेंटर

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने (बाएं से) रोटरी क्लब मद्रास के पूर्व अध्यक्ष मोहन रमन, IPDG जे श्रीधर और PDG जे बी कामदार की उपस्थिति में डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन किया।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम ए सुब्रमण्यम ने रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232 द्वारा स्थापित, पुष्पावती बाबूलाल कामदार चैरिटेबल ट्रस्ट और चंद्रकांत मोहनलाल टोलिया परिवार के साथ साझेदारी में बने एक डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन किया। यह एक वैश्विक अनुदान परियोजना है, जिसमें टीआरएफ ने क्लब और टोलिया परिवार से इस उद्देश्य के लिए दान के बाद ₹99 लाख का योगदान दिया है।

शहर के उपनगर माधवरम में नाड़ी आरसीएम टोलिया डायलिसिस सेंटर में 12 बेड हैं और यह एक दिन में 36 मरीजों की सेवा कर सकता है। ₹2.5 करोड़ की लागत से स्थापित, कामदार चैरिटेबल ट्रस्ट ने ₹1.08 करोड़ दान किए हैं और शेष ₹43 लाख दूसरों के योगदान से मिलते हैं। उद्घाटन समारोह में डीजी जे श्रीधर, क्लब अध्यक्ष मोहन रमन, पीडीजी जेबी कामदार और कई सरकारी अधिकारी मौजूद थे। ■

उपहार देने की कला स्त्रीत्व से जुड़ी है

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

किसी को भी उपहार देना हमेशा मेरे लिए एक दुर्गम समस्या रही है। लगभग आधी सदी पहले जब मेरी उम्र 24 साल थी, उस समय मेरी एक प्रेमिका थी और मैं यह देखकर चकित था कि कैसे वह अलग-अलग लोगों को अलग-अलग उपहार देकर उन्हें प्रसन्न करने में कभी विफल नहीं होती थी। इसके विपरीत, मैं केवल धन्यवाद ही कह पाता था। इसलिए मुझे हमेशा उन लोगों से ईर्ष्या रही है जो उपहारों के बारे में अभिनव विचार रखते है। पुरुषों को उपहार देने के लिए मेरी सोच पुस्तकों और व्हिस्की पर आकर खत्म हो जाती है। महिलाओं को उपहार देने के लिए मेरे दिमाग में तुरंत साड़ी का ख्याल आता है। सरल, पूर्वानुमेय और उबाऊ, मेरी पत्नी इसका वर्णन इस प्रकार करती है। उसने मुझ पर इस बात का भी आरोप लगाया कि मैं वो ही किताबें खरीदता हूँ जिन्हें मैं पढ़ना चाहता हूँ, वो व्हिस्की लेता हूँ जिसे मैं पीना चाहता हूँ और शादी के शुरुआती वर्षों में जब पत्नियों द्वारा धूम्रपान की अनुमति दी जाती थी, सिगरेट का वो पैकेट लाता था जो मैं पीना चाहता था। और मैं कहना चाहूँगा कि यह काफी हद तक सच है। मैं साड़ी तो नहीं पहन सकता, है ना?

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मैंने जाना कि अपनी सोच का दायरा कैसे बढ़ाया जाए। कई प्रेमिकाओं, दो बहनों और एक पत्नी ने मेरे दिमाग में एक साधारण सी बात बैठा दी: मनोनियोग। और वे सही उपहार इसलिए दे पाती है क्योंकि वे यह सोचने में घंटों बिता देती है कि क्या दिया जाए? कभी-कभी वे केवल उस स्थान पर जाने पर बहुत पैसा खर्च कर देते है जहाँ वो उपहार मिलता है। एक बार 1976 में, मैं अपनी एक दोस्त को 90 किलोमीटर दूर ले गया जिसे लगभग 6-8 इंच लंबी कांस्य की मूर्ति खरीदनी थी। मूर्ति की कीमत ₹125 थी और पेट्रोल की कीमत ₹50 और वापस लौटते समय दोपहर का भोजन ₹35 का था। यह उपहार सुपर हिट था। यह एक या दो साल तक उसके और उसके दोस्तों के लिए एक मानक उपहार बन गया जब तक कि उन्हें कुछ नया नहीं मिल गया।

लेकिन शादी उपहार देने जैसी कई प्रशासनिक समस्याओं को हल करती है। मैंने यह काम अपनी पत्नी को सौंप दिया। वह अच्छी तरह जानती है कि किसको क्या देना है और उसके लिए कितना खर्च करना है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि महिलाओं को बेहतर और अधिक महंगे उपहार मिलते है। शादी के कुछ शुरुआती वर्षों में मानदंड ₹100 में 20 प्रतिशत ऊपर या नीचे होता था। ऊपरी बढ़त महिलाओं के लिए होती थी। अब यह ₹1,000 में 25 प्रतिशत ऊपर या नीचे होता है। खुशी की बात यह है कि उपहारों पर खर्च की जाने वाली हमारी आय के प्रतिशत में सालाना लगभग पांच प्रतिशत की कमी आ गई जो सड़क के किनारे मिलने वाले ब्रेड पकौड़े के बराबर है।

मेरी पत्नी ने मुझ पर इस बात का भी आरोप लगाया कि मैं वो ही किताबें खरीदता हूँ जिन्हें मैं पढ़ना चाहता हूँ, वो व्हिस्की लेता हूँ जिसे मैं पीना चाहता हूँ और शादी के शुरुआती वर्षों में जब पत्नियों द्वारा धूम्रपान की अनुमति दी जाती थी, सिगरेट का वो पैकेट लाता था जो मैं पीना चाहता था।

चीजों को और अधिक सरल बनाने के लिए, पिछले दशक में बाजार में दो नए उपहार दिखाई दिए है - वाइन और पॉटेड पौधे। दोनों ही विभिन्न श्रेणियों एवं कीमतों में उपलब्ध है। गुड़गांव में जहाँ मैं रहता हूँ, वहाँ आप न्यूनतम ₹1,000 में वाइन की बोतल और केवल ₹100 में एक पॉटेड प्लांट प्राप्त कर सकते है। दोनों के पास अपने प्रेरणाप्रद गुण है। और मानो या न मानो, इनमें कोई परिवहन लागत नहीं लगती है। शराब की दुकानें और पौधों की नर्सरी दोनों ही पैदल दूरी पर स्थित है। यदि धरती पर उपहार देने का कोई स्वर्ग है, तो वह गुड़गांव में है।

लेकिन जैसे कि हर समाधान के लिए एक समस्या का होना आवश्यक है, विभिन्न वाइन और विभिन्न पौधों के बीच चयन करना अप्रत्याशित रूप से कठिन होता है क्योंकि आप वास्तव में नहीं जानते कि आप क्या खरीदना चाहते है। वाइन के मामले में हम लेबल और कीमत के हिसाब से चलते है। पौधों के मामले में हम पत्ते और गमले के आकार के हिसाब से चलते है। वाइन हालांकि खराब हो सकती है, मगर पौधे मिट्टी के बर्तन में फंसी एक पत्तेदार शाखा से अधिक कुछ नहीं होते। दोनों को कुछ दिनों के बाद फेंक दिया जाता है और जिस व्यक्ति को आपने उपहार दिया था वह सोचता है कि आप एक कंजूस मूर्ख है। कुल मिलाकर धन और सम्मान की बर्बादी।

तो हाल ही में मैंने प्रस्तावित किया कि हम बस इलेक्ट्रॉनिक रूप से ही कैश का स्थानांतरण करते है। प्राप्तकर्ता जो चाहे वो खरीद सकता है। इस विचार को बड़े ही ज़ोर से नकार दिया गया। ''तुम बेवकूफ हो,'' मेरी पत्नी ने कहा, ''आपको क्या लगता है कि मैं कीमत वाले टैग को हटाने के लिए इतनी तकलीफ क्यों उठाती हूँ?'' ■

RNT की कार्यकारी समिति (2022–23)

बाएं से: डीजी एन नंदकुमार (कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल), डीजी दुष्यंत चौधरी (अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल), डीजी वेंकटेश एच देशपांडे (सचिव, गवर्नर्स काउंसिल) और डीजी दिनेश कुमार शर्मा (सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल)।

वार्षिक सदस्यता का नवीनीकरण

Scan here to pay

रोटरी समाचार की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, कृपया अपनी वार्षिक सदस्यता का नवीनीकरण करें।

₹480 - प्रिंट **₹420 - ई-संस्करण**

नोट: रोटरी समाचार **पत्रिका की सदस्यता लेना अनिवार्य है**, कृपया ध्यान दें, रोटरी इंटरनेशनल के अनुसार सदस्यता नहीं लेने पर क्लब को निरस्त किया जा सकता है।

ऑनलाइन भुगतान के लिए हमारा बैंक विवरण: HDFC बैंक, मॉन्टीएथ रोड, एग्मोर, चेन्नई - रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, बचत खाता संख्या 50100213133460; IFSC HDFC0003820। **जी-पे के माध्यम से भी सदस्यता शुल्क दिया जा सकता है** (QR कोड नीचे दिया गया है)।

- **UTR नंबर, क्लब का नाम, अध्यक्ष/सचिव का नाम, राशि और हस्तांतरण की तिथि को *rotarynews@rosaonline.org* पर हमारे साथ साझा करें। या 9840078074 पर व्हाट्सएप करें।** सदस्य के नाम के साथ भाषा वरीयता (अंग्रेजी, हिंदी या तमिल) भी इंगित करें।
- https://rotarynewsonline.org/wp-content/uploads/2022/01/Subscription-Form-22-23.pdf पर जाकर सदस्यता प्रपत्र डाउनलोड करें: हम जून में सभी क्लब अध्यक्षों और सचिवों को फार्म ई-मेल करेंगे। क्लब के अधिकारी नए अधिकृत क्लबों को सदस्यता के लिए हमसे संपर्क करने की सलाह दें।
- क्लब के अधिकारियों को क्लब की सदस्यता या सदस्यों के डाक पते में परिवर्तन होने पर *रोटरी न्यूज़* को **नियमित रूप से** अपडेट करना चाहिए ताकि निर्बाध और सुचारू रूप से पत्रिका की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।
- पिन कोड, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी सहित पूर्ण डाक पते के साथ सभी सदस्यों के नाम फॉर्म के साथ डीडी/चेक सहित संलग्न किए जाने चाहिए।
- व्यक्तिगत सदस्य कृपया सुनिश्चित करें कि आपका नाम क्लब की सदस्यता सूची में शामिल हो ताकि आपको पत्रिका की प्रतिलिपि नियमित रूप से प्राप्त होती रहें।
- यदि आपके क्षेत्र में डाक की कोई समस्या या विलंब होता हो तो क्लब थोक प्रेषण का विकल्प भी चुन सकते है। कृपया हमसे संपर्क करें।

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

ADVT.